RASHTRADHAN 2022

SHRI RAHUL BAJAJ

(1938 - 2022) We miss you....



Shiksha Mandal, Wardha's G. S. COLLEGE OF COMMERCE & ECONOMICS

Civil Lines, Amravati Road, Nagpur - 440 001 (A Hindi Linguistic Minority Institution) Tel: 0712-2531760, Fax: 0712 - 2528747 e-mail: gscollegenagpur@rediffmail.com website: www.gscen.shikshamandal.org

NAAC Accredited 'A'-Grade Autonomous College

A RUSA BENEFICIARY INSTITUTION

OUR TRIBUTES

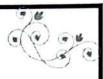


Principal Dr. N.Y. Khandait garlanding the bust of late Shri Jamnalal Bajaj on his Birth Anniversary



Members of teaching and non-teaching staff offering tributes to Late Shri Jamnalal Bajaj on his Death Anniversary.





शिक्षा मंडल, वर्धा, द्वारा संचालित गो. से. अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर (नॅक (NAAC) द्वारा मानांकित "A") (स्वायत्त दर्जा प्राप्त) राष्ट्रधन , कुछ् 9260) 2029 - 2022 संपादक मंडल मार्गदर्शक प्राचार्य डॉ. एन.वाय. खंडाईत मुख्य संपादक -डॉ. देवयानी व्ही. चव्हाण डॉ. एस.एस. कठाळे डॉ. पी.एम. पराडकर (विशेष आमंत्रित) प्रा. आकाश जैन (विशेष आमंत्रित) डॉ. सोनाली गादेकर, डॉ. नेहा कल्याणी छात्र संपादक मंडल सुरभी पाठक (B.Com. VI Sem-E1) अपेक्षा हमणे (M.Com. II Sem-M) तनुश्री बिरोले (BCCA VI Sem) भाग्यश्री पांडे (BBA IV Sem) समृद्धी रे लिशा गुरीया (Honours II Sem) (Fin. & Accountancy IV Sem) प्रकाशक प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खंडाईत गो. से. अर्थ-वाणिज्य महाविद्यालय अमरावती रोड, नागपुर



सम्पादकीय

साहस, निडरता, ईमानदारी, सामाजिक दायित्व के प्रति निष्ठावान और नैतिकता की प्रतिमूर्ति, शिक्षा मंडल वर्धा के अध्यक्ष, बजाज ग्रुप के भूतपूर्व चेयरमैन, पद्मभूषण सम्मान से विभूषित, लोकप्रिय व्यवसायी श्री राहुल बजाज जी का निधन अध्यक्ष, बजाज ग्रुप के भूतपूर्व चेयरमैन, पद्मभूषण सम्मान से विभूषित, लोकप्रिय व्यवसायी श्री राहुल बजाज जी का निधन न केवल हमारी संस्था के लिए अपितु समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। मध्यम और निम्न वर्ग को हमारा बजाज का न केवल हमारी संस्था के लिए अपितु समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। मध्यम और निम्न वर्ग को हमारा बजाज का उपहार देने वाले श्री बजाज ने शैक्षणिक वर्ग में भी कम मूल्य पर नैतिक व रोजगारपरक शिक्षा का न केवल समाज को संदेश दिया अपितु उसे साकार करने का भी अथक प्रयास किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके अप्रतिम योगदान के प्रति जी.एस. महाविद्यालय परिवार उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा।

सुर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर का जाना भी संगीत के क्षेत्र की बडी हानि हैं। इसी प्रकार हिंदी कवियत्री मन्नू भंडारी का जाना हिंदी साहित्य को गहरा आघात है। अत: श्री राहुल जी बजाज, स्वर कोकिला लता मंगेशकर और हिंदी कवियत्री मन्नू भंडारी जी को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

यह वर्ष मराठी कवियत्री श्रीमती शांता शेळके, लोकशाहीर वामन दादा कर्डक, कवी वसंत बापट, हिंदी कवि नरेश मेहता, भीमसेन जोशी जैसे अनेक प्रभावशाली व्यक्तित्वों का जन्म शताब्दी वर्ष भी हैं। उन सभी को हम आदरांजलि नमन अर्पित करते हैं।

हमारा देश इस वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। 'राष्ट्रधन' पत्रिका ऐसी ही नवीन सोच को विद्यार्थियों में बीजारोपित करने का प्रयास है, इसलिए इसमें आजादी के अनाम वीरो और प्रभावशाली व्यक्तित्वों के चरित्र को स्थान दिया हैं। कोविड- १९ के तकनीकी और आभासी युग के बाद अब हमारे विदयार्थी मोबाइल की दुनिया से निकल कर फिर एक बार शिक्षा क्षेत्र के गलियारों को गुलजार करने लगे हैं। कहने को तो आपदा के इस काल में किसी भी क्षेत्र के कार्य थमें नहीं पर इस काल ने हमारी जड़ों को दूषित कर दिया हैं। कहने को तो आपदा के इस काल में किसी भी क्षेत्र के कार्य थमें नहीं पर इस काल ने हमारी जड़ों को दूषित कर दिया हैं। हमारी युवा पीढ़ी के पंख काट कर उनकी उडने की क्षमता को खत्म कर दिया है। मोबाइल के चक्रव्यूह में फंसी युवा पीढ़ी की इस कमी को अगर समय रहते हमने दूर नहीं किया तो हमारे समाज का भविष्य अंधकारमय होने से कोई नही रोक सकता। संपूर्ण विश्व निराशा और आत्मरक्षा व्यवस्था के जिस अंधकार से गुजर रहा है ऐसे में हम सभी को अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी, हमें समय से संवाद करने की आवश्यकता हैं। समाज का प्रत्येक वर्ग अपने स्तर पर न केवल चिंतन करें बल्कि बदलाव की दिशा में सार्थक कदम भी बढ़ाये। विद्यार्थियों के रूके और भटके कदमों को पुन:सृजन व रचनात्मक की ओर मोडना हैं। भटके समय के कैनवास पर विकसित और समृध्द भारत का यथार्थ उकेरना हैं। कर्मण्यता की और कदम बढाते विद्यार्थियों को सामाजिक दायित्व का एहसास कराना होगा। उन अनाम वीरो को यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

'राष्ट्रधन' समिति, मातृसंस्था शिक्षा मंडल, वर्धा की प्रबंधन समिति विशेषत: सभापति श्री संजय जी भार्गव और प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के निरन्तर सहयोग के लिए उनके प्रति कृतज्ञ हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 'राष्ट्रधन' का यह विशेषांक आजादी के उन अनाम वीरो और उपरोक्त वर्णित व्यक्तित्वों को समर्पित करते हैं।

- संपादक मण्डल





'विद्यापीठ गीत'

या भारतात बंधुभाव नित्य वसू दे । दे वरची असा दे । हे सर्व पंथ-संप्रदाय एक दिसू दे, मतभेद नसू दे ।।धृ।।

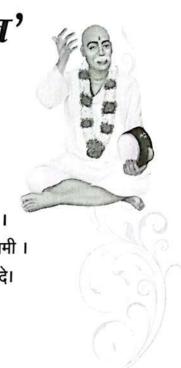
> नांदोत सुखे गरिब–अमिर एकमतानी । मग हिंदू असो, ख्रिश्चन, वा हो इस्लामी । 'स्वातंत्र्यसुखा' या सकलांमाजि वसू दे। दे वरची असा दे ।।१।।

सकळांस कळो, 'मानवता, राष्ट्रभावना' । हो सर्वस्थळी मिळूनि 'समुदाय–प्रार्थना' । उद्योगि तरुण वीर शीलवान दिसू दे । दे वरची असा दे ।।२।।

> हा जातिभाव विसरुनिया एक हो आम्ही । अस्पृश्यता समूळ नष्ट हो जगातुनी । खळ निंदका मनीहि 'सत्य न्याय' वसू दे। दे वरची असा दे ।।३।।

> > X

सौंदर्य रमो घर-घरांत स्वर्गि ज्यापरी । ही नष्ट होऊ दे विपत्ति, भीती बोहरी । तुकड्यास सदासर्वदा सेवेस कसू दे । दे वरची असा दे ।।४।।



_PCoO}e

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

৻৽ঀৢ৾৾৾৾ঀ



ඉලිලො

CONTENTS

	Page No.
• ENGLISH SECTION	E1 - E16
• HINDI SECTION	H1 - H14
• MARATHI SECTION	M1 - M11
• ACTIVITY AND COMMITTEE REPORTS	01 - 42



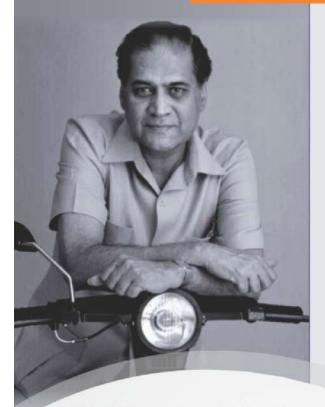
X

Our Inspiration



LATE SHRI RAHUL BAJAJ (1938 - 2022)

SHRI RAHUL BAJAJ : A LIFE WELL LIVED



Shri Rahul Bajaj graduated from St Stephen's College, Delhi in 1958 with an Honours Degree in Economics. Shri Rahul Bajaj also obtained a degree in Law from Bombay University and an MBA from Harvard Business School.

1968	Chief Executive Officer Bajaj Auto
1972	Managing Director Bajaj Auto Ltd.
1979-80 and 1999-2000	President of the CII.
1986-89	Chairman of Indian Airlines
2001	Awarded Padma Bhushan
2006-2010	Member of Parliament (Rajya Sabha)
April 2021	Chairman Emeritus Bajaj Auto Ltd.
1995-2022	President Shiksha Mandal, Wardha



Shri Rahul Bajaj receiving Padma Bhushan from the Hon'ble President of India Shri K. R. Narayanan



Ananta-ASPEN Leadership Award

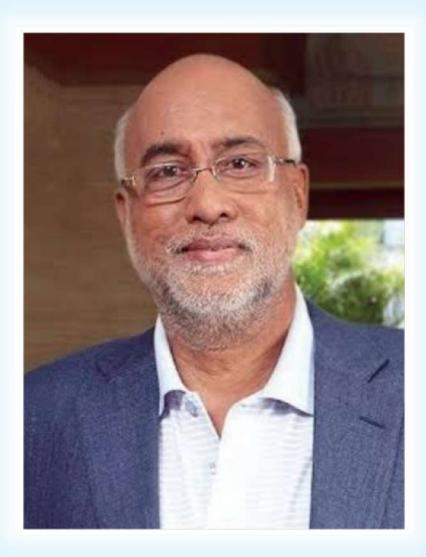


At the Silver Jubilee Program of DMSR, G.S. College, Nagpur



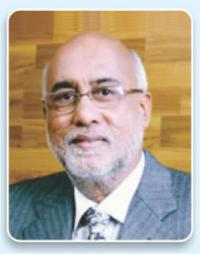
At the Inauguration of Bajaj Bhavan, G.S. College, Nagpur

Our Inspiration



Shri Shekhar Bajaj President & Trustee

Shiksha Mandal Trustees / Office Bearers



Shri Shekhar Bajaj President & Trustee



Shri Madhur Bajaj Trustee



Shri Sanjay Bhargava Chairman & Trustee



Shri Sanjiv Bajaj Trustee



Shri P. D. Khemuka Joint Secretary



Shri Bharat Mahodaya Vice-President



Shri Ambikaprasad Tiwari Joint Secretary



From the Principal's Desk

Dear Students,

First of all, let's rejoice the fact that all of us have succeeded in putting behind the dreaded Covid-19 days and have started breathing freely, both literally and metaphorically, and that we have started taking positive steps towards leading a normal life.

So when you came back to campus in February, and in such huge numbers, it was indeed a sight to watch. Your cheerful faces and broad smiles, missed for 2 years by one and all, have brought back vibrancy and vivacity which every campus deserves.

Sadly, though, and, amidst such happiness, we lost our patriarch Shri Rahul Bajaj, who left for his heavenly abode on 12.02. 2022. Known as one of the most dynamic industrialists in the world while leading the Bajaj Group, Shri Rahul Bajaj, has also contributed enormously to the cause of education as the President of Shiksha Mandal. The newlook and new profile of GSCEN is the outcome of Shri Rahul Bajaj's progressive vision. We will indeed miss him.

This year's Rashtradhan is dedicated to the great soul and memories of Shri Rahul Bajaj whose magnanimity and love for our students remains unparalleled.

But we are marching ahead on the path shown to us by our leader and achieving, one by one, all those targets that Shiksha Mandal has envisioned for us.

We have successfully completed four years of autonomy and very soon are going to have our first Convocation. Our newly launched programmes of B. Com. (Hons) and B. Com. (F & A) are attracting students from all parts of country, currently, students from 12 states are studying in these programmes.

Importantly, students have contributed tremendously for achieving our objectives vis-à-vis autonomy and especially in the conduct of examinations. So when the world was opting for the popular MCQ pattern examinations, our students chose to go for full length descriptive pattern examinations and have shown to one and all that GS'ians are different to remind me of Robert Frost's famous lines:

I shall be telling this with a sigh Somewhere ages and ages hence: Two roads diverged in a wood, and I – I took the one less travelled by, And that has made all the difference.

Dear students, if not now, but surely in future, you will realize what difference the "less travelled" roads of autonomy and offline examinations have made to your life and careers.

2021-22 has also seen a phenomenal growth in infrastructure. The new Platinum Jubilee/ RUSA building has been opened for students; our heritage building, after renovation, now wears a new look; Girls have now occupied the Women's Hostel; Classrooms have been equipped with the smart technology; new concrete parking lot is ready; new playground has been created and much more.

By the time this edition of **Rashtradhan** reaches you, your S/2022 examinations would have been completed and I am sure that you would have done well. So I reserve my best wishes for your new session and expect all of you to build upon all the good work done in 2021-22 so that brand-GS touches new heights and sets new standards for others to emulate in 2022-23 and onwards.

However, I won't be around to share your success-stories as I am retiring on July 31, 2022. These have been 10 wonderful years which I will cherish for lifetime. Your support and faith in me has been a driving force all along and so if I have achieved anything worthwhile as your leader, I dedicate it to all of my students and colleagues who supported me through thick and thin over a period of a decade. Love and bless you all.

Dr. N. Y. Khandait Principal

HUMBLE TRIBUTES TO SHRI RAHUL BAJAJ



Floral Tributes to late Shri Rahul Bajaj by G.S. Family, Nagpur



Students paying tributes



NNC Cadets offering Salutes



Tributes through Guard of Honour

14/02/22 11:31 AM





Students paying hom age in classroom

Google



Bajaj Family Members paying tributes



Shri Jaydeep Shah paying floral tributes

HUMBLE TRIBUTES TO SHRI RAHUL BAJAJ



Shri Nilesh Sathe paying his tributes



Shri Nilesh Sathe Speaking at the condolence meet



Principal Dr. N.Y. Khandait paying his tributes



Shri Vinod Bajaj sharing his views in the condolence meet



Justice Shri Vijay Daga paying his tributes in the condolence meet



Sint. Bajaj paying her tributes in the condolence meet



Shri Jaydeep Shah addressing the staff in the condolence meeting



Principal Dr. N.Y. Khandait paying homage in the condolence meet

MERIT STUDENTS (UNDER AUTONOMY)

M.COM. (SUMMER-2020)



Rajeshwari D. Sharma Rank -01



Rank-02



Rank-03

M.COM. (SUMMER-2021)



Jayantkumar V. Rane Rank-04



Dhiraj Choudhary Rank-05



Preeti S. Hemnani Rank-05



Archana Kumari Rank-01



Rank -02



Manasi S. Bhalerao Rank-03

M.B.A. (SUMMER-2020)



Sheetal G. Singh Rank -04





Pragati D. Sharma Rank-01



Harshal M. Maske Rank-02 Rank-02



Ritika R. Agrawal Devarchit R. Shrivastava Shubham S. Badonia Rank-03



Rank -04





Kanchan M. Sattalwar Harshita Pattnayak Rank-01



Rank-02



Abhishek A. Sharma Rank -03





Rank-04

Vedant J. Sharma Rank-04



Nayan B. Nagdeve Rank-05



Rebant R. Pariyar Rank-01



Shweta K. Shriwas Rank -02



Sukeshini S. Mishra Rank-03

03



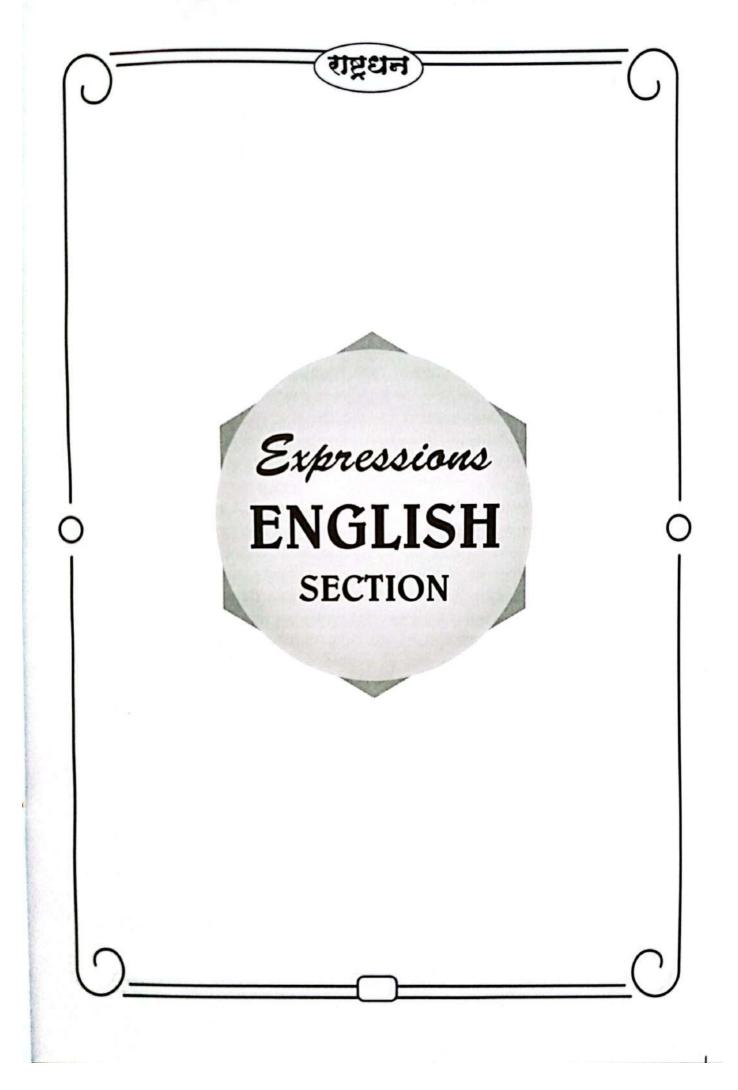
Anjali K. Ghate Rank-04



Laxmi D. Selokar Rank -05



M.B.A. (SUMMER-2021)



Rahul Bajaj – A Tribute to the Legendary Entrepreneur

राष्ट्रधन

What do you remember when I say the name'Bajaj'?

I am sure you recall the 'Chetak' scooter.

You know, when I was 5 years, me and my father used to go on a long drive on the iconic Chetak scooter. After years, when my father decided to buy a new bike he said " no matter what choices we have, we will buy Bajaj only". This is how the Bajaj group had instilled trust in all of us. But the overwhelming success of Bajaj group was not overnight and also not magical. It was due to the sheer hardwork, planning and confidence of one of the greatest entrepreneurs of our times, the charismatic Mr. Rahul Bajaj.

Shri. Rahul Bajaj was born on 10 June 1938. His parents were Shri Kamalnayan and Smt. Savitri Bajaj. During that time, the Bajaj group was third generation into business commodities trading. He completed his schooling from Cathedral and John Conon school, Mumbai and thereafter graduated in Economics, from St. Stephen's College, Delhi. Later he joined his family business, Bajaj Electricals as Junior purchase officer. He used to attend lectures at the Government Law School in morning and then moved to work in Bajaj Electricals. He knew that he would have to run the company with competence and professionalism. Therefore he decided to go for further studies and went to Harvard in 1962 to study Business Management. He finished his education in 1964 and returned to India . He joined Bajaj Auto as Deputy Manager incharge of the commercial function of the Company under the guidance of Naval Firodia.

One of the qualities of Rahul Bajaj was that he worked very hard to reach the top. Inspite of being the Owner's son, he was given no concession when he joined the business. He learned every aspect of business and involved himself in all the departments like finance, sales, purchase, marketing, audit, etc. After the death of his father he became the sole leader of the company. Rahul Bajaj had a great foresight to assess the markets for new ventures and he expanded into new businesses including cement, electrical appliances and scooters. He exponentially increased the Company's revenues. The company launched it's most iconic scooter Bajaj Chetak and within few years it became one of the most popular and loved two-wheelers in the country. For rising aspirations of middle class, Bajaj Chetak was a matter of pride and this trust continued for years. The iconic tune "Hamara Bajaj" became synonymous with customer's hopes of a better future in the 1980-90s. His pet project, the Bajaj Chetak Scooter, was a huge success story.

As life is never a smooth journey, Rahul Bajaj too faced many low points in his life. Parting ways with Firodia and the Italian Automobile major Piaggio was a difficult time. When the Bajaj Group fell foul of the Government, the Company suffered as they were not allowed to expand their facilities to meet the growing demand. The Union-related problem at his factory, which turned violent also raised questions about the style of management that the Bajaj Group followed. But the high points in his life over shadowed the others. Today, Bajaj has a 60% market share in the World's two-wheeler market. Rahul Bajaj's pioneering efforts have made Bajaj Auto the fourth largest twowheeler Manufacturer in the world.

राष्ट्रधन

Rahul Bajaj served twice as the President of the Confederation of Indian Industry(CII) and once at the Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM). In 2001 Rahul Bajaj was awarded with Padma Bhushan, the third highest civilian honour in the country. He was also the former chairman of the International Business Council, World Economic Forum and a former member of the South Asia advisory board of Harvard Business School.

Bajaj group has contributed immensely in the health care as well as educational sector. Kamalnayan Bajaj hospital, Shiksha Mandal, Gandhi Gyan Mandir and many more ventures were under his presidency. Rahul Bajaj's penchant for imparting quality education to students in this part of the world, encouraged Shiksha Mandal to start Bajaj Institute of Technology at Wardha, modelled on the lines of the best technical Institutes. The Bajaj group has also contributed in the fields of arts, science, medical, polytechnic and agriculture to provide the best education to the youth of India. Shri Rahul Bajaj contributed immensely to the economy of India. His penchant for providing quality education to youth,his contribution to many social causes, his outspoken views on many debatable issues, makes him class apart from others. This great enterpreneur and dynamic leader passed away for his heavenly abode on 12th February,2022.

As a tribute to this iconic leader, I would like to express my gratitude for making us believe that hard work always pays off. He would be commemorated for bringing the automobile sector on the World map, and also personally for me, making my rides memorable.

Sir, you will always be remembered. HUMBLE TRIBUTES.

SURBHI PATHAK B.COM SEM 6, E1 राष्ट्रधन

75 Years of Indian Independence



India completed its 75 years of independence on August 15, 2021, with usual pride to mark its freedom from British rule. The Indian independence movement began during World war-I and was led by Mohandas Karamchand Gandhi. On August 15,1947, India got its freedom, ending an almost 200 - year British rule.

About the History of India's independence:

The Indian independence Bill was introduced in the British House of Commons on July 4, 1947, and passed within a fortnight. It provided for the end of British rule in India on August 15, 1947. After that, India become a free country with the bifurcation of India and Pakistan.Some of the great freedom fighters who helped in India's freedom struggle include Mahatma Gandhi, Jawaharlal Nehru, Sardar Vallabhbhai Patel, Bhagat Singh, Chandra Shekhar Azad, Subhash Chandra Bose and many more.

Significance of India's Independence Day

India's Independence Day is significant as it stands as a reminder of the sacrifices that many freedom fighters made to get independence from British rule. It is a national festival and it is usually observed throughout the nation with the hoisting of the tricolour, parades and cultural events. India's first prime minister Jawaharlal Nehru hoisted the Indian national flag above the Lahori Gate of Red Fort in Delhi on August 15, 1947. It is a tradition that has since been followed by the incumbent Prime Minister, followed by an address to the country.

Facts about India's Independence Day

- The song 'Bharoto Bhagya Bidhata' composed in 1911 by Nobal Laureate Rabindranath Tagore was renamed as 'Jana gana Mana' and adopted by the constituent assembly of India as the national anthem on January 24, 1950.
- The Indian National Flag with the three horizontal stripes of saffron, white and green was hoisted on August 7,1906, at Parsee Bagan Square in Kolkata. The first variant of India's current national flag was designed by freedom fighter Pingali Venkayya in 1921. The current flag of India was officially adopted on July 22, 1947.

Five other countries celebrate their independence on August 15 along with India.

They are Bahrain, North Korea, South Korea and Liechtenstein.

 The Indian Flag is manufactured and supplied from only one place in the Nation. The Karnataka Khadi Gramodyoga Samyukta Sangha, located in Dharwad in Karnataka, has the authority to manufacture and supply the Indian National Flag. According to the Bureau of India Standards (BIS), the flag is manufactured only with hand-spun and hand woven cotton khadi wafting.

राष्ट्रधन

India Rising what does it mean to world :

India has established relations with world powers such as Great Britain, the European Union, Japan, Russia, and the United States. It houses one-sixth of the world's population, maintains a unique democratic ethos, and pursues a foreign policy of national interests and solidarity with developing countries. India has invested heavily in its relations with neighboring countries, including China, to



create a favorable environment for economic growth.

The present economic growth of India - the fastest-growing major economy in 2015 - 2021 has increased its standing on the world stage, and it is now the most advanced country and performing strongly. Its economy is also the second-largest in the world regarding purchasing power parity, giving it more significant global clout and power by expanding and modernizing its military capabilities.

India has 5000+ years old history, 1/6th of the landmass, and almost five times the USA's population. India's challenges are 1000 times more complex. India is the largest exporter of intellectual brainpower to the entire world. Celebrating India's Independence Day should not deter the spirit from imagining a powerful, prosperous, and peaceful India in 2047, when India celebrates 100 years of independence.

As India enters its 75th year of independence, there are many reasons to be cautiously optimistic about its place in the world. Since independence, India has reclaimed its progressive school of thought, namely democracy, secularism, law, respect for human rights, rational and deductive thinking, and science and technology development. On the other hand, India has proved to be a "bridge between the many extremes of the world".

India, home to many traditions and the largest and most vibrant democracy, has won the most medals in 121 years of Olympic participation.

E-4

Let us celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav' with great pride.

Darshana P. Virulkar

B.Com. Honours III Sem



THE ROLE OF INDIAN YOUTH IN BUILDING A STRONG INDIA

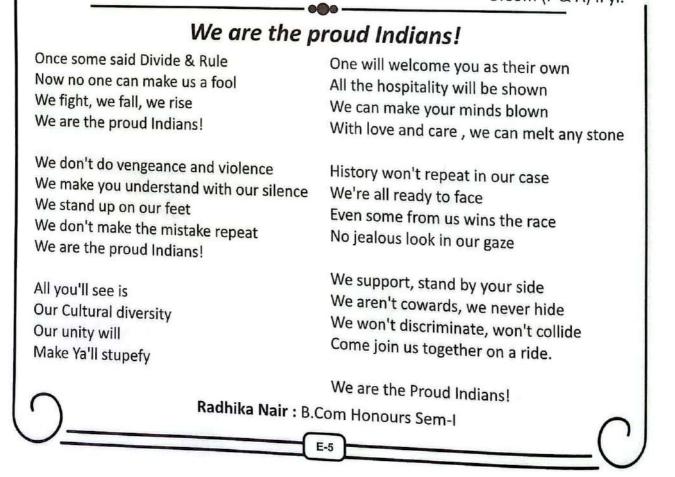
It is well known that youth of any country are a great asset. They are the future of the country and represent it at every level. The intelligence and work of the youth will take the country on path of success. As every citizen is equally responsible the youth is too. Youth are the building blocks of a country.

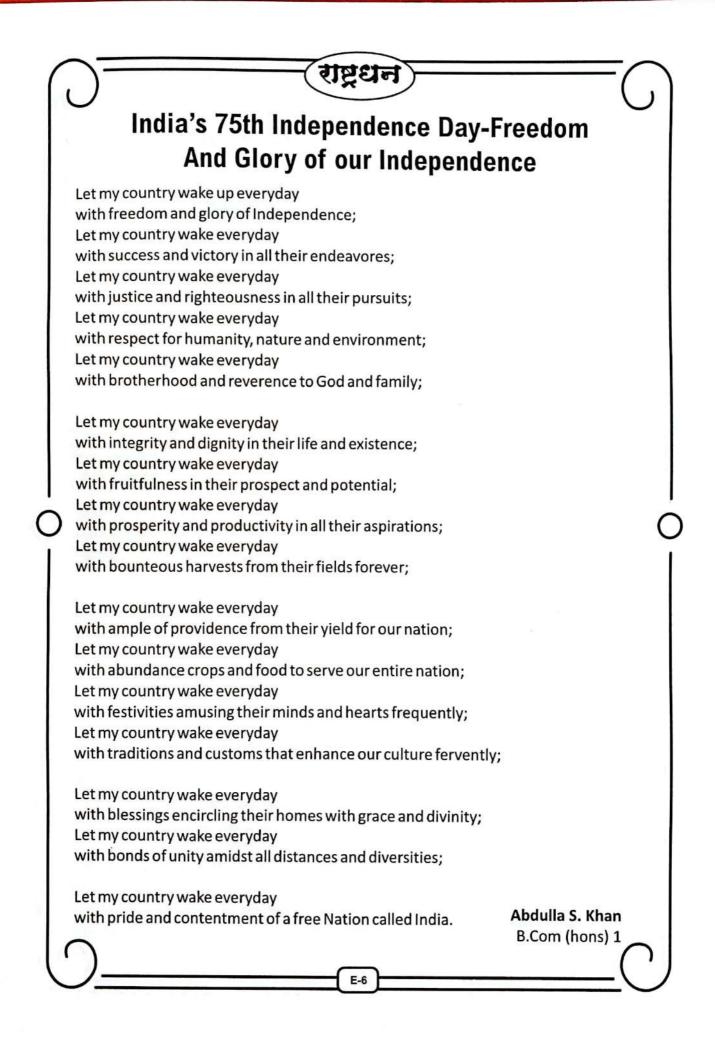
The youth are important because they will be our future. Today they might be our children tomorrow they will go on to become leaders. The youths are very energetic and enthusiastic. They have the ability to learn and adapt to the environment.

Our youth can bring social reforms and improvement in society. We cannot do without the youth of a country. The nation requires their participation to achieve the goals and help them in taking the country towards progress.

Almost 35% of Indian's population comprises of youth. They have the power to change the nation as the young mind will come up with more fresh and innovative ideas that will help in development of the country more efficiently. Youth are needed every where, be it the technical field, sports field, or any other field for that matter. There are many ways in which we can help the youth of our country to know and achieve their potential. The government of our country must introduce program and rules that will help in fighting with issues of our country like unemployment, Poverty education etc.

Tanmay D. Rewatkar B.Com (F & A) II yr.







The Role of Youth in Building a Strong India

The youth of India is the largest constituent of the population. But, is having a huge population enough for the progress of a country? This is rather subjective.

To build a 'strong' India, acceptance of the countless weaknesses is important. The social norms have wrecked the nation's integrity for years. Our nation is the land of diversity, only if this diversity is accepted too. The fear of risk is so high, experiences are valued more than innovation. The value of education is reduced to grades. Our comfort has led to the discomfort of animals.

Millennials and Gen Zs make today's youth. Their energy and enthusiasm make them an asset for the development of the nation and break the chains of oversight and stereotypes. For them to be heard, the concept of ageism has to be given up. Inviting new perspectives of the young minds result in exploration, not disrespect.

The role of the youth today is not limited to the political or economic fields. India has young activists like Sneha Shahi whose attempt at making the environment cleaner, is bringing the animals back to their habitats. The youth is aware of the responsibility towards Mother Nature.

There are cultural conservationists like Najum UI Huda. Head of 'We For Kargil' (WFK) who aims to make Kargil remembered as a place of rich cultural heritage and not just a former war zone.

The youth today is preserving the culture, as it's a part of their identity and not just a tourist attraction.

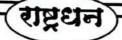
There are innovators like Ashok Gorre, making the agricultural sector more efficient. Every year students learn about Green Revolution which had an ambivalent effect on the sector, over 60 years ago. It's high time that efficient and relevant transformations are considered.

Volunteers like Gauri Kapoor and Purva Kini, amidst all the digital barriers, are imparting knowledge to the kids living in the remote village called Turtuk in Ladakh. Education is no more limited to the privileged.

The word 'Digitally Savvy' is not enough to define the youth today. Be it pointing fingers of accusations or claps of appreciation, they don't back out from either. They are holding themselves and institutions accountable to create a more sustainable and equitable world. The Indian youth aims at the 'list of the developed countries' and is taking one step at a time to see India on it.

E-7

Samarpita Sandip Roy BCom 2nd Year (E1)



Unsung Heroes of India Independence

India's long drawn struggle to free itself from the foreign rule has been a saga of valour. The untold miseries and sufferings of those who fought for the freedom of their motherland form a glorious part of the story of resolve and yearning for self rule. The fight was not merely for political rights, but for freedom from oppression of the alien rule in all walks of life. Over the years, the freedom struggle struck deep roots across the length and breadth of the country. It drew strength from every nook and corner of the country cutting across caste and creed, region and religion. The supreme sacrifice and selfless spirit of our freedom fighters have carved out a niche in the annals of history.

Chaphekar brothers: Freedom fighters Damodar Hari Chapekar and his brothers Balkrishna and Vinayak Chaphekar were born in Chinchawad district Pune, Maharashtra. On June 22, 1897, the three brothers set out to kill British officer Walter Charles Rand who had handled the plague in Pune in a high-handed manner. Another police officer Lt Charles Ayrest who was passing by was also shot by Balkrishna Chapeker. Eventually, Damodar, his brothers and his friend Mahadev Ranade were caught and hanged.

Raut Baji : Raut was born in 1926 in a village, Nilkanthapur, Dhenkanal in Odisha. Son of Shri Hari Raut baji was a boatman and volunteer of the Praja Mandal in the Dhenkanal State. He undertook the task of keeping vigil on the movement of the State police and troops at the Nilkanthapur Ghat on the Brahmini river during the reign of terror let loose against the people by the State authorities in 1938. On the night of October 10, 1938, a number of policemen and soldiers tried to force him to take them across the river in his boat. The twelve-year- old boy refused to do so and told them that they were enemies of the people. A soldier struck him on his head with the butt of his gun and his skull was fractured. Despite his serious injuries, he raised an alarm and warned the villagers about the arrival of the soldiers and policemen. He died the same night due to excessive loss of blood.

Peer Baksh : Peer was a resident of Delhi. He fought against the British forces at Delhi. Peer retreated towards Jaipur State after the defeat of the rebel forces. After that he was captured by the British at Hindan in Distt. Sawai Madhopur, Rajasthan. Peer was rescued by soldiers of the Jaipur State Army stationed at Hindan, who

Unsung Heroes of India Independence

राष्ट्रधन

India's long drawn struggle to free itself from the foreign rule has been a saga of valour. The untold miseries and sufferings of those who fought for the freedom of their motherland form a glorious part of the story of resolve and yearning for self rule. The fight was not merely for political rights, but for freedom from oppression of the alien rule in all walks of life. Over the years, the freedom struggle struck deep roots across the length and breadth of the country. It drew strength from every nook and corner of the country cutting across caste and creed, region and religion. The supreme sacrifice and selfless spirit of our freedom fighters have carved out a niche in the annals of history.

Chaphekar brothers: Freedom fighters Damodar Hari Chapekar and his brothers Balkrishna and Vinayak Chaphekar were born in Chinchawad district Pune, Maharashtra. On June 22, 1897, the three brothers set out to kill British officer Walter Charles Rand who had handled the plague in Pune in a high-handed manner. Another police officer Lt Charles Ayrest who was passing by was also shot by Balkrishna Chapeker. Eventually, Damodar, his brothers and his friend Mahadev Ranade were caught and hanged.

Raut Baji : Raut was born in 1926 in a village, Nilkanthapur, Dhenkanal in Odisha. Son of Shri Hari Raut baji was a boatman and volunteer of the Praja Mandal in the Dhenkanal State. He undertook the task of keeping vigil on the movement of the State police and troops at the Nilkanthapur Ghat on the Brahmini river during the reign of terror let loose against the people by the State authorities in 1938. On the night of October 10, 1938, a number of policemen and soldiers tried to force him to take them across the river in his boat. The twelve-year- old boy refused to do so and told them that they were enemies of the people. A soldier struck him on his head with the butt of his gun and his skull was fractured. Despite his serious injuries, he raised an alarm and warned the villagers about the arrival of the soldiers and policemen. He died the same night due to excessive loss of blood.

Peer Baksh : Peer was a resident of Delhi. He fought against the British forces at Delhi. Peer retreated towards Jaipur State after the defeat of the rebel forces. After that he was captured by the British at Hindan in Distt. Sawai Madhopur, Rajasthan. Peer was rescued by soldiers of the Jaipur State Army stationed at Hindan, who

E-8

rebelled against the British. He was captured again by British troops and imprisoned at Agra. This time Peer was sentenced to death and executed by hanging at Agra in 1857.

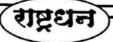
राष्ट्रधन

Tirot Singh: He was one of the Chiefs of the Khasi people in the early 18 th century. He was born in Nongkhlaw, West Khasi hills, Meghalaya. He drew his lineage from the Syiemllieh clan.He fought against British attempts to take over control of the Khasi Hills. He fought with native weapons such as a sword and shield. He was shot at by the British and died on 17 th July, 1835.

Maganbhai Patel: He was born at MatwadMokhalaFalia, District Surat, Gujarat. He was a student of third standard and took part in the Quit India Movement. He received bullet wound in a firing by the police on August 22, 1942 and he died on the same day. The freedom struggle is a part of recorded history, yet there are a large number of selfless, valiant freedom fighters whose contribution could not find mention. The story of India's freedom struggle is incomplete without these unsung heroes. We pay tribute to these great sons and daughters of our country.

E-9

Vaishnavi Bhendarkar B.Com (Hons) 1st Year



Real meaning of Education

Education does not mean teaching people to know what they don't know; it means teaching them to behave as they do not behave. An educated individual is one who has the ability to differentiate between right & wrong, good & evil . There are two types of education . One that makes us live and the other a living.

Individuals are not born good or evil, but their choices make them so .It is the most critical responsibility of a society to teach its citizen to make the right choices in life through formal and informal education

According to Mark Twain & Plato

Training to achieve excellence in youth which makes a man passionately desire to be a perfect citizen& teaches him to rule and obey with justice. This is the only education, which deserves the name .The other sort of training that aims at acquiring wealth or bodily strength, is not worthy to be called education at all.

Why Is Education Important?

- Educated people are easy to lead but hard to enslave.
- Education will produce a good citizen who not only makes a good living but a good life.
- In a democracy i.e. (INDIA) where the quantity of votes rather than quality determine the future of nation, the more enlightened the citizens are, the better choices will they make.

A politician made a major shift from a stand that he took in the past . A fellow politician congratulated him and said ," I am glad that you saw the light. "The politician replied, "no, I just felt the heat."

Since the politician refuses to see the light, citizens ought to make them feel the heat that can only happen if our citizens are enlightened.

"Educating the mind without morals create a maniac in a society."

Education is the most powerful weapon which you can use to change the world. It is the passport to the future, for tomorrow belongs to those people who prepare for it today

What Education Is Not?

• Education is not a matter of handing medical books & a stethoscope to a child and expecting him to be a doctor.

• Education is just not a degree. A degree tells us that a person has a lot of information is one area, but that does not necessarily mean that person has the abilities and capabilities to live righteously. A person does need information to get educated, but having information does not necessarily mean that a person is educated.

How can a blind man visualise colours? How can he distinguish between light & dark? When the blind lead the blind, they both fall in the ditch.

Thus in today's generation we have to see how can we show light to the blind! That is the big question, if we want our citizen to be enlightened.

"EDUCATION IS THE MOVEMENT FROM DARKNESS TO LIGHT"

E-10

Ashlesha.P.Dongre MBA 2 nd Year



Survival of the Fittest

राष्ट्रधन

Congratulations! You have survived the 1st, 2nd and 3rd wave of Covid pandemic, don't you think it's an achievement for you and your immune system. Also it's a sign of your good mental health which depicts that you were the fittest and because of that you survived. Since March 2020, when this Covid crisis started, we all had ample amount of time to pause, plan and re-start the journey of our life. As we know in every situation of crisis there lies an opportunity which can transform our lives. To change the direction of our life we have to first accept the things, then shift our focus to find all possible opportunities. To perform this activity one trait which is really important is positive attitude of a person and optimistic approach towards life. A positive attitude is an optimistic and happy state of mind. A positive attitude means a mentality that is not daunted by obstacles, difficulties or delays, and not give up easily.

A person with a positive attitude is willing to experiment, take action and do things. He or she does not accept things as they are, and are willing to take efforts and give time for their goals. Such people, believe that they will accomplish what they have set their mind, to do.People with a positive frame of mind think about possibilities, growth, expansion and success. They expect happiness, health, love and good relationships. They think in terms of,

'l can'

'l am able'

'I will succeed'.

Surprisingly this is similar to the concept of "Survival of the fittest" which has originated from Darwinian evolutionary theory. It describes the idea that, in Nature, there is competition for Survival. As I mentioned earlier, people with a positive attitude are not daunted by pandemic, competition, failures and obstacles. If things don't turn out well as expected, they will try again. A positive attitude is a state of mind you can learn and adopt in your everyday life to survive in this rapidly changing world. This frame of mind can help you in your work, in relationships, and in accomplishing goals. People with a positive frame of mind, inspire and encourage others, and they spread happiness and hope around them.

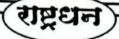
True positive thinking is not just saying that everything will be okay, as a lip service, and at the same time think about failure and expect difficulties. In order to bring beneficial changes and improvement into your life, a positive attitude has to become your predominant mental attitude throughout the day. It has to turn into a way of life. It has to become a habit.Real and effective positive attitude requires that you focus on positive thoughts and emotions, and also take positive action.

This might sound tough, but it is not. It is a gradual process, and can be enjoyable. So be positive and rediscover yourself with all upcoming opportunities in life.

E-11

Tailpiece quote by Robert H. Schuller, "Tough times don't last, tough people do."

Pratik Mohabansi MBA 2nd year



TABOO OF MODERN AGE

'MENTAL HEALTH'

ONE of the most important and the most ignored topic of our so-called modern society is, day by day degrading mental health. It is considered as a curse rather than trying to cure it. Though the percentage of people suffering from it is more than 50% in world. But still everyone wants to suffer in silence. Pain is not only caused to the person suffering from it, but it also affects his surrounding and his near and dear ones.

Let's try to put some light on'Depression'. It is nothing but an ignored & stressed mind. Stress is considered as a 'Seed' and if it is untreated in early stages it takes the form of 'Tree' having many branches. Which means many more issues related to not only mind but whole body. Anxiety, sleeping disorder, irritation on small things, mood swings unable to control anger, laziness, loss of interest in daily life, disturbed bowel moment are some of the symptom of sprees. Each one has experienced one or the other thing from this and even in a severe manner. Why?! Just why we ignore all these symptoms? Many times one has an unusual feeling, one might sometimes feel abnormal behavior in eating or speaking more makes one exhausted than usual, realizing its increasing intensity day by day mind keeps alerting, to take some rest. Really a good rest...

Now a day's it has become a kind of fashion on social media among youngsters, more the depressed they are, they feel it more cool. And we all being users of Instagram, each one of us have experienced this dark negativity. Social media does not run on internet data but it feeds on our mind, our focus. It sucks all our energy. After sometime it becomes tiring than entertaining forcing our mind to release hormones of good feeling. More you use it, more temporary happiness you get. But at the cost of real happiness, real joy; and it makes us addicted to virtual world. It's easy to find objectionable video or pictures on NET but it's quite difficult to find real information on study syllabus. Easily available pornography is taking away our ability to think, making our mind corrupt. Making us more mentally sick. This is real curse of modern

E-12

age.

Finding a temporary partner is much easier than finding a person with whom we can really share our emotions our pain or who can really understand us. Because everyone is so much on social media that no one wants to talk about their real feelings. Just in fear of people's judgment. 'What society will think about me, if I share it with anyone or if I seek any professional help of psychiatrist or a councilor'?

राष्ट्रधन

Why we Indians think it's better to visit any astrologer or any occultist for finding a solution over mental illness ignoring a real help which will give us a chance to live a happy and better life? It's time to break this taboo from our society and should try to take it as any normal treatable diseases as jaundice or malaria.

Let's take a vow to start a really new era of understanding, care, love for self and others, which is most needed in this hour of dark suffering.Let's be there for every person we know, let's take this initiative to help others by understanding their situation their feelings and try to help them seek professional help if needed.

E-13

Gunjan Tapase MBA II yr

Price Rise of Essential Commodities

The rapid increase in prices is causing anxiety amongst the people of India. Price rise is a world wide phenomenon and India is no exception. Prices of everything are sky rocketing, even of the essential commodities like gas, pulses, sugar, edible oils, tea, food grains, petrol, etc. What causes price rise and what effect it has on the people?

When the total demand is greater than total supply of goods and services, it causes prices to rise. However, what causes the demand to increase? Economists have pointed out that factors, such as increase in disposable income, consumer spending, public expenditure, black money, etc. are responsible for exceeding demand.

Similarly there are certain factors, such as less or slow production, natural calamities, artificial scarcities increase in export, etc., which are responsible for shortage of supply. Price-rise affects different people differently. Although it may not have much effect on the flexible income group.

However, maximum hardship is faced by those belonging to the fixed income group. It is so because their salaries and wages remain the same but the prices of goods and services continue to rise. In order to curb the problem of price rise it should be the joint effort of the government and the public to control it. There should be more fair price shops, Kendriya Bhandar, Safal outlets, etc. where the common man can shop for guality goods at a nominal price.

The Government and banks must keep a check on hoarding and black marketing and also stop repayment of public debt until price-rise is controlled within the economy. As far as general public is concerned, they must reduce unnecessary expenditure and increase savings. This will reduce disposable income with the people and hence personal consumption expenditure.

In conclusion, it is evident that price-rise is a multi-headed monster, which must be defeated on time with proper measures to benefit not just the rich population, but also the poor.

Sunidhi Bopte MBA Sem-3

E-14

UNSUNG HERO - KHUDIRAM BOSE

राष्ट्रधन

Khudiram Bose was an Indian revolutionary from Bengal Presidency who opposed British rule of India. For his role in the Muzaffarpur Conspiracy Case, along with Prafulla Chaki, he was sentenced to death and subsequently executed, making him one of the youngest martyrs of the Indian Independence Movement.

Khudiram, along with Prafulla Chaki, attempted to assassinate a British judge, Magistrate Douglas Kingsford, by throwing bombs on the carriage they suspected the man was in. Magistrate Kingsford, however, was seated in a different carriage, and the throwing of bombs resulted in the deaths of two British women. Prafulla fatally shot himself before the arrest. Khudiram was arrested and trialed for the murder of the two women, ultimately being sentenced to death. He was one of the first freedom fighters in Bengal to be executed by Britishers

At the time of his hanging, Khudiram was 18 years, 8 months, and 11 days, 10 hours old making him one of the second youngest revolutionaries in India

Mahatma Gandhi, however, denounced the violence, lamenting the deaths of the two innocent women. He stated "that the Indian people will not win their freedom through these methods. Bal Gangadhar Tilak, in his newspaper Kesari, defended the two young men and called for immediate swaraj. This was followed by the immediate arrest of Tilak by the British colonial government on charges of sedition

Khudiram Bose was born on 3 December 1889 in a kayastha family in the small village named Mohobani, situated under the Keshpur Police Station in the Medinipur district of Bengal. His father was a Tehsildar in the Nerajol.

Khudiram was the fourth child in a family of three daughters. His parents, Trailokyanath Bose and Lakshmipriya Devi had two sons before the birth of Khudiram but both of them died prematurely. Following the traditional customs prevalent in the culture, the newborn child was symbolically sold to his eldest sister in exchange of three handfuls of food grains locally known as Khud, in an attempt to save him from dying at an early age. This way he acquired the name, Khudiram

He lost his mother when he was six years old. His father died a year after. Aparupa Roy, his elder sister, brought him to her house at Hatgachha village under the Daspur Police Station. Aparupa's husband, Amritalal Roy, got him admitted to Tamluk's Hamilton High School

In 1902 and 1903, Sri Aurobindo and Sister Nivedita visited Midnapore. They held a series of public lectures and private session with the existing revolutionary groups for freedom. Khudiram, a teenager, was an active participant in the discussions

E-15

about the revolution.

Apparently, he joined Anushilan Samiti, and came into contact with the network of Barindra Kumar Ghosh of Calcutta. He became a volunteer at the age of 15, and was arrested for distributing pamphlets against the British rule in India. At the young age of 16, Khudiram took part in planting bombs near the police stations and targeted government officials.

राष्ट्रधन

After martyrdom, Khudiram became so popular that weavers of Bengal started weaving a special type of dhoti, with 'Khudiram' written on its side. Boys studying in school colleges wore these dhotis and walked on the path of independence. Khudiram Bose is considered to be the first fighter to sacrifice his life in the Indian freedom struggle.

> Vivek Bhange MBA II yr

75 Years of India Independence

"Freedom fighters Sacrificed their lives so our India can celebrate this day"

In 2021, we are going to celebrate 75th Independence day, we celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav' which is an initiative of the government of India to celebrate and commensurate 75 years of independences of progressive india and the glorious history of all people, culture and achievements. The week leading up to 15th August landmark day of our independences day.

Independence day is a reminder of the sacrificed of our valiant freedom fighter also stood up against the colonialism and suffered harsh consequences so that the cater generation could breath in free air slaving you to years and claminy back our country make us marvel at the great leaders.

E-16

"Freedom in our mind, pride in our souls let salutes our India."

Vikky Heware MBA II yr about the revolution.

Apparently, he joined Anushilan Samiti, and came into contact with the network of Barindra Kumar Ghosh of Calcutta. He became a volunteer at the age of 15, and was arrested for distributing pamphlets against the British rule in India. At the young age of 16, Khudiram took part in planting bombs near the police stations and targeted government officials.

राष्ट्रधन

After martyrdom, Khudiram became so popular that weavers of Bengal started weaving a special type of dhoti, with 'Khudiram' written on its side. Boys studying in school colleges wore these dhotis and walked on the path of independence. Khudiram Bose is considered to be the first fighter to sacrifice his life in the Indian freedom struggle.

Vivek Bhange MBA II yr

75 Years of India Independence

"Freedom fighters Sacrificed their lives so our India can celebrate this day"

In 2021, we are going to celebrate 75th Independence day, we celebrate 'Azadi ka Amrit Mahotsav' which is an initiative of the government of India to celebrate and commensurate 75 years of independences of progressive india and the glorious history of all people, culture and achievements. The week leading up to 15th August landmark day of our independences day.

Independence day is a reminder of the sacrificed of our valiant freedom fighter also stood up against the colonialism and suffered harsh consequences so that the cater generation could breath in free air slaving you to years and claminy back our country make us marvel at the great leaders.

E-16

"Freedom in our mind, pride in our souls let salutes our India."

Vikky Heware MBA II yr





नरेश मेहता (जन्म शताब्दी वर्ष)

(जन्म १५ फरवरी, १९२२ - मृत्यु २२ नंवबर २०००)

धुप की भाषा - सी खिड़की में मत खड़ी होओ प्रिया! शॉल - सा कंधों पर पड़ा यह फाल्गुन चैत्र - सा तपने लगेगा! - नरेश मेहता



मन्नू भंडारी भावपूर्ण श्रद्धांजली

(जन्म ३ अप्रैल १९३१ - मृत्यु १५ नंवबर २०२१)

मैंने अपनी पीड़ा किसी को नहीं बताई क्योंकि मेरा मानना हैं कि व्यक्ति में इतनी ताकत हमेशा होनी चाहिए कि अपने दुख, अपने संघर्षों से अकेले जूझ सके। 200

राष्ट्रधन

नरेश मेहता : भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्वेषक

कवि नरेश मेहता का जन्म १५ फरवरी १९२२ को शाजापुर में हुआ। यह वर्ष उनका शताब्दी वर्ष है।

नरेश मेहता भारतीय ज्ञान परंपरा के एक ऐसे अन्वेषक थे जिन्होंने विचार और दर्शन की तमाम सरणियों को आत्मसात करते हुए ऐसी रचनात्मक पीठिका निर्मित की, जो भारतीय सरोकारों का उदाहरण है। उनकी कविताएं वैदिक चिंतन से जुडी हुई है। ये कविताएं व्यक्ति से विराट के बीच पुल का निर्माण करती है और व्यक्ति को बृहत्तर मानवीय सरोकारों से जोडती हैं। उनकी कविताएं यथार्थ और आदर्श की हकलाहट को पकडने का प्रयास करती है। नरेश मेहता का काव्य–वैभव अपनी धुरी पर केन्द्रित होकर पूरे संसार का भ्रमण करता है। उनकी कविता का लॉन्चिंग पैड अलग है, वह जीवन की जड़ों से जुडी कविता है। उनकी कविता का लॉन्चिंग पैड अलग है, वह जीवन की जड़ों से जुडी कविता है। उनकी कविता अभिधार्थ नहीं, अन्वयार्थ को पकडने की साधना है। वह अनुभव के विविध प्रस्तरों की निर्मिति है, न कि यथार्थ का प्रतिरूपण। नरेश मेहता अनुभवों को सिरजने वाले रचनाकार हैं उनका साहित्य इसीलिए न तो वायवीय हैं, न ही यथार्थ । नरेश मेहता का वैशिष्टय यह हैं कि उन्होंने भारतीय मनीषा के ध्येय को समझने और उसे अपने समकाल से जोडने के साथ, अतिवादी आग्रहों से बचते हए माननीय गरिमा को रेखांकित किया

H-1

रोशनी पाण्डेय B.Com - IV Sem (H)

ब्रिटिश शासन से लड़ने वाली : कित्तूर रानी चेन्नम्मा



• रानी चेन्नम्मा का परिचय -

रानी चेन्नम्मा भारत की पहली महिला स्वतंत्रता कार्यकर्ता थीं। वह ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक जीवंत उग्र निगाहों के साथ अकेली खड़ी थी। रानी चेन्नम्मा उन्हें भगाने में सफल नहीं हुईं, लेकिन उन्होंने कई महिलाओं को ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष करने के लिए उकसाया। वह कर्नांटक में कित्तूर रियासत की चेन्नम्मा रानी थीं। आज वह कित्तूर रानी चेन्नम्मा के नाम से जानी जाती हैं।

राष्ट्रधन

• प्रारंभिक जीवन –

रानी चेन्नम्मा का जन्म १७७८ में काकाती (कर्नाटक में बेलगाम के उत्तर में एक छोटा सा गाँव) में हुआ था, जो झॉसी की रानी लक्ष्मी बाई से लगभग ५६ साल पहले हुआ था। बहुत छोटी उम्र से ही उन्होंने घुडसवारी, तलवारबाजी और तीरंदाजी का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वह अपने शहर में अपने बहादुर कृत्यों के लिए जानी जाती थी।

रानी चेन्नम्मा का विवाह १५ वर्ष की आयु में कित्तूर के शासक मल्लसरजा देसाई से हुआ था। १८१६ में उनके पति की मृत्यु के बाद उनका वैवाहिक जीवन एक दुःखद कहानी प्रतीत होता था। इस विवाह के साथ उनका केवल एक बेटा था, लेकिन भाग्य ने एक दुखद खेल खेला। उसके बेटे ने १९२४ में अतिम सांस ली।

• अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध -

रानी चेन्नम्मा और स्थानीय लोगों ने अंग्रेजों की मनमानी का कडा विरोध किया। ठाकरे ने कित्तूर पर आक्रमण किया। उस लडाई में ठाकरे के साथ सैकडों ब्रिटिश सैनिक मारे गए। एक छोटे से शासक के हाथों पराज्य का अपमान अंग्रेजों के लिए इतना भारी था कि उसे निगला नहीं जा सकता था। वे मैसूर और शोलापुर से बडी सेना लेकर आए और कित्तूर को घेर लिया। चेन्नम्मा को युद्ध की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। १२ दिनों के लिए, बहादुर रानी और उसके सैनिकों ने अपने किले की रक्षा की, लेकिन जैसा कि सामान्य विशेषता है, देशद्रोही घुस गए और तोपों में बारूद में मिट्टी और गोबर मिला दिया। रानी की हार हुई (१८२४ ई.) उसे बंदी बना लिया गया और जीवन न जी सकीं, लेकिन उन्होंने इतिहास की दुनिया में कई शताब्दियों तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रधन

• कारावास और मृत्यु –

रानी चेन्नम्मा का बैलहोंगल किले में कैद कर दिया गया था जहाँ उन्होने अपना समय पवित्र पुस्तकों को पढ़ने में बिताया । समय के साथ उनका स्वास्थ्य बिगडने लगा और उन्होंने अंतत: २१ फरवरी १८२९ को अंतिम सांस ली। उनके संघर्ष ने उनके लेफ्टिनेंट को प्रेरित किया जो उनकी ओर से अंग्रेजों के खिलाफ लडते रहे। बाद में उन्हें भी अंग्रेजों ने पकड लिया ओर फांसी पर लटका दिया ।

• रानी चेन्नम्मा को श्रद्धांजलि –

हर साल, कित्तूर २२ से २४ अक्टूबर तक रानी चेन्नम्मा के नाम पर कित्तूर उत्सव मनाता है। महारानी के सम्मान में, पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने ११ सितंबर २००७ को भारतीय संसद परिसर के सामने उनकी एक प्रतिमा का अनावरण किया। बंगलोर और कित्तूर में भी दो अन्य प्रतिमाएं स्थापित की गई। बैगंलोर और कोल्हापुर के बीच एक दैनिक ट्रेन का नाम रानी के नाम पर रानी चेन्नम्मा एक्सप्रेस रखा गया। उनके जीवन को भी बीआर पंथुलु द्वारा एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म के रूप में फिल्म में कैद किया गया था। फिल्म का नाम कित्तुरू चेन्नम्मा है।

H-3

सिद्धांत सहानी M.Com -I (H)



राष्ट्रधन

'नाम गुम जायेगा चेहरा ये बदल जायेगा मेरी आवाज ही मेरी पहचान है....'' 'भारत रत्न' लता मंगेशकर वह शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने साठ साल से अधिक के गायन कैरियर में बीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गाने गाये हैं। उनके द्वारा गाया गया हर गीत अपने आप में अनूठा है। वह भारत की सर्वाधिक लोकप्रिय एवं सम्माननीय गायिका है।

'स्वर कोकिला' के नाम से मशहूर लता मंगेशकर का जन्म २८ सितम्बर, १९२९ को मध्य प्रदेश के इन्दौर शहर में एक मध्यमवर्गीय मराठी परिवार में हुआ था । उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर संगीत प्रिय एवं थियेटर से जुडे व्यक्ति थे, इसलिए उन्होंने अपनी बडी बेटी लता को पाँच वर्ष की उम्र से ही संगीत की शिक्षा देनी शुरू की । संगीत की ओर अधिक रूझान के कारण लताजी की औपचारिक शिक्षा ठीक से नहीं हो सकी।

उन्होंने पाँच वर्ष की उम्र से ही अपने पिता के साथ एक रंगमच कलाकार के रूप में अभिनय करना शुरू कर दिया था। इसी बीच वर्ष १९४२ में जब उनकी उम्र मात्र १३ वर्ष थी, उनके पिता की हृदय की बिमारी के कारण मृत्यु हो गई और परिवार में सबसे बडी होने के कारण परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने वर्ष १९४२ से १९४८ बीच हिन्दी और मराठी की लगभग आठ फिल्मों में एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया। १३ वर्ष की आयु में ही उन्होंने फिल्मों के लिए गाना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला गाना मराठी फिल्म 'किती हसाल' (कितना हँसोगे) के लिए गाया, किन्तु इस गाने को फिल्म से निकाल दिया गया।

अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली फिल्म 'पाहिली मंगलागौर' (१९४२) रही। उस्ताद बडे गुलाम अली खाँ ने जब लता को गाते हुए सुना, तो उन्हें तीन मिनट की जादूगरनी' कहा।

H-4

उनके द्वारा गाया गैर–फिल्मी देशभक्ति गीत **'ऐ मेरे वतन के लोगो**' उनके सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय गीतों में से एक है। कहा जाता है कि एक बार किसी समारोह में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री ने

राष्ट्रधन

इस गाने को सुना था, तो उनकी आँखों से आंसू निकल पडे थे और उन्होंने उनकी प्रशंसा की थी। वर्ष १९७४ में उन्होंने दुनिया में सर्वाधिक गीत गाने का 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' बनाया । वर्ष १९७४ में ही लन्दन के रॉयल एर्ल्बर्ट में उनकी आवाज को कम्प्यूटर की मदद से जाँचा गया तथा विश्व में सर्वश्रेष्ठ–पाया गया । लता जी इस हॉल में प्रदर्शन करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

संगीत-जगत् को उनकी देन को देखते हुए उन्हें अब तक कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने वर्ष १९५८, १९६२, १९६५, १९६९, १९९३ एवं १९९४ में कुल मिलाकर छ:बार फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त किए। वे गायन के लिए तीन बार वर्ष १९७२, १९७५ एवं १९९० में राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित की जा चुकी हैं। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष १९६९ में पद्म भूषण से अलंकृत किया । वर्ष

9९८४–८५ में मध्य प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर 'लता मंगेशकर अवार्ड' देना शुरू किया। भारतीय फिल्मों में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष १९८९ में उन्हें 'दादा साहेब फाल्के पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। वर्ष १९९७ में उन्हें 'राजीव गांधी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया । भारत सरकार ने वर्ष १९९९ में उन्हें पद्म विभूषण' से अलंकृत किया । इसके बाद वर्ष २००० में आईफा एवं वर्ष २००१ में स्टारडस्ट ने भी उन्हें 'लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार' प्रदान किये।

भारत सरकार ने उनकी उपलब्धियों को देखते हुए वर्ष २००१ में देश के सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' से सम्मानित किया । लता मंगेशकर ने अपने जीवन के संस्मरणों को पुस्तक का रूप दे दिया है, जो 'फुले वेचिता' (फूल चुनते–चुनते) नाम से मराठी भाषा में प्रकाशित है। यह उनकी पुस्तक है, जो वर्ष १९९७ में विशेष चर्चित पुस्तक रही।

लताजी बॉलीवुड की सर्वाधिक लोकप्रिय हस्ती रही हैं और आगे भी उनके द्वारा गाए गए गीतों की मधुर गूँज लोगों को अपना दीवाना बनाती रहेगी। वे सदा मानव समुदाय के लिए सेवा करने के अवसरों की तलाश में रहती । लता मंगेशकर भारतीय संगीत में एक अनुपम व अनुकरणीय व्यक्तित्व हैं, जिनके योगदान को अमरता प्राप्त हो चुकी है। विश्व का संगीत जगत् सदा लता मंगेशकर जी का ऋणी रहेगा।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर का ९२ साल की उम्र में रविवार सुबह निधन हो गया । भारत सरकार की ओर से लता जी के सम्मान में दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे सभी संगीत साधकों के लिए सदैव प्रेरणा थी । लता जी प्रखर देशभक्त थी। उनका जीवन अनेक उपलब्धियों से भरा रहा है। लता जी हमेशा ही अच्छे कामों के लिए हम सभी को प्रेरणा देती रही हैं।

H-5

सचिन साह्

M.Com - I (H)

्र कोरोना काल में निःशुल्क शिक्षा अभियान में मेरा अनुभव

राष्ट्रधन

कोरोना काल में तालाबंदी के चलते सभी क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए उद्योग, समाज और अर्थव्यवस्था अस्त –व्यस्त हो गया । कोरोना महामारी को नियंत्रण मे लाने के लिए सरकार ने तालाबंदी की नीति अपनाई। जिसके चलते भीड वाले इलाके–सिनेमाघर, बाजार, शॉपिंग मॉल, ऑफिस आदि को बंद करने के साथ–साथ अध्ययन क्षेत्र स्कूल–कॉलेजो को भी बंद कर दिया गया । परिणामत: विद्यार्थियों का विकास थम सा गया । शिक्षा के क्षेत्र की बाधाओं को बढ़ते देख प्रशासन ने ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा का प्रसार किया । लेकिन ग्रामीण परिवेश और निम्न वर्ग के लिए महँगी ऑनलाइन शिक्षा आसान नहीं थी।

समाज में शिक्षा की इस स्थिति को देखकर मैने एक 'नि:शुल्क शिक्षा' अभियान शुरू किया जिसके अंतर्गत मैने उन विद्यार्थियों का मुफ्त शिक्षा देने संकल्प किया जो निर्धन परिवार से थे, जिनके माता–पिता ऑनलाइन पढ़ाई का खर्च उठाने मं असमर्थ थें।

मैंने वर्ष २०२०-२०२१ में वसंतराव नाइक वसाहत, धरमपेठ में एक अभियान चलाया। धरमपेठ के गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त संभव नहीं था। बच्चे पढाई छोड़कर खेल-कूद में अपना समय बर्बाद करते थे। यह सब देखकर मैंने गरीब विद्यार्थियों के लिए एक पहल सोची और यहाँ के ४-५ विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने का फैसला किया जिससे कि इन विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षा न ले पाने के कारण कोई नुकसान न हो।

मैंने इन बच्चों को मुलभुत शिक्षा देने का प्रयास किया है, इसमें उन्हें सामान्यज्ञान, इतिहास, हिंदी, अंग्रेजी, गणित और चित्रकला आदि विषय पढाने का प्रयास किया है। बच्चों ने शुरूवात में अच्छा प्रतिसाद नही दिया परंतु समय के साथ उन्होंने सभी प्रकार के कार्यक्रमों में सहभाग लिया । उनके अन्दर की कला को बाहर लाने के लिए कई प्रकार के उपक्रम चलायें उनके लिए गायन, नृत्य, नाट्य, चित्रकला, निबंध स्पर्धा जैसे कार्यक्रम आयोजित किया जिनमें उन्होंने उत्साह पूर्ण सहभाग लिया।

इस कार्य के दौरन मैंने अनुभव किया कि, कोरोना महामारी के चलते लोग बहुत डरे हुए थे, ऐसे में वे अपने बच्चों को घर से बाहर भेजने के लिए राजी नहीं थे, चाहे वह पढ़ाई ही क्यों न हों, उन लोगो को मैंने उनके घर जाकर कोरोना के रोकथाम के उपायों से परिचित कराया, शुरू में काफी दिक्कते हुई लेकिन बहुत समझाने के बाद वे समझने लगे इसके साथ साथ, बच्चों को कोरोना महामारी के खतरे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी ऐसे में उन्हें कोरोना के रोकथाम के उपाय समझना साथ ही उनके शरारतों को समझदारी में बदलना थोडा मुश्किल काम था। स्कूल–कॉलेज बंद होने से विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से हट चूका था, उनका मन पढ़ाई की तरफ पुन: आकर्षित करना

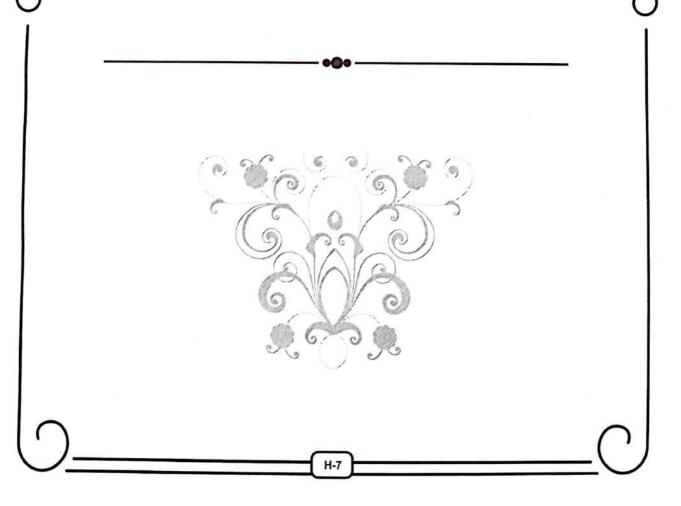
H-6

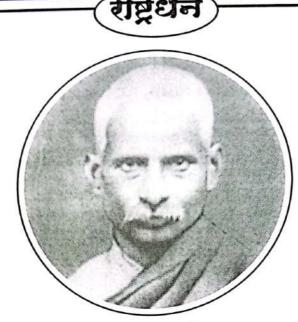
काफी मुश्किल था। बच्चों का मन पढ़ाई में लगे रहे और वे और ज्यादा मेहनत करें', इसके लिए मैंने पढ़ाई में उत्तम प्रदर्शन करने वाले बच्चों को परीक्षा के माध्यम से पुरस्कृत करना शुरू किया। बच्चों के व्यक्तित्व विकास और सामान्य जानकारी हेतु हमने पढ़ाई के साथ – साथ अन्य गतिविधियाँ भी ली, जिनमें उनकी कला का विकास हो। पर्यावरण से जोडने के लिए उनके साथ वृक्षारोपण कर उन्हें उसका संवर्धन व संरक्षण सिखाया।

राष्ट्रधन

''निःशुल्क शिक्षा'' अभियान के लिए प्रेरणा हमारे महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए.बी. पटले सर से मिली। उन्होंने इस अभियान के लिए समय – समय पर मार्गदर्शित किया। मैंने कोरोना से बचाव करने के लिए बच्चों को स्वास्थ्य और स्वच्छता से सम्बंधित पाठ भी पढ़ाया। ताकि वे स्वच्छता का महत्व समझे और कोरोना महामारी के चपेट में आने से बचे। इस कार्य में सर का काफ़ी सहयोग प्राप्त हुआ। उन्ही के मार्गदर्शन में मैंने यह नया अनुभव किया। काफ़ी कुछ नया सीखने को मिला। यह सब उनके मार्गदर्शन के कारण सफल हुआ। अपने इस अभियान से जुड़कर मैंने देने की प्रवृत्ति के संतोष का अनुभव किया।

> लखनलाल रामटेके M.Com - I (H)





पंडित माधवराव सप्रें की १५० वी जयंती

पंडित माधवराव सप्रे हिंदी साहित्यकार और पत्रकार भी थे। वे हिंदी के सर्वप्रथम कहानी लेखक के रूप में भी जाने जाते है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी उनकी अग्रणी अहम भूमिका थी। वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के उस दौरान की पत्रकारिता थे जो साहित्य के साथ साथ संवेदना का स्पर्श को पाकर अधिक जनाहितैषी साबित हुई।

पंडित माधवराव सप्रे हिंदी के उन थोडे से लेखको में से हैं जिन्होंने हिंदी को समाज विज्ञान के विषयों और मुद्दो पर चितंन और लेखक की भाषा बनाने का सफल प्रयास किया ।

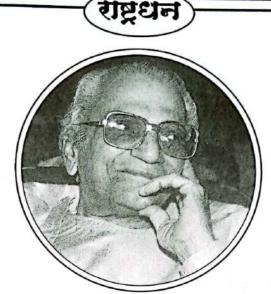
पंडित माधवराव सप्रे शासकीय नौकरी तहसीलदार के रूप में भी कार्यरत थे फिर भी अपनी नौकरी की परवाह न करते हुए आपने कर्मयोगी बनकर देशभक्ति करते हुए अग्रेजो को पछाडने दान दिया। उन्होंने सन १९०० में छत्तीसगढ मित्र नायक पत्रिका निकाली। यह पत्रिका देशभर में प्रसिद्ध हो गयी। २६ साल की उम्र में उन्होंने पत्रकरिता और साहित्य सेवा के मानक रचे १९२० में उन्होंने जबलपूर में हिंदी मंदिर की स्थापना की। १९२१ में रायपूर में राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना की और साथ ही पहली कथा विद्यालय जानकी देवी महिला पाठशाला की भी स्थापना की ।

पंडित माधवराव सप्रे जी की कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली कहानी होने का श्रेय प्राप्त है। सप्रे जी ने मौलिक लोवन के साथ–साथ प्रसिद्ध <u>संत रामदेव रामदास</u> के मराठी में रचित दासबोध लोकमान्य तिलक के रचित गीतारहस्य आदि पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद भी बहुत अच्छा किया।

पंडित माधवराव सप्रे की स्मृति में भोपाल में माधवरव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्राहलय और शोध की स्थापना की गयी थी। अद्भुत व्यक्तित्व व कृतित्व के धनी पं. माधवराव सप्रे का योगदान हिंदी जगत को अविस्मरणीय हैं।

> ऐश्वर्या राऊत B.Com - IV (H)

H-8



नरेश मेहता : शताब्दी वर्ष

प्रस्तावना :

आधुनिक हिन्दी साहित्य जगत् में नरेश मेहताजी कवि, कथाकार, गीतकार, नाटककार, चिन्तक, विचारक आदि रूपों में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं। वे नयी कविता के प्रयोगधर्मी अन्वेषक हैं। सांस्कृतिक गौरव, परम्पराओं एवं मिथकीय सन्दर्भों के बीच सम्बन्धों को दर्शाती उनकी रचनाएं अपनी सृजनधर्मिता के वैशिष्ट से ओतप्रोत हैं। वे मानवीय उत्कर्ष के कवि हैं। जीवन परिचय एवं रचनाकर्म:

कवि नरेश मेहता का जन्म १५ फरवरी १९२२ को शाजापुर (म.प्र.) में हुआ था। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा उज्जैन से उत्तीर्ण की। उच्च शिक्षा काशी विश्वविद्यालय से पूर्ण की। सन् १९४० में जब वे उज्जैन आये, तो भारतीय राजनीति एवं साहित्य सृजन में सदा समन्वय कायम रखा। जब वे काशी आये, तो उन्होंने अपने गुरू के रूप में केशवप्रसाद मिश्रजी को अपने मार्गदर्शक के रूप में पाया। लेखन के साथ–साथ जीविका का माध्यम बना, ऑल इंडिया रेडियो में नौकरी करना। यहां नौकरी का बंधन उन्हें अधिक दिनों तक बांधे नहीं रह सका। वे स्वतंत्र लेखन की आशा में इलाहाबाद आ गये। कुछ समय पश्चात् उज्जैन के 'प्रेमचन्द सृजन पीठ' के निदेशक बनकर वहीं चले गये और वहीं बस गये। <u>उनकी प्रकाशित कृतिया :–</u> ''बन पाखी सुनो'', ''बोलने दो चीड को'', समर्पित उकान्त'', ''उत्सवा तुम मेरा मौन हो'', ''अरण्या'', ''देखना एक दिन'' इत्यादि कविता संग्रह हैं। <u>खण्डकाव्यों में :–</u> ''संशय की एक रात'', महाप्रस्थान'', शबरी'', प्रार्थनापुरूष'', तथा <u>उपन्यासों में :– इ</u>बते मरूदूल'', ''नदी यशस्वी है'', धूमकेतु एक श्रुति'', प्रथम फाल्गुन'', यह पथ बन्धु था'', उत्तर कथा''।

<u>कहानी संग्रह :-</u> ''एक समर्पित महिला'', ''तथापि'', ''जलसाघर''।

<u>नाटक :-</u> ''सुबह के घंटे'', ''खंडित यात्राएं''।

एकांकी :- ''सनोबर के फूल'', ''पिछली रात की बर्फ''।

<u>संस्मरण :-</u> ''काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व'', ''मुक्तिबोध एक अवधूत'', शब्दपुरूष अज्ञेय'', ''साधु न चले जमात'' आदि हैं।

राष्ट्रधन

उन्होंने ''कृति'' तथा ''चौथा संसार'' नामक पत्रिका का सम्पादन किया। उनकी समरत रचनाओं में आधुनिकता एवं परम्परावादिता की पुनर्व्याख्या मिलती है। वे मनुष्य को उच्चतम आकांक्षाओं के सूर्य के रूप में प्राणवान, ऊर्जावानही नहीं, शक्ति के प्रेरक मानते है।

उनके खंडकाव्य ''एक संशय की रात'' में उन्होंने भगवान् श्रीराम के उस अन्तर्द्वन्द्व को दर्शाया है ; जब वे युद्धस्थल की ओर प्रयाण करते हुए विचार कर रहे हैं कि यह युद्ध किसके लिए लडा जा रहा है।

महज सीता के लिए! नहीं जनता के लिए लडा जा रहा है। इस पौराणिक मिथक को वे एक नये सन्दर्भों में देखते हैं। यही उनकी प्रयोगधर्मी, सृजनधर्मी सोच है।

उपसंहार:-

साहित्य में कुछ नया रचने वाले रचनाकारों में से एक थे: नरेश मेहताजी। वे मूलत: कवि थे। कवि होने के नाते उनकी रचनाओं में राग–विराग की वैयक्तिक, सामाजिक अनुभूतियां है। जीवन की प्रत्येक परिस्थितियों में मानवीय जीवन–बोध को तलाशती रहती हैं उनकी रचनाएं। ऐसे महान् लेखक २२ नवम्बर सन् २००० को हमारे बीच नहीं रहे।

जय खापरे - M.Com - I (H)

कचरा - कथन

हाँ मैं वही कचरा हूँ, जो इंसानी घर से आता हूँ किसका हूँ मैं पता नहीं, पर हर नुक्कड़ पर दिख जाता हूँ गीला भी मैं सूखा भी मैं, पर नहीं किसी को भाता हूँ पर हाँ मैं वही कचरा हूँ, जो इंसानी घर से आता हूँ हवा के साथ जब–जब उडता, नई जगह पर जाता हूँ फिर एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे, राते के अंधेरे में खिसकाया जाता हूँ, पर कचरा पात्र में क्यु नहीं गिराया जाता हूँ हाँ मैं वही कचरा हूँ, जो इंसानी घर से आता हूँ एक दि न मेरा होगा ढेर, सब ओर से इंसान लूँगा मैं तुझको घेर अब भी संभल जा नही तो देखेगा तु वक्त का बुरा फेर । कोमल सिंह –B.Com - II year (E1)

H-10



राष्ट्रधन

मन्नू भंडारी हिंदी की सुप्रसिद्ध कहानीकार थी। मध्य प्रदेश में मंदसौर जिले के भानपुरा गाँव में जन्मी मन्नू का बचपन का नाम <u>महेन्द्र कुमारी</u> था। लेखन के लिए उन्होंने मन्नू नाम का चुनाव किया। उन्होंने एम.ए. तक शिक्षा पाई और वर्षो तक दिल्ली के मिरांडा हाउस में अध्यापिका रहीं। धर्मयुग में धारावाहिक रूप से प्रकाशित उपन्यास आपका बंटी से लोकप्रियता प्राप्त करने वाली मन्नू भंडारी विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में प्रेमचंद सृजनपीठ की अध्यक्षा भी रही।

मन्नू भंडारी इनका जन्म ३ अप्रैल १९३१ में हुआ। मन्नू भंडारी के पिता का नाम सुखसंपत राय था, जो कि स्वयं एक लेखक थे। मन्नू के परिवार में उनसे बडे दो भाई और दो बहने भी थी। मन्नू भंडारी के पति का नाम राजेंद्र यादव था जो कि हिंदी लेखक तथा संपादक थे।

मन्नू भंडारी जी कि जैसे कि आपका बंटी, एक इंच मुस्कान, महाभोज मन्नू जी ने १९७१ में लिखा जिसमें उन्होंने विवाह विच्छेद की त्रासदी में पिस रहे एक बच्चे को केन्द्रित किया। मन्नू भंडारी इन्होंने अपने उपन्यासों और कविताओं में समाज से जुडे कई विषयों पर प्रकाश डाला।

मन्नू भंडारी इन्हें कई पुरस्कार मिले।

- महाभोज १९८०–१९८१ के लिए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान
- भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता, १९८२ काला-कुंज सम्मान, नई दिल्ली, १९८२
- बिहार राज्य भाषा परिषद, १९९१
- राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, २००१-०२
- हिंदी अकादमी, दिल्ली शालका सम्मेन, २००६-०७
- के. के. बिडला फाउंडेशन ने उन्हें अपने काम के लिए १८ वें व्यास सम्मान के साथ पुरस्कृत किया।

अपने शब्दों से लोगों के मन में घर करने वाली मन्नू भंडारी इनकी मृत्यु १५ नवंबर २०२१ में हुई। पर इनके द्वारा लिखी गई कविताएँ, कहानीयाँ एवं उपन्यास आज भी जीवित है, और आगे भी समाज और विद्यार्थीयों को प्रेरणा देंगे।

H-11

अमन विश्वकर्मा – II year (E2)

्र भारत की आजादी में महिलाओं का योगदान

कहते है एक सफल इंसान के पीछे एक महिला का हाथ होता है। वह महिला चाहे मॉ हो, बहन हो, पत्नी हो या सहेली। पर इतना ही नहीं इसके अलावा भारत की आजादी में भी महिलाओं का भी बहुत बडा योगदान है। इतिहास साक्षी है कि जन–जन हमारे देश पर कोई मुसीबत आई है देश को बचाने में महिलाओं ने भी कही न कही अपनी भूमिका निभाई है।

गाँधी जी ने भी कहा था कि हमारी मॉओं–बहनों के सहयोग के बिना देश को आजादी दिलाना संभव ही नही था। जिन महिलाओं ने आजादी की लडाई में आजादी दी उनमे से कुछ का यहॉ जिक्र किया गया है।

* सवित्रीबाई फुले :-

इन्हें सीक्रेट कांग्रेस रेडियों के नाम से भी जाना जाता है। इसे शुरू करने वाली उषा मेहता ही थी। भारत छोडो आदोलन १९४२ के दौरान कुछ महिने तक कांग्रेस रेडियों काफी सक्रिय रहा था। इस रेडियों के कारण ही उन्हें पूणे की येरवाडा जेल में रहना पडा। वे महात्मा गांधी की अनुयायी थी।

* सरोजिनी नायडू :-

भारतीय कोकिला के नाम से मशहूर सरोजिनी नायडू सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं न कि बहुत अच्छी कवियत्री भी थी। सरोजिनी नायडू ने खिलाफत आंदोलन की बागडोर संभाली और अंग्रेजो को भारत से निकालने का योगदान दिया।

* कस्तूरबा गांधी :–

कस्तूरबा गांधी मोहनदास करमचंद गांधी के पत्नी थे। आजादी की लडाई में उन्होंने महात्मा गांधी का साथ दिया और उन्होंने हमारे देश को आजादी दिलाने में बहुत संघर्ष किया ।

इन असंख्य महिलाओं के भाग लेने के कारण हमारा देश आजाद होने में सफल रहा। इन असंख्य महिलाओं ने हमारे देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन सभी ज्ञात व अज्ञात महिला सवतंत्रता सेनानियों को मेरा शत् शत् नमन

> सरोज राय B.Com VI -Sem (H)



पण्डित भीमसेन जोशी : जन्म शताब्दी वर्ष

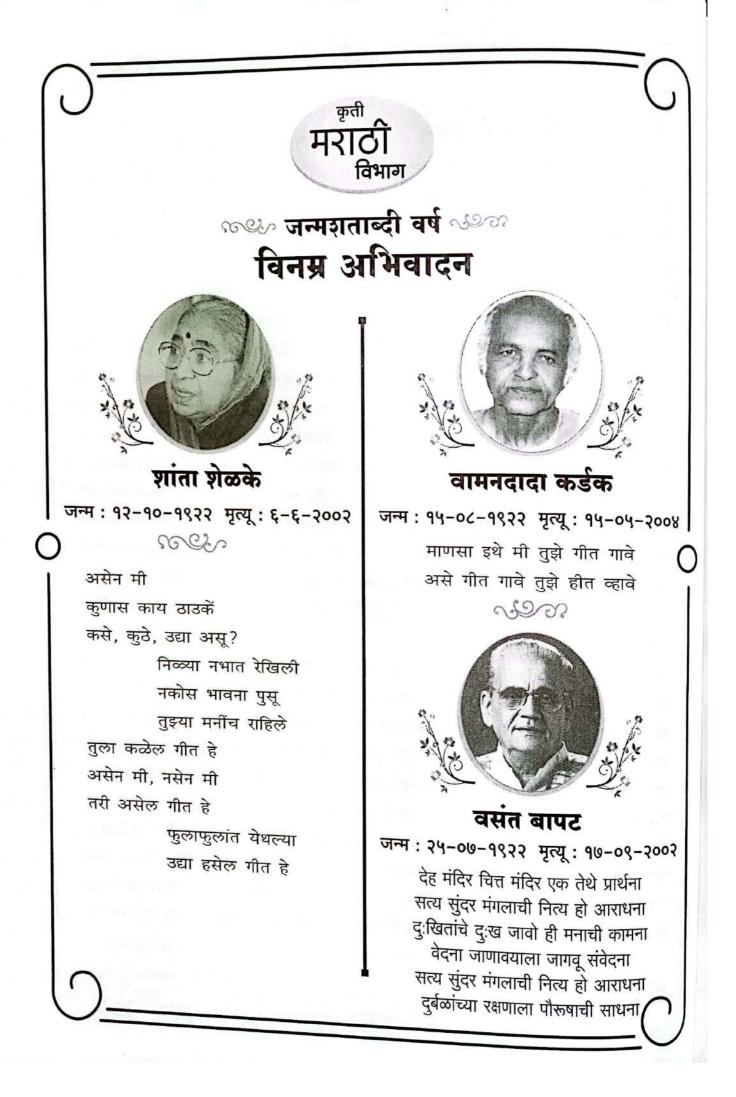
कर्नाटक के 'गडग जिला के एक छोटे से गांव' में फरवरी, १९२२ ई. को आधुनिक भारत के तानसेन कहे जाने वाले पण्डित भीमसेन जोशी का जन्म हुआ था। पण्डित भीमसेन जोशी जी का यह शताब्दी वर्ष है। उनके पिताजी 'गुरूराज जोशी' स्थानिया हायस्कूल के हेडमास्टर और कन्नड, अंग्रेजी और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने १९ साल की उम्र में गायन शुरू किया था और वे सात दशको तक शास्त्रीय गायन करते रहे। पण्डित भीमसेन जोशी ने, न केवल कर्नाटक को बल्कि भारत को भी गौरवन्वित किया है। पंडित भीमसेन जोशी को बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था । पहले एलबम में मराठी और हिंदी भाषा के कुछ भक्ति गीत और भजन थे, इन्हे १९४२ में एच.एम.वी. में रिलीज किया था। बाद में १९४३ में पण्डित जोशी जी मुंबई चले गये और वहा पर रेडियो आर्टिस्ट के रूप में काम करने लगे। उन्हें गायन के ख्याल रूप के साथ–साथ भक्ति संगीत (भजन और अभंग) के अपने लोकप्रिय गायन के लिए जाना जाता

है। पण्डित जोशी हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की किराना घराने की परंपरा से ताल्लुक रखते हैं। भारत रत्न सम्मानित होने के बाद लिखे गये हिंदू लेख में कहा : पण्डित भीमसेन जोशी हमेशा पथिक थे, उन्होने विचार–विमर्श के बजाये शानदार वाक्यांशो और तानो की अधिक सहजता से प्रस्तुत किया । जोशी कभी–कभी सरगम और तिहाई का इस्तेमाल करते थे और अक्सर किराना घराने की पारंपारिक रचनाए गाते थे। उनके संगीत ने अक्सर आश्चर्यजनक और अचानक वाक्यांशो को बदल दिया। पण्डित जोशी जी को २० से ज्यादा रागों पर पकड हासिल थी।

9९५३ में आर्य संगीत प्रसारक मंडल के साथ अपने गुरू गंधर्व की पहली पुण्यतिथी के अवसर पर पण्डित जोशी और उनके मित्र नानासाहेब देशपांडे ने अपने गुरू सवाई गंधर्व को श्रद्धांजलि के रूप में सवाई गंधर्व संगीत समारोह का आयोजन किया था। पण्डित जोशी को गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल रक्तसाव और द्विपक्षीय निमोनिया के साथ ३१ दिसंबर २०१० को सह्यादी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। उन्हें आक्षेप हुआ और अस्पताल में रहने के दौरान उन्हें डायलिसिस पर भी रखा गया था। हालांकि वेंटिलेटर से हटाए जाने के बाद वे तीन दिनों के लिए कुछ समय के लिए ठीक हो गए, लेकिन उसके बाद उनकी हालत बिगड गई। अपनी गायकी से दिल को छू लेने की कला रखने वाले शास्त्रीय संगीत सम्राट का निधन २४ जनवरी २०११ को ८८ वर्ष की उम्र में पुणे के एक निजी अस्पताल में हुआ। संगीत के ऐसे पुजारी पण्डित भीमसेन जोशी को मेरा शत–शत नमन।

H-13

शिल्पा साहनी B.Com Sem-II (H)



(राष्ट्रधन)

''आपला बजाज / हमारा बजाज''

देशातील आघाडीचा उद्योग समूह असलेल्या बजाज उद्योग समूह (बजाज ग्रुप) नावारूपाला आणणारे जेष्ठ उद्योगपती राहुल बजाज यांचे १२ फेब्रुवारीला निधन झाले. बजाज हा शब्दच मुळी रूबाबदार बनवणाऱ्या या जबरदस्त व्यक्तिमत्वाने फक्त औद्योगिक जगालाच नव्हे तर सर्व देशावरच आपली छाप सोडली आहे. बजाज समूहाला आजचे यश, भव्यता आणि हा दिमाख मिळवून देण्याचे श्रेय राहुल बजाज यानांच द्यावे लागेल. श्रीमंती, दिमाखदार, किर्ती या शब्दांना पर्यायी शब्द म्हणजे बजाज बनवण्यात राहुल बजाज यांचा सिंहाचा वाटा आहे. आपल्या कर्तृत्वाने राहुल बजाज यांनी फक्त बजाज समूहाचे रूपांतर मोठ्या औद्योगिक (जगतालादेखील) साम्राज्यात केले असे नव्हे तर त्यांनी औद्योगिक जगताला देखील वेळोवेळी दिशा दाखवली. त्यांच्या या जबरदस्त प्रवासाबद्दल जाणून घेऊ या.

राहुल बजाज यांचे वडील कमलनयन बजाज यांनी १९४२ मध्ये बजाज समूहाची जबाबदारी सांभाळली. कमलनयन यांनी बजाज ऑटोची (इरक्षरक्ष ऑो) सुरूवात केली. राहुल बजाज १९६८ मध्ये बजाज ऑटोचे सी.ई.ओ. बनले. त्याआधी त्यांनी १९५८ मध्ये दिल्लीतील सेंट स्टीफन्स कॉलेजमधून पदवी प्राप्त केली आणि बॉम्बे विद्यापीठातून कायद्याची पदवी देखील मिळविली. त्यानतंर त्यांनी अमेरिकेतील हार्वड बिझनेस स्कूलमधून एम.बी.ए. केले. राहुल बजाज डेप्युटी जनरल मॅनेजर म्हणून त्यांच्या वडिलांच्या गटाचा एक भाग बनले. ते कंपनीतील मार्केटिंग, अकाउंट्स, खरेदी आणि ऑडिट यांसारख्या महत्वाच्या विभागांची जबाबदारी सांभाळत होते. बजाज ऑटोचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवल के फिरोदिया यांच्या मार्गदर्शनाखाली राहुल बजाज यांनी व्यवसायातील बारकावे जाणून घेतले, नंतर फिरोदिया आणि बजाज वेगळे झाले.

१९७२ मध्ये वडिलांचे निधन झाल्यावर राहुल बजाज यांची बजाज ऑटोचे व्यवस्थापकीय संचालक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली. त्यांच्या नेतृत्वाखाली कंपनीची प्रचंड वाढ झाली. राहुल बजाज यांनी १९७० आणि ८० च्या दशकात ह्या कंपनीची जोमाने प्रगती केली. बिलियन -डॉलर क्लबमध्ये आपल्या कंपनीचा समावेश होण्यासाठी त्यांनी कंपनीचा महसूल वाढवला. त्यांच्या पुढाकारानेच चेतक आणि बजाज सुपर मॉडेल भारतीय बाजारपेठेत नावारूपास आले. मूलत: इटालियन व्हेस्पा स्प्रिंटवर आधारित, (चेतक) हे लाखो भारतीयांसाठी अनेक दशकांपासून परवडणारे वाहतुकीचे साधन होते आणि त्यांना <u>'हमारा बजाज'</u>म्हणून स्मरणात ठेवले आहे.

राष्ट्रधन

दोन दशकांपूर्वी इतर ऑटोमोबाइल कंपन्यांनी आघाडी घेतल्यावर बजाज ऑटोची विक्री घटली होती. मात्र राहुल बजाज यांनी परिस्थिती ओळखत कंपनीला पुन्हा सावरले. काळानुरूप त्यांनी बजाज समूहात बदल केले. यासाठी २००८ मध्ये, त्यांनी बजाज ऑटोचे तीन युनिट्समध्ये विभाजन केले- <u>बजाज ऑटो,</u> फायनांन्स कंपनी बजाज फिनसर्व्ह आणि एक होल्डिंग कंपनी. त्याची मुले आता कंपनीचे दैनंदिन व्यवहार सांभाळत आहेत. राहुल बजाज हे कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (उखख) आणि सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मॅन्युफॅक्चर्स (डक्रअच) चे अध्यक्ष होते. ते अखेरपर्यंत बजाज समूहाचे मानद चेअरमन होते.

१९८६ मध्ये त्यांची इंडियन एअरलाइन्सचे अध्यक्ष म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आणि २००१ मध्ये त्यांना पद्मभूषण पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले. जून २००६ मध्ये राहुल बजाज यांची महाराष्ट्रातून राज्यसभेवर निवड झाली. २००५ मध्ये त्यांनी अध्यक्षपदाचा राजीनामा दिला, त्यांचा मुलगा राजीव बजाज ग्रुपचा व्यवस्थापकीय संचालक झाला. २०१३ मध्ये, बजाज परिवाराने 'डिस्टिंग्विश्ड फॅमिली ऑफ द इयर' पुरस्कार जिंकला. लोकहितासाठी त्यांची संपत्ती आणि वेळ समर्पित केल्याबद्दल त्यांना हा पुरस्कार मिळाला. बजाज कुटुंब अनेक सामाजिक कार्यांमध्ये सहभागी आहे. बालवाडी, व्यावसायिक आणि तांत्रिक प्रशिक्षण संस्था यासारख्या शाळा ते चालवत, ज्यामध्ये आयटीआय दत्तक घेणे समाविष्ट आहे. ते ग्रामीण महिलांना टेलरिंग आणि भरतकामाचे प्रशिक्षण देत. त्यांनी जानकीदेवी बजाज ग्राम विकास संस्थेच्या छत्राखाली रूग्णालये आणि ग्रामीण विकास कार्यक्रम उभारले आहेत.

उद्योग विश्वात राहुल बजाज हे राष्ट्रहिताच्या किंवा कॉरपोरेट भारताच्या (र्जेोगिंश ^{खपवळर}) समस्यांचे प्रतिनिधित्व करताना रोखठोक बोलणारा आणि दबाव न जुमानणारा माणूस म्हणून ओळखले जातात. राहुल बजाज एकदा म्हणाले होते की 'त्यांचा जन्मच

M-2

राष्ट्रधन

प्रस्थापिताविरोधी' होता. राहुल बजाज हे त्यांच्या साधेपणाबद्दलही प्रसिध्द होते. तर मित्र परिवारात त्यांना 'निर्भय' म्हटले जायचे. १९७० च्या दशकात, जेव्हा इटलीच्या पियाजिओने बजाजच्या परवान्याचे नूतनीकरण केले नाही, तेव्हा त्यांनी चेतक आणि सुपर सारख्या नावासंह स्वत:च्या स्कूटरच्या ब्रॅंडचे उत्पादन करण्यास सुरूवात केली. औद्योगिक विश्वाशी निगडीत समस्या असो की देशातील विविध मुद्दे असोत की कोणताही विषय असो राहुल बजाज हे आपले मत निर्भीडपणे, रोखठोक शब्दात माडंत असत.

राहुल बजाज यांच्याकडे बजाज ऑटोमध्ये १०%, बजाज फिनसर्व्हमध्ये १०% आणि बजाज होल्डिंग्ज अँड इन्व्हेस्टमेन्ट मध्ये २४% मालकी हिस्सा आहे. त्यांच्याकडे बजाज फायनान्समध्ये २०% आणि इन होम अप्लायन्समध्ये १४% हिस्सा आहे. त्यांची एकूण संपत्ती ४.४ अब्ज डॉलर एवढी असल्याचा अंदाज आहे. फोर्स इंडियाच्या २०१९ मधील १०० सर्वात श्रीमंत व्यक्तींच्या यादीनुसार, बजाज कुटुंबाची एकूण संपत्ती ९.२ अब्ज डॉलर इतकी आहे आणि बजाज कुटुंब भारतातील ११ वे सर्वात श्रीमंत कुटुंब आहे. पुणे ते औरंगाबाद दरम्यान आज जी सुबत्ता दिसते, त्यात राहुल बजाज यांचा मोठा वाटा आहे. केवळ राज्यच नव्हे, तर संपूर्ण देशाच्या औद्योगिक विकासात त्यांच्या वाटा होता.

त्यांचे सामाजिक योगदानही फार मोठें आहे. भारताच्या विकासासाठी दूरदृष्टी ठेवून सकारात्मक काम करणारे, आव्हानांशी मुकाबला करण्याची प्रेरणा देणारे राहुल बजाज यांच्या कर्तबगारीचे तेजोवलय भारतीय क्षितीजावर अनेक वर्षे तळपत राहील, हे मात्र खरे. त्यांनी त्यावेळेस व्यक्त केलेले परखड, चिंतनीय विचार आणि दिशादर्शक वैचारिक भूमिका आजही आम्हाला आठवते, आणि आठवत राहणार. अशा या प्रेरणादायी व्यक्तिमत्त्वाला भावपूर्ण श्रध्दांजली!

M-3

संस्कृती गायधने B.Com Sem- VI (E1)

कविवर्य वसंत बापट व्यक्तित्व आणि कवित्व

वसंत बापट, मंगेश पाडगावकर आणि विं.दा. करंदीकर यांनी मराठी मनांवर काव्यवाचनाचे संस्कार केले. त्यामुळे कविता घराघरांत पोहोचली आणि लोकप्रियही झाली.या तिघांच्या स्वरचित कविताचा बाज एकमेकांपेक्षा खूप वेगळा होता. त्यांच्या कवितांचा रंगही वेगळा होता आणि सादरीकरणाचा ढंगही वेगळाच होता. कविवर्य वसंत बापट यांच्या मते, कविता ही उद्गार असते, कविता ही छापायची असते. सोयीसाठी, शब्दोचारण, स्पष्टउच्चार, व्हॉल्युम याला खूप महत्व असते. म्हणूनच सर्व अस्तित्वानिशी कविता सादर करणे हा बापटांचा अत्यंत आवडीचा भाग होता. संस्कृत भाषेचे संस्कार झालेली त्यांची वाणी अतिशय शुध्द होती. लयीच्या अंगाने जाणारे त्यांचे काव्यवाचन आजही अनेकांना स्मरत असेल. त्यांच्या तोंडून मायकेल ॲंजेलो येशील येशील येशील, राणी पहाटे पहाटे येशील, दख्खनची राणी इत्यादी कविता आजही रसिकांच्या कानात रूंजी घालत असतील. पुण्यातील रविकिरण मंडळाच्या कवींच्या काव्यवाचनानंतर परत एकदा कवितेचा रंगमंचीय अविष्कार या कवींनी फार ताकदीने सादर केला.कविता त्यांच्याच तोंडून एकतांना काही वेगळाच अनुभव श्रोत्यांना देत असे.

वसंत बापट यांचा काही काळ जरी मुंबईत गेला असला तरी ते खरे पुण्याचेच, कारण त्यांची जडण–घडण पुण्यांत झाली. पुणेरी संस्कृतीत त्यांचे व्यक्तित्व घडले. पुण्याच्या नु. म. वि. हायस्कूल आणि एस. पी. कॉलेजचे ते विद्यार्थी. साने गुरूजी, सेनापती बापट, एस.एम.जोशी, ना.ग. गोरे यांच्या विचारधारेचा परिचय त्यांना पुण्यात झाला. पुण्याच्या समृध्द वैचारिक परंपरेचा त्यांच्या व्यक्तिमत्वावर सुयोग्य असा परिणाम झाला आणि या शहराच्या वैचारिक घुसळणीतून त्यांचा पिंड घडला. ते स्वत: एके ठिकाणी म्हणतात, अनुष्टुभ छंद फार जवळचा वाटत होता. तेराव्या–चौदाव्या वर्षी कविता म्हणजे काय याची अंधुक जाणीव व्हायला लागली. या अपरिपक्व अवस्थेतच एक कविता कागदावर उतरली आणि ती सरांना दाखवल्यावर ही कविता तूच लिहिलीस का? असा प्रश्न सरांनी विचारला. पण या प्रसंगामुळे आपण कविता लिहू शकू असा विश्वास त्यांच्या मनात निर्माण झाला. पुढे महविद्यालयात गेल्यावर कविता ही काही तरी चोरून करण्यासारखी गोष्ट आहे असे त्यांना वाटू लागले आणि मग टोपण नावाने आपण कविता लिहू शकतो हे देखील ध्यानी आले. त्यावेळेच्या कवितांत अर्थात प्रेम आणि सौदर्य हे विषय जिव्हाळ्याचे असावे यात काही नवल नाही. प्रेम आणि सौंदर्य ही बापटांच्या जगण्यातील प्रधान वृत्ती होय. त्याच वेळी त्यांच्या हेही लक्षात आले की, कविता ही कधीही कोणावर लिहिलेली नसते. शंभर ठिकाणंच तिळ–तिळ सौंदर्य एकत्र केल्यावर जे शिल्प तयार होते त्याला कविता म्हणतात. याच वृतीतून त्यांची कविता साकारत गेली. कविवर्य बापट यांची कविता विविधरंगी, विविधढंगी आहे. निसर्गाची सुंदर रूप तिच्यात आहे.कविवर्य बापटांचे शब्द, वृत्त, छंद यांच्यावरील पकड विलक्षण होती. बापटांची कविता सामाजिक भान फार समर्थपणे व्यक्त करीत होती. १९४२ च्या आंदोलनात त्यांचा सक्रिय सहभाग होता. देशकर्तव्य आणि देशप्रेमाचा वसा त्यांनी घेतला आणि तो प्रेमाने जपला. त्यांच्यावर झालेले राष्ट्रसेवा दलाचे संस्कार फार महत्वाचे होते. साने गुरूजींसारख्या संवेदनशील व्यक्तीचा प्रभाव त्यांच्यावर खोलवर उमटून गेला. त्यांना एकदा एस. एम. जोशींचे पत्र

आले, त्यांनी त्यात बारा गाण्यांची मागणी त्यांच्याकडे केली होती. तिथून बापटांच्या कवितेने सामाजिक बांधिलकीने आपल्या लेखनास प्रारंभ केला. त्यातुन त्यांचे सोळा गाण्याचे पुस्तक प्रसिध्द झाले, ज्याला गोपीनाथ तळवळकरांची प्रस्तावना होती.

राष्ट्रधन

सेवादल नित भारत हितरत म्हणुनि धरू अभिमान सेवादल नच जातिस जाणित म्हणुनि करू वर मान

सेवादलातील बापट हा स्वतंत्र लेखनाचा विषय व्हावा इतके त्यांचे काम मोठे आहे. लीलाधर हेगडे आणि वसंत बापट यांची जोडी तेव्हा गाजली होती.त्याचवेळी त्यांचा शिंग फुकिंले रणी हा कवितासंग्रह प्रकाशित झाला. त्यावेळी वसंत दाते यांच्यावर लिहिलेला बापटांचा पोवाडा खूप गाजला आणि त्यांना राष्ट्रकवी हा किताब प्राप्त झाला. इथून बापटांच्या कवितेचे पोवाडा युग सुरू झाले. १९४८ साली त्यांनी महात्मा गांधीवरही पोवाडा लिहिला. ही वाटचाल भारताला स्वातंत्र मिळाल्यानंतर काश्मीरच्या पोवाड्यापर्यत चालू होती. त्यावेळी सेवादलांच्या बैठकाही बापटांच्या गाण्यांनी सुरू होत असत.

> या हो रसिक जरा द्या कान जरा लावा नजरा शाहिराचा घ्या मुजरा

म्हणत डफावर थाप पडली. ९ ऑगस्ट १९८८ ला शूर मर्दाचा पोवाडा हे त्यांचे पोवाड्यावरील पुस्तक प्रसिध्द झाले. त्यात त्यांच्या अत्यंत ओजस्वी आणि जोशपूर्ण कविता अनुभवता येतात. ज्या ज्या वेळी देश संकटात आला, चळवळी झाल्या त्या त्या वेळी बापटांच्या कविता तेज:पुंज होऊन प्रगटलेली दिसते. ब्रीद तुझे विस्मरूनीया सैनिका भागेलका? क्रांती येता पाऊल मागे घेऊनी चालेल का? असा प्रश्न बापट विचारतात. त्यांची कविता एका काळात समुहाची उद्गाती बनली होती. उत्तुंग आमची उत्तरसिमा इंच इंच लढवू किंवा सदैव सैनिका पुढेच जायचे , न मागुती पुन्हा कधी फिरायचे यासारखी गीते अनेकांनी लहानपणी म्हंटलेली आठवत असतील. त्यामुळेच असे म्हणावसे वाटते की, वसंत बापटांनी एक नवी सामुहिक गीत संस्कृती निर्माण केली . त्यांच्या कवितेने शाहिरी परंपरा जपली. संस्कृत साहित्याचे ऋण त्यांच्या कवितेने मनोमन जपले. त्यांच्या कवितेची जातकुळी पंडिती कवितेची आहे. १९४२साली त्यांनी भूमीगत आकाशवाणी केंद्र सुरू केले होते. ट्रंकेत बसवलेल्या ट्रान्समीटरवरून ते प्रसारित होत असे . एका एका स्वदेश हितरत, नभोवाणी हि स्वतंत्र भारत , मधुमालती आमटे यांचे हे गीत तेव्हा फार गाजले होते.

सेवादलात असतांना शिस्त आणि सेवा या दोन्हीचे बाळकडू त्यांना मिळाले आणि मग लोकरंजनातून जागृती ही विचारधारा सुरू झाली आणि महाराष्ट्र शाहीर कलापथकाची सुरूवात झाली , त्यांचे नेतृत्व वसंत बापट करीत होते. खूप भ्रमंती केलेला हा कवी होता. ज्या ज्या बाजूला जिकडे जिकडे जावं वाटलं, तिकडे मी गेलो. देश हिंडलो. देश उघड्या डोळ्यांनी बधितला. उघड्या कानांनी सर्व ऐकले. मनात साठवले असे ते म्हणतात. त्यातून त्यांच्या कवितेत नाना छंद वृत्ते आली. महाराष्ट्राच्या जन्माच्या वेळी त्यांनी महाराष्ट्र दर्शन हा कार्यक्रम केला आणि यशवंतरावांनी तो कार्यक्रम देशभर नेला मग 'भारत दर्शन', 'गोमंतक दर्शन', 'आजादी की जंग' असे अनेक कार्यक्रम त्यांनी सादर केले. त्यावेळी त्यांच्या संघटन कौशल्याची आणि योजकतेची प्रचीती आली. 'तेजसी' या कवितासंग्रहानंतर १९५७ साली त्यांचा 'सेतू' हा कवितासंग्रह आला. त्यांची कविता चोहोवाजूंनी विस्तारायला लागली, ती लक्षणीय झाली. अनेक लहान लहान गोष्टी कवितेचा विषय वनल्या. १९७७ साली त्यांचा 'मानसी' हा मालिका कवितासंग्रह आला आणि असे जाणवले की हा कवी अतिशय तरल संवेदनाही समर्थपणे मांडत आहे. त्यांनी लहान मुलांसाठीही कवितालेखन केले. अनेक वर्षे साधना चे कुशल संपादनही त्यांनी केले. त्यांनी लिहिलेली विसाजीपंतांची बखर हे फार महत्वपूर्ण लिखाण आहे. त्यामुळेच एस. एम. जोशी यांनी म्हटले होते. आमचं व्यक्तिमत्व मांडासारख आहे, वसंताच व्यक्तिमत्व अनेक वाजूंनी फूटलेल्या डेरेदार वृक्षासारखं आहे, पण बापट स्वत: असे म्हणत की, मी संपूर्ण कवी आहे.माझ्या डोक्यावर जर कोणी झोपेत पाणी ओतले तर मी म्हणेन मी कवी आहे. शेवटच्या श्वासापर्यंत कविता मला सोडून जाणार नाही, असा विश्वास असणारा हा कवी आपल्यासाठी निरोपाची लावणी मागे ठेवून गेला....

राष्ट्रधन

मित्रहो । खातरजमा करू मी कशी आमी जाणारच की कवातरी पटदिशी... तुमी जीव लावला मैत्र आपुले जुने केलेत माफ तुम्ही शंभर माझे गुन्हे हे एकच आता अखेरचे मागणे रे मैफल तुमची अखंड राहो अशी आमी जाणारच की कवातरी पटदिशी...

> पुर्विता मोहर्ले B.Com - Sem -II (M)



M-F

लोककवी वामनदादा कर्डक व्यक्ती आणि वाड्मय

लोककवी वामनदादा कर्डक म्हणजे आंबेडकरी विचारांचे सर्जनशील वादळ. त्यांनी त्यांच्या काव्यप्रतिभेने आणि पहाडी आवाजाने त्यांचे प्रेरणास्त्रोत व उध्दारकर्ते अशा बाबासाहेबांचा सांगावा खेड्या–पाड्यात पोहचवला. त्या ध्येय वेड्या

भीमशाहिराने त्यांचे सर्व आयुष्य आंबेडकरी चळवळीसाठी वेचले. भीम कार्याची महती जगाला सांगितली. वामनदादा कर्डक यांचा जन्म १५ ऑगष्ट १९२२ ह्या दिवशी झाला. त्यांचा जन्म नाशिक जिल्ह्याच्या सिन्नर तालुक्यातील देशवंडी या खेड्यात झाला. त्यांच्या वडिलांचे नाव तबाजी कर्डक,आईचे नाव साईबाई होते. त्यांचा मोठा भाऊ सदाशिव तर धाकटी बहिण सावित्री. लहान वामन गुरे–ढोरे सांभाळायचा. गावचा संबंध तो तितकाच, कारण वयाच्या दहाव्या वर्षी वामनराव आई–वडिलांसोबत मुंबईस आले. गावी जी तुटपुंजी शेती होती त्यावर कुटुंबाचा चरितार्थ चालणे मुश्किल होते. त्यांचे बालपण गरिबीत आणि खडतर अशा परिस्थितीत गेले.

राष्ट्रधन

वामन तबाजी कर्डक नावाने प्रसिद्ध, हे मराठी शाहीर, कवी आणि आंबेडकरी चळवळीतील कार्यकर्ते होते. त्यांच्या हयातीतच त्यांचे चार काव्यसंग्रह प्रकाशित झाले होते. कर्डकांनी डॉ. आंबेडकरांवर १०,००० हून अधिक गीते रचली आहेत. लोकशाहीर वामन कर्डक यांनी डॉ.आंबेडकरांचे विचार आपल्या ओजस्वी वाणीतून , समर्थ लिखाणातून महाराष्ट्राच्या घरांघरांत, खेड्यापाड्यात, वाडीतांड्यात पोहचवण्याचे काम केले. बुद्ध, फुले, आंबेडकर यांचा विचार हा वामनदादांचा श्वास होता, उर्जाकेंद्र होते. हे विचार प्रभावीपणे प्रसारीत करत वामनदादा जीवनाच्या शेवटापर्यंत फिरत राहिले त्यामुळे समाज जागृत होत राहिला.

प्रारंभिक जीवन :-

वामन कर्डक यांचा जन्म १५ ऑगष्ट १९२२ साली नाशिक जिल्ह्याच्या सिन्नर तालुक्यातील देशवंडी या खेड्यात झाला. त्यांच्या परिवारात आई, बाबा, मोठा भाऊ आणि धाकटी बहीण ऐवढे सदस्य होते. त्यांच्या घरी १९ एकर शेती होती. धान्य घरात यायचे तरीही हंगाम संपला की आईने डोंगरावर जाऊन लाकडे गोळा करून मोळी बांधून ते जळतण सिन्नर बाजारात विकायचे. वडील टेंभुर्णीच्या पानाच्या बिड्या करून विकायचे व हेडीचा धंदा करायचे. सर्वांनी कष्ट केल्यावरही आषाढ, श्रावणात आबाळ व्हायची. कधी तरवट्याची भाजी, माठाची भाजी, कधी भाकरीच खावी लागायची. कर्डकांनी लहानपणी गुरे चारणे, जत्रेत कुस्त्या खेळणे, शिवडी येथे गिरणी कामगाराची नोकरी करणे,मातीकाम, सिमेंट क्रॉक्रीटचे काम, चिक्की वळणे,आईसफ्रुट विकणे, खडी फोडणे, टाटा ऑईल मिलमध्ये नोकरी इत्यादी कामे केली. त्यांना वाचनाचा छंद होता. तसेच त्यांनी लल्लाट लेख या नाटकात घुमा या पात्राची भुमिका केली होती. वयाच्या २० व्या वर्षी वामनचे लग्न अनुसया नावाच्या मुलीशी झाले. पुढे त्यांच्या कुंटुबात मीरा नावाच्या मुलीने जन्म घेतला. वामनदादांचे जीवन सुखात गेले नाही. बायको त्यांना सोडून गेली आणि पुढे आजारपणात त्यांच्या मुलीचे म्हणजेच मीराचेही निधन झाले. हा त्यांच्या जीवनातला फार मोठा धक्का होता. ते मीराचे दु:ख कधीही विसरू शकले नाहीत.

मुंबईला प्रयाण :-

मुलगी मीराच्या निधनानंतर पुढे आईसोबत पोटाची खळगी भरण्याकरिता वामन दादा मुंबईत आले.त्यांनी

गिरणी कामगार म्हणून काम केले. कोळशाच्या वखारीत कोळसा उचलला. चिक्की विक्रिचा, आईस फ्रुट विक्रीचा धंदा केला. मिळेल ते काम केले. नंतर त्यांना टाटा कंपनीत नोकरी मिळाली. शिवडीच्या बिहीडी चाळीत राहत असतांना ते समता सैनिक दलात सामील झाले. इथपर्यंत वामनदादांना अक्षरांचा परिचय नव्हता. एकदा त्यांच्या चाळीमधील एका माणसाने वामनदादांना पत्र वाचायला सांगितले. दादांना वाचता-लिहिता येत नव्हते याचे त्यांना खूप वाईट वाटले. शिक्षण नसल्यामुळे आपण वाचू-लिहू शकत नाही हे त्यांना अवघड वाटू लागले व ते रडू लागले आणि ते देहलवी नावाच्या मास्तरांकडून बाराखडी, मुळाक्षरे शिकले. ते दुकानाच्या पाट्या जोडाक्षरे बोर्ड वाचून शिकले. हळू-हळू त्यांचे लेखन वाचन वाढू लागले. सोबतच ते विविध खेळही खेळायचे व व्यायाम करायचे.

राष्ट्रधन

आंबेडकरी चळवळीत सहभागी :-

त्यावेळी आंबेडकरी चळवळ सर्वत्र वेगाने जोर धरू लागली. आंबेडकरांचे अनुयायी समतेच्या लढ्यात उतरले होते.

वामनदादाही बाबासाहेबांच्या सभेला जात. समता सैनिक दलातील तरूणांसोबत काठीला काठी लावून बाबासाहेबांना सभास्थानी जायला रस्ता करून देत. नायगाव येथे १९४२ साली वामन कर्डक यांनी बाबासाहेबांना पहिल्यांदा पाहिले हाते.

कवी :-

वामन कर्डक यांचे मराठी व हिंदी वाचन बरेच पुढे गेले होते ते अनेक चित्रपट, कंपन्यांमध्ये गेले होते. पण त्यांना मिनर्व्हा फिल्म कंपनीत एकदा म्हणून प्रवेश मिळाला. ते कारदार स्टुडिओ, रणजीत यांमध्ये कामाला जायचे जेव्हा काम नसेल तेव्हा राणी बागेत तासनतास बसायचे.

असेच १९४३ मध्ये राणी बागेत असता वामनदादा कर्डक यांना पहिले हिंदी गीताचे विडंबन गीत करायचे सुचले व ते त्यांनी ३ में १९४३ रोजी चाळीतील लोकांसमोर गाऊन दाखवले. लोकांनी प्रशंसा केली, टाळ्या वाजवल्या आणि वामन कर्डक कवी झाले.

त्यानंतर २००४ पर्यंत कर्डकांनी गीतलेखनाचा व गायनाचा कार्यक्रम चालू ठेवला. त्यांची प्रकाशित आणि अप्रकाशित मिळून साधारणत: दहा हजारांवर गीतरचना आहेत. त्यांनी काही चित्रपट गीतेही लिहिले आहेत. त्यांनंतर चाळीसगांव, मनमाड, टिळकनगर येथे आंबेडकरांच्या भाषणांच्या दरम्यान कवितांचे गायन केले. काव्यसंग्रह :-

'वाटचाल' (गीतसंग्रह) १९७३ 9.

मोहळ (गीतसंग्रह) १९७६ 2.

हे गीत वामनाचे (गीतसंग्रह) १९७७ 3.

गद्य :-

माझ्या जीवनाचं गाणं (आत्मकथन) १९९६ ध्वनिफिती व चित्रपट गीते. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांची भेट ۹.

- भीमज्योत 2.
- 3. जय भीम गीते

M-8

सांगा या वेडीला माझ्या गुलछडीला (चित्रपट – सांगते ऐका)

५. चल ग हरणे तुरू तुरू (चित्रपट – पंचारती)

अन्य गीतरचना :-

हयो हयो पाहुणा; शकुचा मेहुणा, तुझ्याकडे बघून हसतोय गं, काही तरी घोटाळा दिसतोय गं (संगीत मधुकर पाठक: स्वर –श्रावण यशवंते)

राष्ट्रधन

'आंबेडकरी चळवळीच्या प्रचार आणि प्रसारासाठी आपले उभे आयुष्य वेचणारे लोककवी वामनदादा कर्डक यांचे 94 मे 2008 रोजी निधन झाले . वामनदादांची पाहाडी आवाजातील लोकगीते हजारोंचा जनसमुदाय ऐकतांना दिसतो. ही किमया केवळ त्यांच्या आवाजाची नव्हे तर आशयाची आहे. दादांची गीते लोकजीवनाचा वेध घेणारी आहेत. त्यामुळे त्यात वक्तृत्वही आले आहे. पण हे वक्तृत्व उसने नाही. ते लोकमनाला थेट भिडणारे आहे. शाळेची पायरी न चढणाऱ्या वामनदादांची ही लोकगीतातील शब्दांची सुसंस्कारित जडण–घडण आहे. लोकगीत हे मराठीचे सौदर्य मानले जाते तर शाहिरी काव्यामुळे किंवा लोकगीतांमुळे मराठी कवितेचा उष:काल झाला, असे पेशवेकालीन शाहिरांना वाटलं. मोठ्या प्रमाणात अस्पृश्यता आणि बेरोजगारी व वेठबिगारी वाढली होती. स्त्रियांना या काळात कोणत्याच प्रकारचे सामाजिक स्थान नव्हते. केवळ चुल आणि मुल एवढाच दर्जा होता. युद्धावर अनेक दिवस बाहेर काढणाऱ्या सैनिकांसाठी पेशवाईतील शाहिरांनी स्त्रियांच्या शृगांराचे भडक वर्णन करणाऱ्या चवचाल लावण्या लिहिल्या. शृगांरिक लावण्या लिहिण्यात अनेक शाहीर अडकले तर सामाजिक चळवळीचा वेध घेऊन लोकगीतकारही याच वेळी समोर आले. त्यात शाहीर अमरशेख, लोककवी वामनदादा कर्डक,लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे आदिंचा समावेश होता. महाराष्ट्रातील लोककवींना समाजमनाची चिंता होती. लोकगीताच्या ६० वर्षांच्या कालखंडात परिवर्तनवादी भूमिका लोकगीतावून व्यक्त झाल्या.

लोकगीतांमधून प्रामुख्याने कष्टकरी,कामगार, शेतकरी, मार्क्सवादी, स्त्रीवादी, दलितांची चळवळ, स्वातंत्र्याची आणि संयुक्त महाराष्ट्राची चळवळ, राष्ट्रवादाचा पुरस्कार आणि प्रामुख्याने माणसांचा आणि माणुसकीचा धर्म वृद्धिंगत करण्याच्या दृष्टिकोनातून प्रयत्न झाले. लोकगीतांतून घडणाऱ्या समाजाचा मूलाधार प्रबोधन हा आहे. समाजातील विषमतेवर कोरडे आहेत. वामनदादा लोकगीतून दाहक वेदना मांडतात. लोककवी वामनदादा हजारो वर्ष या देशात आपल्या झंझावती काव्यशक्ती आणि प्रतिभेने अजरामर आहेत. या महान विभूतीस विनम्र अभिवादन.

मानवता, क्षमता, बंधुभाव, शील, करूणा, मैत्री या आंबेडकरी भक्ती दलित, शोषित, स्त्रीमुक्ती, जातिव्यवस्था, मनोरंजनातून प्रबोधन या विषयावरही दादांची लोकगीते आजही प्रभावी वाटतात. चळवळीच्या अशा असंख्य गाण्यांबरोबर दादांची पर्यावरण, हुंडाबंदी, ऊसतोड कामगार, दुष्काळ, अशा भिन्न विषयांवर मोठ्या प्रमाणात लेखन केले. संत तुकाराम महाराज यांच्या अभंगरचनेचे मुळ प्रेरणा स्थान जसे विठ्ठल होते, त्याचप्रमाणे लोककवी वामनदादा यांचे गीतरचनेचे मुळ प्रेरणास्थान डाँ बाबासाहेब होते. डाँ बाबासाहेब आंबेडकर या प्रचंड शक्तीने समाजतळ ढवळून निघाला, रूढीचा सहारा करून व आत्मतेजाची पखरण करून समाजरथ पुढे जाऊ लागला.

वामनदादांची गीते चित्रपटातूनही गाजली. वामनदादा कर्डकांची अशी खूपशी गाणी आजही ओठावर ताल धरतात.

M-9

शिया रणशिंगे B.Com Sem IV (E1)

चतुरस्र लेखिका शांता शेळके

शांताबाई शेळके असे म्हटल्यावर आपल्याला त्यांच्यातला कवी आठवतो, त्यांचे व्यासंगी व्यक्तिमत्व आठवते, त्यांची विद्वता आठवते पण त्याही पेक्षा आपल्याला भुरळ घालतात त्या गीतयात्री शांताबाई.

शांता शेळके यांचा जन्म १२ ऑक्टोबर १९२२ रोजी पुण्यातील इंदापूर येथे झाला. त्यांनी आपले प्राथमिक शिक्षण महात्मा गांधी विद्यालय, राजगुरू नगर आणि उच्च माध्यमिक

विद्यालय हुजूरपागा, पुणे येथून पूर्ण केले. त्यांनी पुणे येथील एस.पी. कॉलेजमधून पदवी संपादन केली. मराठी आणि संस्कृत विषयातील एम.ए. पूर्ण केले आणि मुंबई विद्यापीठात प्रथम क्रमांक पटकावला. आचार्य अत्र्यांच्या 'नवयुग' मध्ये उपसंपादक म्हणून ५ वर्षे कार्य केले. १९९६ साली आळंदीमध्ये अखिल भारतीय संम्मेलनाच्या अध्यक्षपदी त्यांनी कार्य केले. त्या एक प्रतिभासंपन्न मराठी कवयित्री, प्राध्यापक, संगीतकार, लेखिका, साहित्यिक आणि पत्रकार होत्या अनुवादक, समीक्षा स्तंभ लेखिका, वृत्तपत्र, सह संपादिका म्हणून देखील त्यांच्या साहित्यात मोलाचा वाटा आहे.

शांताबाई शेळके या सुप्रसिध्द मराठी कवियत्री, गीतकार आणि लघुनिबंधकार होत्या. त्यांच्या कवितांनी आणि त्यावर बनलेल्या गाण्यांनी उभ्या महाराष्ट्राला वेड लावले आहे.

कथा – कादंबरीसह साहित्याच्या सर्व क्षेत्रांत मुशाफिरी करणाऱ्या शांताबाईच्या नावावर १०० हून अधिक पुस्तके आहेत. शांताबाईच्या पुस्तकात येउबबू शंभू सारखी बालकविता, पावसाआधिचा पाऊस सारखा ललितरम्य लेख, असे वैविध्य सापडेल....

गीतकार म्हणून त्यांनी जगण्याचा मोठा पट कवेत घेतलाच, पण ललितलेखांतून त्या व्यक्त होत राहिल्या. एक पानी किंवा पाऊसा आधीचा पाऊस सारखे लघुनिबंध संग्रह, किनारे मनाचे हे त्यांच्या निवडक कवितांचे संकलन कालिदासाच्या मेघदूताचा अनुवाद, हायकू, त्यांनी लिहिलेली चित्रपटगिते, त्यांच्या लेखणीतून उमटणारे सामाजिक, सांस्कृतिक स्थित्यंतरांचे पडसाद असे बरेच काही मागे ठेवून त्या गेल्या.

हे सगळ त्यांच वैविध्य पाहिलं कि पुन्हा एकदा जाणवते ते त्यांच शब्दांवर असलेलं प्रेम, त्यांनी कुठला शब्द परका मानलाच नाही, त्यामुळे कुठलीही भाषा असो, कुठलाही शब्द असो त्या शब्दाच्या अंतरंगात डोकावून पाहण्याचा छंद त्यांच्या गीतरचेनतही त्यांनी जोपासलेला दिसतो. शांताबाई शेळके म्हणजे मराठी शारदेच्या मंदिरातील एक अंखड तेवत असलेला नंदादीप.

त्यांच्या बहुमुखी प्रतिभा, त्यांच्या विपूल साहित्यातून आपल्याला सदैव भेटत राहते मग ती त्यांची गीतरचना असेल, त्यांच्या कविता असतील, त्यांचं स्वत: लिहिलेल लेखन अर्थात त्यांच ललित साहित्य असेल आणि त्याचबरोबर त्यांनी वैपूल्यांनी केलेले अनुवादही असतील.

मराठी, संस्कृत आणि इंग्रजी भाषेवर सारखचं प्रभुत्व असणाऱ्या अत्यंत व्यासंगी अश्या शांताबाई पण तितक्याच विनम्र सुद्धा म्हणूनच त्यांच्या साहित्यातून ज्या शांताबाई आपल्याला भेटतात, आपल्याशी मैत्री करतात, संवाद साधतात म्हणून त्या नेहमी आपल्या वाटतात.

त्यांच्या विद्यत्तेविषयी प्रचंड आदर मनात असतानाही ति कुणीतरी आपली म्हणून त्या आजी असावी, जे आपल्या मायेनी पाठीवरून हाथ फिरवून आपलाल्या चातुर्याच्या, शहाणपणाच्या गोष्टी सांगत आहे असे वाटत राहते.

आळंदी इथे संपन्न झालेल्या अखिल भारतीय मराठी साहित्य संमेलनाच्या अध्यक्षपदाचा बहुमान त्यांना देऊन रसिक श्रोत्यांनी, वाचक, साहित्यिकांनी त्यांना सन्मानित करून त्यांचा गौरव केला. आजपर्यंत बोटावर मोजण्याएवढ्याच महिलांना हे भाग्य लाभलं.

शांताबाई शेळके यांचे निधन ६ जून २००२ रोजी झाले. त्यांना अनेक पुरस्काराने सन्मानित केले आहे. तसेच त्यांच्यावर काही पुस्तके प्रकाशित झाले आहेत.

शांता शेळकेंनी साधेपणा आयुष्यभर जपला. निसर्गाविषयी मात्र त्यांना विलक्षण ओठ होती. निसर्गाच्या सानिध्यात त्या तहानभूक विसरून तासन्तास बसत. अशा या विदुषिला शतश: नमन.

M-10

संजना मेश्राम B.Com - IV - Sem (E1)



Report of M. Com Department

राष्ट्रधन

It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2021-22.

Objective: To provide post graduate course in commerce as per the autonomous curriculum in English, Marathi and Hindi Medium.

Admission status:

English Medium: 79 Marathi Medium: 80 Hindi Medium: 40

Activities and Achievements

Activities:Due to pandemic and online teaching-learning beingconducted for most of the session few activitieswere conducted in online mode.

Various Achievements of the Department

A. Achievement at NET/SET examination:

Following Ex-students of M. Com have qualified NET/SET examination:

- Syed Sana KausarNaim has qualified SET examination held on 26th September 2021
- 2. JaitwarKaileshMurlidhar has qualified SET examination held on 26th September 2021

B. Achievement at National Level Competition:

Sultana Sheikh of M.Com Sem II (English medium) has won third prize at National level essay completion organized by G. S. Collegeof Commerce & Economics, Nagpur.

B. Placements: 9 students were placed in Teachnook Company

C. Activities Conducted:

 Online Webinar on "Effective Use of Online Learning Resources": Online Webinar was conducted by Research Cell and M. Com Department on "Effective Use of Online Learning Resources" on 15th September, 2021. The resource person Dr. P.M.Paradkar, Librarian, G. S. College of Commerce & Economics, Nagpur guided students regarding the use of N-LIST and other online resources. Nearly 92 students participated in the said Webinar. Offline sessions were also conducted for students to increase the awareness of students for NLIST after the classes were resumed on offline mode.

Online Webinar on "Breathe Right":Online Webinar was conducted by M. Com

राष्ट्रधन

- Department on "Breathe Right" on 04th October, 2021. The resource person Prof. 2. Ashutosh Tiwari, Director, Physical Education, G. S. College of Commerce &Economics, Nagpur guided students regarding the breathing techniques for living a healthy and stress free life. Nearly 50 students participated in the said Webinar.
- Fresher's Programme :- A welcome programme for the fresher students "Aagaz" was organized on 13th March, 2022 in order to develop a sense of belongingness 3. amongst the students and make them aware regarding different important aspects of the college with reference to various extra-curricular activities, Value Addition Courses, credit points etc.
- 4. Library visit :Library visit was conducted on 27th April, 2022 for M. Com Students and Dr. P. M. Paradkar, Librarian, guided students for N-List registrations and Library usage.
- 5. Crossword Competition: Crossword Competition was conducted 5th May,2022students participated in the competition. Following teams are the winners:

First prize: Team comprising of Payal Nimje(M. Com Sem IV Marathi medium) and

Meghahole(M. Com Sem II English medium)

Second Prize:

- 1)Team comprising ofSonalDhakate(M. Com Sem II English medium)and AmishaGhate(M. Com Sem IV Marathi medium)
- 2) Team comprisingofMansiSorte(M. Com Sem II English medium) and VaishaliPathode (M. Com Sem IV Marathi medium)

Third Prize: Team comprising of VaishnaviKanhe(M. Com Sem IV Marathi medium) and Pallavi Arya(M. Com Sem II English medium)

- Awareness Session on N-LIST: The awareness session on N-LIST was conducted 6. by Prof.A.S.Jain on 12th May, 2022 for solving the difficulties faced by the students for N-LIST registrations.
- Workshop on "Awareness of Income Tax": A Workshop on "Awareness of Income 7. Tax"was organized in collaboration with Income Tax Department, Nagpur on 10th May, 2022 in order to make students aware regarding the Income tax Act and the updations in the provisions of the tax. The Income Tax department officers also appealed the students to avoid tax evasions being the responsible citizens of the country. 8.

Workshop on "How to score better": A Workshop on "How to score better" was organized to make the students aware of the mistakes that are generally committed by the students in the exam so that the students can take good care to avoid

mistakes and are also updated regarding the techniques for enhancement of their presentation skills in the exam so that they can increase their score and Outdoor/group densities.

राष्ट्रधन

- Outdoor/ground activities: For all round development of the students along with the academic activities, certain outdoor activities were conducted on the ground like a brief lecture was given by Lt. Ashutosh Tiwari on "Importance of staying active" which was followed by different group activities such as throw ball, badminton, discover your talent etc.
- Legal Antakshari: Legal Antakshari was conducted by Dr. N.Z. Hirani as a student centric activity to enhance the learning experience of students
- 11. Classroom presentations and role play activites: In order to improve the presentation skills and enhance the in-depth understanding of the concepts relating to the syllabus classroom presentations and role plays by students were conducted.

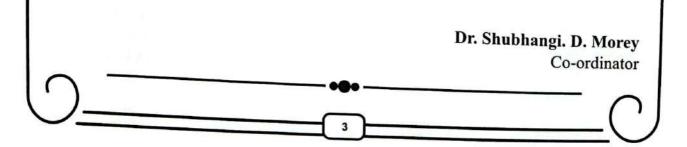
Other Information:

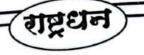
- Many students participated inNSS activities, Umang, GS-Comnnext and other student centric activities organized by various committee.
- Students attended the Live Online Budget Session
- Students attended the various Online Webinars conducted by NSE, NISM etc.
 Assignment given to all classes, Class tests, unit tests conducted, Prelim and viva voice conducted

The department extends special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thankall the staff members for their co-operation and support.

Plans for session 2022-2023

- 1. To admit sincere and regular students for course.
- To provide pro-active teaching and learning resource to them in order to foster their understanding about the subject knowledge.
- To focus on student-centric teaching learning approach.
 To encourage students to participate in the students in the students.
- To encourage students to participate in co-curricular and extra-curricular activities in order to enhance their personality.
 To provide them with more practical
- 5. To provide them with more practical approach and enhance their employability.





Report of MBA Department

It is our pleasure and privilege to present the report of the Department of Management Sciences & Research for the session 2021-22.

Academic & Administrative Activities :

- 1) DMSR served as Facilitation center for MBA Admission process during entire month of December 2021 wherein 261 MBA aspirants had chosen Offline & Online mode for documents verification & confirmation of application form.
- 2) Admission process commenced from 30th November and ended on 29th December 2021. Total 60 students were admitted in MBAIYear
- 3) It was ensured that all the students of MBA SEM III and Sem I were fully vaccinated
- 4) Commencement of New Academic Session was from 22nd December 2021 as the earlier sessions were delayed due to Pandemic. As the admission process was delayed due to lockdown situations, summer session is having odd semesters instead of even semesters.

Guest Lectures:

DMSR has invited eminent personalities from the Industry and organized various Guest Lectures so as to impart the knowledge of current trends in Industry to the budding managers.

- 1) Session on "An Insight on Employability Skills" by Mr.Mukund Patrikar. Founder & CEO of Samvid International Pvt. Ltd. On 21st Feb. 2022.
- 2) Guest lecture by Shri. Chandrashekhar Tilak Ex vice President NSDL Mumbai, on 11th April on the topic "Crypto Currency & Digital Rupee"
- 3) Shri Sanjay Bhargava, Chairman Shiksha Mandal, Wardha has also delivered insightful session on "World Economy and Indian Economy" 11th Jan 2022

Extracurricular & Co-curricular Activities :

- 1) SIP Internship : DMSR has organized SIP Orientation program for the students of MBA second year. Students completed their Summer Internship project by 30th December 2021. SIP final Viva voce was conducted by Internal Examiners & External Examiners were invited from Ramdeobaba Institute & Central Institute of Business Management, Research & Development on 11th & 12th April.
- 2) CPBFI: Orientation program of CPBFI on "Introduction about CPBFI course curriculum" for MBA second year students was organized. Interactive session for Job fair guidance was conducted by Mr. Siddhant Agrawal for CPBFI students on 25th of February 2022. This year 55 students of MBA III Semester have registered for CPBFI.

3) Student's Participation : Students participated in the webinar organized by ED cell on the topic "How to become an Entrepreneur & the schemes available with MCED by Mr. Shrikant Kulkarni, Project officer MCED on 18th Feb. 2022. Students participated in the webinar organized by Women Entrepreneurship cell & Incubation centre on the topic" My journey as an entrepreneur" .An Activity was conducted for MBA SEM I students on 5th March on "Effective Breathing Techniques for Stress Management". Students participated in Cookery & Sports competition of UMANG 2022 & won the prizes.

राष्ट्रधन

4) "EXCELLENCIA - 2022" - A Sports & Cultural Program was conducted on 26th & 27th March 2022 in which various events like Tug of War, Cricket, Badminton, Chess, Rangoli, Fashion Show, Quiz, Drama, Singing & Dancing Competition were organized for MBA students.

Plans for the Next Year :

- 1. DMSR has proposed a new Value Added Course titled as Certificate Course in Business Analytics.
- 2. Plan to focus more on Industry Institute Interface by way of more MOUs.

Dr. Sonali Gadekar MBA Coordinator.

Report of COVID- 19 Vaccination Programme

Our college had organized vaccination programme in collaboration with Orange City Hospital and Research Institute, Nagpur and Nagpur Municipal Corporation, Nagpur. The faculty members and students were given 2nd dose of Vaccination of COVID- 19 from time to time. The Vigilance committee also monitors timely, the implementation of COVID-19 norms strictly, issued by various Govt. authorities. Special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for constant guidance and support and also Team of OCHARI, Nagpur and NMC Health Department for various Vaccination camps in college campus.

5

Dr. P.M. Paradkar COVID -19 Vigilance Officer

राष्ट्रधन **Report of B. Com. Department** It gives me immense pleasure to present the annual report of the department for the academic year 2021-2022. Activities: The following activities conducted during the years: 1. Due to Covid-19 situation all the classes of B.Com. (odd semester) were conducted online only through Zoom, Google Meet, Microsoft Team etc. and Even Semester conducted in offline mode. 2. Assignments given to all classes through online as well as offline mode. 3. Class test and unit test conducted through online as well as offline mode. 4. Preliminary examination conducted through online as well as offline mode. 5. Bridge course conducted for the subject of Accounts and Economics for noncommerce students through online mode. 6. Remedial classes conducted for students who have failed in previous semesters. 7. Teachers have conducted subject related activities for their students in their respective classes. 8. Students have actively participated in all the activities conducted by various departments and won prizes. 9. Students have participated in Inter and intra collegiate Extra Curricular Activities, NSS, Adult education programme, Sport etc. and won prizes. 10. Students have actively participated in GS-COMNEXT. 11. Students have actively participated in the Cultural Week (Umang). 12. Students have actively participated in the activities and competitions conducted in the class room by the teachers. 13. Teachers conducted the difficulties solving session. The department gives special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thanks all the staff members for their cooperation and support. Dr. Vishal N. Thangan **Co-ordinator**

MERIT STUDENTS (UNDER AUTONOMY)

B.C.C.A. (SUMMER-2021)



Karishma P. Shende Rank-01



Rank-02







Rank-04



ShivpalL. Chauhan Vikas M. Choudhary Rank-05



Sangeeta Kammar Rank-01



Kailesh M. Jaitwar

Qualified SET Sept. 2021

Dr. Madhuri Purohit

Awarded Ph.D. by RTMNU,

Nagpur, in Commerce.

Rank-04

B.B.A. (SUMMER-2021)



Charu J. Khanchandani Rank-03



Ram P. Chhabria Rank -04



Mahfooz A. Khan Rank -05









Syed Sana Kausar Naim Qualified SET Sept. 2021

Dr. Afsar Sheikh

Secured 1st prize in International

Research Conference





Dr. Archana Dadhe Received Excellence Service Award by INSO-VDGOOD Profession Association



Dr. Swati Katthaley Awarded Ph.D. by RTMNU, Nagpur, in English

TEACHER ACHIEVERS



MBA DEPARTMENT ACTIVITIES



Guest Lecture on "Cryptocurrency and Digital Rupee" Speaker - Mr. Chandrashekhar Tilak, Rtd. Chief Risk Officer & Executive Vice President - NSDL



Prof. Anand Kale, Dean, MBA, inaugurating "Spoorthy" – A Sports Day Event at "Excellencia 2022"



Prof. Anand Kale, Dean, MBA, inaugurating "Spoorthy" – A Sports Day – "Excellencia 2022"



Cultural Dance Competition - "Excellencia 2022"



Guest Lecture on "Employability Skills for Managers" Speaker – Mr. Mukund Patrikar, Founder & CEO, Samvid International Pvt. Ltd., Nagpur



G. S. College of Commerce & Economics, Nagpur

Principal, Dr. N. Y. Khandait, inaugurating "Excellencia 2022", a Cultural Event at DMSR



Chess Competition - "Spoorthy" - Excellencia 2022



Prize Distribution for "Manthan" in the presence of Prof. Anand Kale, Dean, MBA

M.COM. DEPARTMENT ACTIVITIES



Online Webinar on "Effective Use of Online Learning Resources" conducted by Dr. P. M. Paradkar, Librarian



Online Webinar on "Breathe Right" conducted by Prof. Tiwari, Director, Physical Education



Income Tax officer Shri Anil Meena briefing the students regarding Income tax provisions in a workshop on "Awareness of Income tax"



Dr. Shubhangi Morey, Co-ordinator briefing the students regarding the workshop on "How to Score Better in Examination"



Library visit conducted for M. Com Students and Dr. P. M. Paradkar guiding students for N-List registrations and Library usage.



Students solving Crossword in Crossword Competition



Role Play Activity



Legal Antakshari conducted by Dr. N. Z. Hirani

B.COM (HONOURS & F/A) ACTIVITIES



Webinar : "CA as a career"



Online Welcome Session : "Let the Heart Smile"



"AAHAN" : A welcome Event for FY Students



"My Business Ideas"



"Best Out of Waste"



"Quiz Competition on Budget"



"Seminar : Use of E-learning Resources"



"Seminar : Research Methodology and Report Writing"

BCCA DEPARTMENT ACTIVITIES



"Aarambh-2022" A welcome function for First Year Students



"Aaram bh 2021-2022"



PPT Presentation by the students in "Aaram bh 2021-2022"



"Aaram bh 2021-2022" Students Interactive Session



Docum entary Screening : Shri Jammalal Bajaj Death Anniversary



Guest Lecture on e-resources in library



Students attending "Pariksha pe Charcha" by Hon'ble PM Shri Modi



Guest Lecture on Income Tax

SENIOR COLLEGE CULTURAL ACTIVITIES



Inaugural Ceremony : Dr. Prafulla Sable, Director of Examinations, RTMNU



Rangoli Competition



Cookery Competition



Mehandi Competition



Singing Competition



Group Singing



Solo Dance Performance



Group Dance

STUDENTS' INDUCTION PROGRAM



Online Induction programme for UG students



2 6

Principal Dr. N. Y. Khandait addressing the students



Principal Dr. N. Y. Khandait interacting with students during Induction Programme

PLACEMENT CELL



Ms. Lumbini Meshram from Neeyamo Solutions Pvt. Ltd. Addressing the students during Placement Talk.



Students selected by Neeyamo Solutions Company



Shri Shrikant Kulkarni Project Officer MCED giving information regarding various government schemes.



Shri Surya Kant. from Viridian Accelerator Centregiving information on "Business Idea Generation"

GLIMPSES OF GS-SUN PROGRAMME



Felicitation of Eminent CA's by CA Shri Jaydeep Shah, Shri Sanjay Bhargava and Principal Dr.N.Y.Khandait.



Certificate Distribution



CA Avigat Ganeriwala , addressing the audience



Student CAs at GS-SUN at Certification Distribution





Shri Sanjay Bhargava, Chairman, Shiksha Mandal, Wardha addressing in PT Meet







Parents speaking in PT Meet

GANDHI VICHAR PARIKSHA WINNERS





Ku. Anita Patel of Std. XII H2 won gold medal and secured 1 st position at District Level





Ku. Sonam Upadhyay of Std. XI H2 won gold medal and secured 1 st position at District Level



A student expressing her views on the occasion of Mahaparinirvan Divas (6" Dec. 2021)



Reading of pledge on the occasion of Rashtriya Ekta Diwas

Strutter College of Commerce & Economics, Nagpur Berter College Square, Anravati Road Lat 21.112833*

Dr. N.Y. Khandait, Principal addressing the gathering on 2° Oct. 2021 Gandhi Jayanti and Lal Bahadur Shastri Jayanti



Principal Dr. N.Y. Khandait, addressing the gathering on 5th Sept. 2021 on the occasion of Teachers' Day.

SPECIAL DAYS CELEBRATION

SPORTS ACTIVITIES

COLOUR HOLDERS, 2021-22



Mr. Mohit Bhendarkar B.C.C.A.-II Selected in R.T.M.N.U. Fencing Team



Ms. Shub hangi Suhagp ure B.Com.III (M) Selected in R.T.M.N.U. Mini Golf Team& secured Runner-up position at All India National Championship

ip

OPEN TOURNAMENTS, 2021-22

Ms. Namrata Desai B.Com.(Honours)-I Won Under 18 DISTRICT SPORTS CHAMPIONSHIP





Observation of "INTERNATIONAL YOGA DAY" on 21"June 2021





Online Celebration of NATIONAL SPORTS DAY on 29th August 2021



Volleyball (Boys) Inter-class Final match



Chess (Mix) Inter-class match

N.C.C. ACTIVITIES



Om Zade and Trushali Kuthe with Hon'ble Govenor Bhagat Singh at the Republic Day Parade.



Om Zade and TrushaliKuthe with DY DG NCC Maharashtra



Om Zade and Trushali Kuthe with Dy CM Shri Ajit Pawar and sports minister Shri Sunil Kedar



Sadhbhawna Pakhwada poster competition



Workshop on anti- narcotics and drug addiction



NCC Cadets participated in Marathon for Women



Anti-narcotics drug addiction workshop



Weapon training during camp

EXTRA-CURRICULAR ACTIVITIES



Komal Singh won consolation prize in inter collegiate poem competition organized by Sindhu college



Rutuj Datarkar & Ayush Bhonde won first prize in inter collegiate Commerce model competition organized by Sindhu college



Our college students participated in Deshbhakti Geet Lekhan Workshop organized by Rashtrsant Tukdoji Mahraj University, Nagpur



BhagyashreePande (BBA IInd year) delivering speech at Students Parliament



Our college students won first & consolation prize in inter collegiate Quiz competition organized by Sindhu college



Our college students won first & second prize in inter collegiate story telling competition organized by DNC college



Winners of Various Inter collegiate competitions with Principal Dr. N.Y. Khandait



Presentation given on career awareness programme on 6 october 2021

FELICITATION



Felicitation programme of Dr. N. D. Dharmadhikari on her Superannuation



Felicitation programme of Dr. A.B. Patle



Felicitation programme of Ex. Major P. B. Ingle on his Superannuation



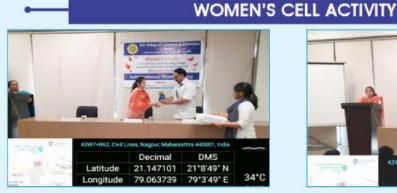
Felicitation programme of Dr. B.M.Chachane on his Superannuation



Students discussing with the teachers in Language Lab.

Sector OnePus Veneral

Written and viva voce examination of EPC course held on 21" April 2022



Principal Dr. N.Y. Khandait felicitating Ms. Amrita Mundra on the occasion of Women's Day programme.



Ms. Amrita Mundra, the chief guest of Women's Day programme addressing the audience.

JUNIOR COLLEGE ACTIVITIES



Nagpur City Mayor Shri Dayashankar Tiwari visited during the vaccination drive in Junior College.



Tree plantation programme organised by the junior college students on account of Independence Day.



Vaccination drive organised for the junior college students.



Tree plantation programme on Republic Day



CharulataMadankar, a student performing the 'odissi' dance on the of Odisha day.



The 'Odisha day' programme.



Students conducted online program on the occasion of 'Youth day'.



Dr. Pooja Dadhe addressing the audience on Celebration of Odisha Day

COMMERCE STUDY CIRCLE ACTIVITIES



Orientation of Value Addition Programmes



Shri. Nilesh Sathe expressing his thoughts on Union Budget 2022



Live Screening of Union Budget 2022



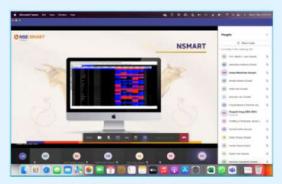
Commerce Crossword Competition



Commerce Crossword Competition



Orientation on TRADE-A-THON organised by National Stock Exchange



Orientation on NSMART Portal organised by National Stock Exchange



Winners of Inter-Collegiate Quiz Competition at Sindhu Mahavidyalaya

LIBRARY ACTIVITIES



Dr. Shivani Balkundi Inaugurating Book Exhibition on World Book Day.



Book Exhibition on occasion of World Book Day



Rangnathan Jayanti celebration.



Principal Dr. N.Y. Khandait felicitating Dr. Shivani Balkundi at Book Exhibition



Book Exhibition for Students preparing for Competitive Examinations



Book Exhibition on occasion of Marathi Bhasha Gaurav Diwas



Mrs Tasneem Akolawala delivering online lecture on the topic "Art of effective communication skill".



Mrs. Shikha Thutheja, Founder of Studio Uniform, delivering online lecture on "My Journey of an Entrepreneur".

N.S.S. ACTIVITIES



Special Vaccination Drive by NSS in College



Inauguration of Annual NSS Camp by the hands of IQAC coordinator Dr. Ranjana Sahu



Swachhta Abhiyan during camp



Dr. A. B. Patle distributing masks to Kachragadiwala



A student presenting her views on Women's Day



Shri BalluBehra addressing NSS Students on Organ Donation.



Vaccination Awareness Rally



Dr. Neeta Dhann adhikari, Ex-faculty of G.S. addressing the Students at Camp

LITERARY STUDY CIRCLE ACTIVITIES



Principal, Dr. N. Y. Khandait addressing the audience on the occasion of Marathi Bhasha Gaurav Divas.



Students singing Marathi bhaavgeet on the occasion of Marathi bhasha Gaurav diwas

COMPUTER SKILLS BASIC



Students attending lectures on basic computer skills given by Prof. Preeti Rangari



Teachers and Students attending the program of Marathi Bhasha Gauray diwas.



Pranjali Khairkar speaking on the ocassion of Marathi Bhasha Gaurav Diwas



Release of Rashtradhan at the hands of Chairman, Shiksha Mandal, Shri Sanjay Bhargava & Principal, Dr. N.Y. Khandait



Covid-19 Vaccination Camp



Covid-19 Vaccination Camp

Annual Report BBA Department

राष्ट्रधन

It is an immense pleasure to present the annual report of BBA department for the year

The year that has gone by posed many challenges to all the stakeholders associated

with teaching fraternity. In spite of continued lockdown, the department has strived hard to keep the students abreast with all the developments in the field of Commerce and Management through various online teaching and extracurricular activities. The admission process was successfully carried out and all full 120 seats were

admitted for the academic session 2021-22. The main activities of the department are bifurcated into two types. Routine activities

and special Activities. Routine Activities of BBA department

С

Due to Covid-19 pandemic all the routine activities were conducted in an online mode through various platforms like Google meet, Google classroom, Google forms, Zoom app, E-mail, WhatsApp etc. The activities included conducting regular classes. assigning work on the topics in the form of Case Studies, PPTs, concepts' clarity sessions, difficulty solving sessions, Research Projects, unit tests, open discussion sessions, sessional exams and other revision modules. All these activities of the department have been carried out on regular basis. The college successfully organized the vaccination drive for above 18 students at orange city hospital. In BBA 2nd year and 3rd year 100% fully vaccinated students are there and college also organized below 18 students vaccination drive at college premises our BBA 1* year students got the benefits of the drive who were below 18, now there is no student left with no dose category. The college restarted offline classes enthusiastically with full capacity from 3rd February 2022. We successfully conducted Offline Unit Test 1 and Unit Test 2 for all even Semesters of BBA Department and successfully conducted Preliminary Examinations for BBA 6th Sem and 4th Sem 2022. From February 2022 onwards we are happily conducting our lectures, presentations, Seminars and Research work in offline mode in respective allotted classes.

Special Activities of BBA Department

BBA students strived on inculcating theoretical as well as managerial skills through the prescribed autonomy syllabus. The department endeavored in providing several opportunities in the form of webinars and guest lectures to sharpen these skills and bring out the best in the students.

- "Deeksharambh" -a students' induction program was organized on 24" October 2021 through online platform (Zoom cloud meeting) for BBA I year students to introduce students to college and its activities.
- BBA students strived on inculcating theoretical as well as managerial skills through the prescribed autonomy syllabus. The department endeavored in

conducting an offline and Online session by our honorable Chairman Shri Sanjay Bhargav Sir on 31st December 2021 on "World and Indian Economy since 1950" to sharpen the skills and bring out the best in the students. The online mode was conducted by using Zoom meeting https://zoom.us/j/92722643425?pwd+RG1XZkI4MnplMmpwWWcvdnl3d3 g0dz09.

राष्ट्रधन

- BBA students strived on inculcating theoretical as well as managerial skills through the prescribed autonomy syllabus. The department endeavored in conducting an online session by our honorable Chairman Shri Sanjay Bhargav Sir on 11th January 2022 "An interactive session" to sharpen the skills and bring out the best in the students. The online mode was conducted by using Zoom meeting https://zoom.us/j/94133412259?pwd=bIVVU2RwbUsxZEtqNEU 0b11IMmIJUT09.
- Department organanized a Guest Lecture for BBA Final Year Students on "Employability Skills" on 21st February 2022. Mr. Mukund Patrikar Founder and CEO of Samvid International Pvt. Ltd was the eminent Resource Person.

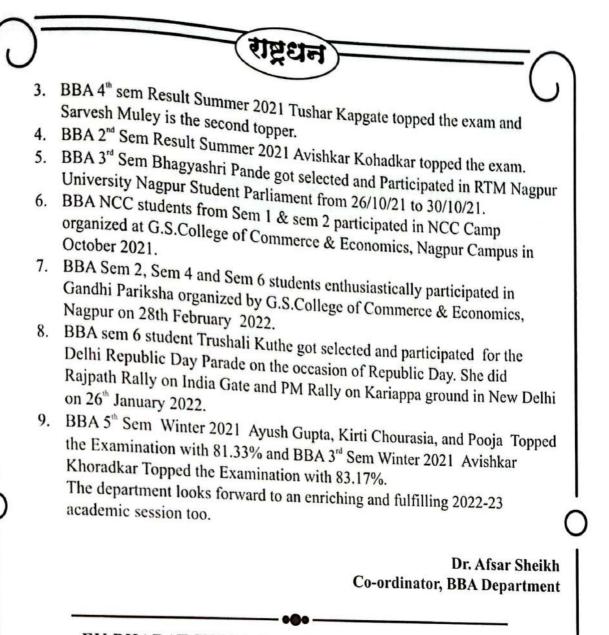
Participation of Students

Many students of the department actively participated in Poem and Essay Competition on the occasion of Hindi Diwas that was held from 14th September 2021. Many Students Participated in Speech Competition on the occasion of Gandhi Jayanti and Shashtriji Jayanti which was held on 5th October 2021. UMANG, Sports and Cultural Event 2022 was organized from 7/4/22 to 13/4/22 where BBA 6th Sem and 4th Sem Students participated enthusiastically in Sports and Dancing and Singing Competition and secured 1st and Second Position too. COMNEXT 2022 was organized 19/4/22 to 20/4/22 where BBA 6th Sem Students and BBA 4rd Sem Students participated in Mega Academic Events like Quiz Competition, Debate Competition, and Company Analysis etc.

Achievement of Students

A matter of honor to the college.

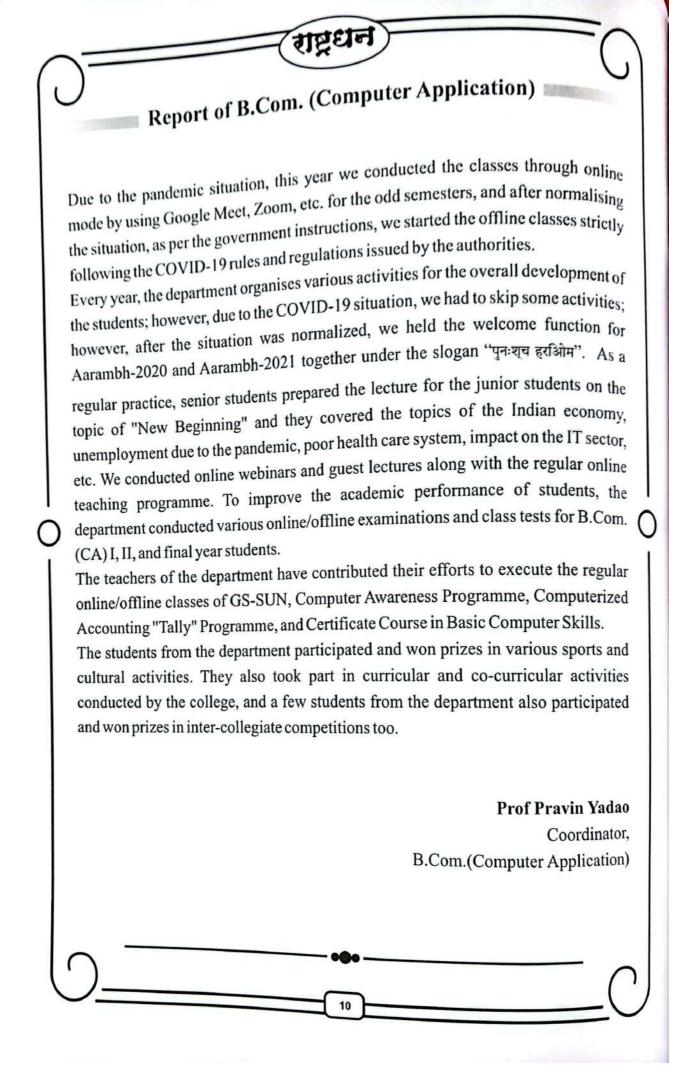
- On the occasion of Hindi Diwas G.S. College of Commerce & Economics, Nagpur had organized the Poem Competition and Essay Competition on 14th September 2021 where BBA Students participated enthusiastically. We are really proud that Anushka Tiwari(BBA 3rd Sem)- WON FIRST PRIZE and Bhagyashree Pande (BBA 3rd Sem)- WON SECOND PRIZE.
- On the occasion of Gandhi Jayanti and Shastri ji jayanti G.S. College of Commerce & Economics, Nagpur had organized Speech Competition on 5th October 2021 where Bhagyashree Pande (BBA 3rd Sem) won the third Prize.

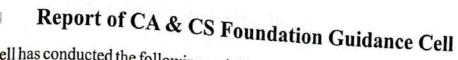


EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT CLUB REPORT

Our college has formed the Ek Bharat Shreshtha Bharat(EBSB) Club as per the guidelines of RUSA. The EBSB club has conducted various activities for the benefit of its members inclusive of EBSB Days, Poster Display, Participation in Various Quiz competition, Celebration of National Youth Day, Odisha Day etc. Few activities were carried out on Zoom platform in view of COVID-19 protocol. Our thanks are due to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and also Dr. Pooja Dadhe, Chief Guest of Odisha Day programme.

Dr. D.V. Chavan Co-ordinator, EBSB Club Dr. P.M. Paradkar Nodal Officer, EBSB





राष्ट्रधन

The Cell has conducted the following activities during the year:

- 1. Career Awareness Program' by (ICSI)
- CIMA FinQuest Business Game Challenge. 2.

'Career Awareness Program'

The Institute of Company Secretaries of India (ICSI) in association with our college has conducted an online Webinar on 'Career Awareness Program' on 6th October 2021 around 350 students from all the departments have participated.

The Chief speaker of the program CS Savita Tilante Madam provided detailed information regarding CS as a career option followed by question answer session. Dr. Madhuri Purohit concluded the session by proposing a vote of thank.

CIMA Fin Quest Business Game Challenge

Our students has participated in CIMA FinQuest Business Game Challenge conducted by CIMA and DRAVYA, the finance learning center of NarseeMonjee Institute of Management Studies- NMIMS (Indore). The focus of the competition was that how a student can apply his business skills in real-life situations.

The details of the CIMA FinQuest Business Game Challenge is as under: Date of 1stround : 16th October 2021

Following students have participated in qualification round from our college:

- 1. Shubham Gwalbanshi (E1) & Satyajeet Ganvir (E2)
- 2. Atharva Deshpande & Kimaya Shende
- 4. Jennifer Pillay & Aarya Bhagwat 6. Vaishnavi Fulkar&AaryanSurampalli
- 3. Saurav Sharma & Rohit Singh
- 5. Ishika Dubey & Aditi Verma
- 7. Shweta Shinde & Pranitikothe

8. Alina Sani & Vidisha Singh

Following students qualified for 1st round:

1. Atharva Deshpande & Kimaya Shende2. Ishika Dubey & Aditi Verma Total teams participated from all over India: 255

Teams qualified for 1stround : 50 (Two teams from our college)

Atharva Deshpande & Kimaya Shende qualified for 2nd round, and were to participate in the competition but due to ill health of Atharv Deshpande they didn't participate in the same.

11

Dr. M. V. Purohit Co-ordinator CA/CS Guidance Cell

Annual Report of Career Guidance and Placement Cell

राष्ट्रधन

Objectives of Placement Cell: 1.

- To offer various placement opportunities to the students by inviting different a. placement companies of repute.
- To impart the guidance on overall grooming and various career options to students. b.

Details of Activities Conducted: 2.

- 1. Conducted class-wise counseling to final year students for campus placement Drives on Zoom Platform.
- 2. The Placement Cell has helped the students in preparing the Resume by providing guidance on Resume Building.

Sr. No	Date	Module	Resource Person	Training Hours	No. of Students
1	16.01.22	Inhouse Apptitude Test	Dr. Sonali Gadekar	2	present 105
2	21.02.22	"An Insight on Employability Skills"	Mr. Mukund Patrikar (Founder & CEO, Samvid International Pvt. Ltd., Nagpur	1.5	120

Details of Employability Enhancement & Students Development Activity : 3.

4. Details of Placement Drives & Digital Recruitment Drives :

Sr. No	Date of Campus	Name of the Company	Package (In lacs)	No. of Students Interviewed	No. of Students
	Drive				Selected
1	02.03.22	Neeyamo Ltd. Mihan	1.60	43	17
2	9.03.22	Barro 1	and the second second		1 1
		Ram Coolers, Nagpur	1.20	45	06
3	06.01.22	TCS, Mihan Nagpur	1.2-1.5	A second s	00
				85 Cleared	02
				NQT Exam	Others are in
4	12.01.22	Axis Bank	1.		process
5	16.02.22		1.5	65 online data	In Process
		Bajaj Allianze Ltd.	1.3-1.6		
5	28.04.22	Technook company		41	In Process
			1.8	60	28
Total Students Selected in 2021-2022					
	53				

5. Plans for the session 2022-2023:

- a. To Invite more number of Multinational, National and Local Companies.
- b. To enhance the number of student's placement affected by Lockdown.
- c. To organize the more no. of grooming & training session for the students.
- d. To motivate students to improve their verbal communication skills.

I express my sincere thanks and gratitude to Principal Dr. N. Y. Khandait for his support, guidance and motivation. I am grateful to the members of my Committee Prof. Aakash Jain, Prof. Madhuri Purohit and Prof. Preeti Rangari for extending their support and cooperation.

> Dr. Sonali Gadekar Convener Career Guidance and Placement Cell

Report of Certificate Course in Basic Computer Skills

In the session 2021-22, we got a good response from the students and total 24 students were enrolled in the course. Basic knowledge of computers is very essential for every student in the present scenario. A certificate course in Basic Skills of Computers is conducted every year in collaboration with the department of information technology of the college. The objective is to acquaint the students of Hindi and Marathi sections with the basic knowledge of computers and on passing the examination a certificate issued to them.

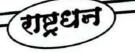
From last five years, we run this course under Rashtrasant Tukadoji Maharaj, Nagpur University's "Jivan Shikshan Abhiyan" and students will get the certificates from the University.

I express my thanks to Principal, Dr. N.Y. Khandait, The Director, Department of Lifelong Learning and Extension, Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur and Prof. Pravin Yadao, HOD IT & and all the members of IT department for extending co-operation to this noble cause.

13

Prof. Sushama Gawande

Convener



Junior College Annual Report

Although this global pandemic has created social and physical limitations, the college has taken a big leap to cross the barrier and facilitate learning. College has made a sincere effort

to integrate technology for teaching and learning.

The online admission process of Std. XI began after the declaration of SSC results. The process of admission was undertaken by the admission committee formed by the college. Total 605 students enrolled in Junior College. However, the classes of the college were

In view of Covid-19 situation, physical conduction of activities was restricted. However,

few committees could work on Online/Offline mode.

Report on activities of various committees is as under: Lecture Series and Debate Competition, Cultural and Extra Curricular

Foreign Language Olympiad Association: Last year 4 students cleared Level-1 of German Language Exam. Mast. Chandrashekhar Gulhane secured 1st position at District Level. Mast. Rutik Rawani of Std. XII registered for Level -2 of German Language Exam

which is to be held on 8th May, 2022.

N.S.S. Committee: 2.

Tree plantation, cleanliness drive and poster competition were conducted.

Students created awareness among people regarding Covid-19 and vaccination.

Masks and sanitizers were distributed to needy people.

Vaccination drive was conducted in the month of January and February for students of age group 15-18 years. Maximum students took benefit of this drive and they were provided tea and biscuits after vaccination.

CA-CPT Foundation Guidance Cell: 3.

- Two batches of CA Foundation are going on.
- Result of the last batch was 55%.

4. Parent Teacher Meet:

Three parent teacher meetings were organised Online through Zoom Meetings on following dates that is 3rd October 2021, 30th December 2021 and 1st January 2022. During these meeting Parent Teachers Association was formed. Queries of parents were satisfactorily answered by Principal Dr. N.Y. Khandait, Vice - Principal Dr. B.K. Gattuwar and faculty members.

Sports and Games Committee: 5.

Ayush Kahate of Std. XIE1 was selected for state level Fencing Championship.

Prashant Rana of Std. XI E1 has won gold medal in shot put and silver medal in Javeline Throw in District level Championship.

Swati Wankhede of XI E2 was selected in Under 17 National Basket Ball Championship.

14

Dr. Bhavana Gattuwar

(Vice - Principal)

Report of GS- COMNEXT

राष्ट्रधन

It give me immense pleasure to present the report of GS-COMNEXT 2021-22, a twoday inter-college mega academic event conducted on April 19 & 20.Like every, this year too we received overwhelming response from students of commerce and management of Nagpur District. Our Intercollegiate rounds for Debate, Quiz, Commerce Model, Seminar, Company Analysis and Commerce Model and charts also saw tremendous response from self-driven and enthusiastic students, despite cultural events before and examination just after GS-COMNEXT.

Inaugural:

The event was inaugurated on 19th April 2022 at the hands of its alumnus and renowned entrepreneur CA Shri Julfesh Shah, Chairman (COSIA), in the presence of Chairman, Shri Sanjay Bhargava, Principal Dr. N. Y. Khandait, IQAC Coordinator Dr.Ranjana Sahu and Convener of the event Prof.Preeti Rangari. Shri Julfesh Shah recalled the fond memories of his alma mater i. e. G. S. College, when he was a student here in the 1989s. He expressed a deep sense of gratitude to his teachers who provided him a strong foundation of academics. He advised the students, to have a firm desire and will to succeed, courage to fight the odds, honesty and ethicality to be successful in life. Principal Dr. N. Y. Khandait motivated the students for participation in various events.

G. S. Success Stories (Young Turk): G.S. Success Story a chat show with three of college's successful alumni Shri Rishi Gupta, Shri Rishabh Gupta, Partner Rekha Steel Tubes and CA Lucky Chhbbda, Chhabda & Associates, Nagpur was conducted. The event unfolded the successful lives of these three dynamic alumni who shared their success mantras with students. They both urged the students to prepare themselves for life by being optimistic, diligent, strong-willed and remaining aware of the current happenings. The program was ably hosted by college's students Mr.Parth Kachwaha and Ms. Surbhi Singh.

Company Analysis: Every year we focus on the most topical and current trends in commerce and industry. This year the companies to be analyzed for competition were on Unicorn Start-ups like Byju, Ola cabs, Nykaa, Cred, Bharat Pe etc.9 Teams had registered and the competition was judged by CA Shri Avigat Ganeriwala, Managing Partner, Ganeriwala and Co. and CA Gauri Deshpande, Ghate Deshpande & Co., Nagpur. The team from Tirpude College won the first prize. Prof.Sakshee Alhuwalia and her team worked hard to make this event successful.

Commerce Model Competition: It was inaugurated at the hands of Shri Julfesh Shah. 19 teams including 4 entries from other colleges participated in this competition. All the students presented well and proficiently answered questions put up by eminent judges and our alumni Shri Rishi Gupta, Rishabh Gupta and CA Shri Lucky Chhabda making the competition really tough. Out of all the participants Nandini Khatri and Neha Sheety (BBA I) from Kamla Nehru mahavidyalaya, Nagpur was awarded first prize for his model on Traditional and Digital Marketing. Dr. M.V. Purohit, Dr. Nusrat Hirani and her team efficiently

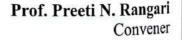
राष्ट्रधन

conducted this competition. **Commerce Quiz Competition:** Total 9 teams participated in commerce quiz competition and 5 teams were selected for the final rounds for this competition. G. S. College of Commerce and Economics, Nagpur won the first prize. Prof. A. S. S. College of Commerce and Economics, Nagpur with the quiz masters successfully Jain,Prof. Piyusha Telang and his team together with the quiz masters successfully ronducted the quiz. Prize distribution was done at the hands of Convener Prof.Preeti N.Rangari.

Seminar (Paper Presentation Competition): This year, the GS- COMNEXT Sem the addition of a new event "Erudition" a student seminar on the theme "Cryptocurrency". Total 6 teams expressed their views in the presence of eminent judges CA Saurabh Kasturiwale and CA Anurag Bavaria. Ambedkar College won the first prize. Prof.Shunak Masade and her team worked efficiently for the success of the event.

Debate Competition: The topic for debate was "Work from Home is More Productive than Work from Office". Total 12 t e a m s expressed their views in the presence of eminent judges Dr. Manju Dubey and Dr.Rakhi Raut. Hislop College won the first prize. Dr. Afsar Sheikh and her team worked efficiently for the success of the event.

A team led by Dr N. Y Khandait, Principal of the college, IQAC coordinator Dr.Ranjana Sahu and Prof.Preeti Rangari, Convener together with the event organizers Prof.Pravin Yadao,Prof. R. Tiwari, Dr. N. Z. Hirani, Prof.Haresh Naringe, Prof. M.V. Purohit, Prof. A. S. Jain, Dr. Afsar Sheikh,Dr.Pragati Pande,Prof.Sakshee Alhuwalia,Prof.Shuank Masade,Prof.Piyusha Telang and Dr. Dharmadhikari made this event successful. Attractive cash prizes are given to the top three teams in each event to motivate the students. This year around 40 teams from various colleges participated in the various competitions during the event. All the participants are given certificates.



राष्ट्रधन

GS-SUN Report

GS-SUN (GS-Skill Upgradation Network) for internship is a pre- job skill upgradation program started in the year 2013. It aims at equipping students with functional and technical skills that are required to excel in the job market as well as the professional world. Our eminent alumnus CA Jaydeep Shah, former president ICAI is the Chairman of GS-SUN. This year we got overwhelming response from the students and total 62 students were enrolled in the programme.

In this program, the college conducts a six months pre- internship grooming session for the enrolled students. Communication skills and ICT training inter alia are provided during this period. Thereafter, the students undergo internship at the offices of various Chartered Accountant firms who are integral part of the GS-SUN network. The internship is spread over a period of 9 - 12 months and interns are paid stipend by the CA firms. Thus, students can earn while they learn.

The internship programme of batch 2020-21 is on training with network of CA firms and 2019-20 is in the process.

This year the college has conducted the programme of Certificate distribution and felicitation of our GS-SUN network CA's. Total 65 students have got their caution money and certificates of successfully completion of GS-SUN programme.

I express my sincere thanks to Chairman Shri.Sanjay Bhargava Sir, Principal, Dr. N.Y. Khandait Sir, Prof. Pravin Yadao Sir, HOD IT & and all the members of IT department for extending co-operation to this course.

> Prof. Preeti Rangari Convenor

Report of Certificate Course in GST

It gives me immense pleasure to present the annual report of Certificate Course in GST for the academic year 2021-2022.

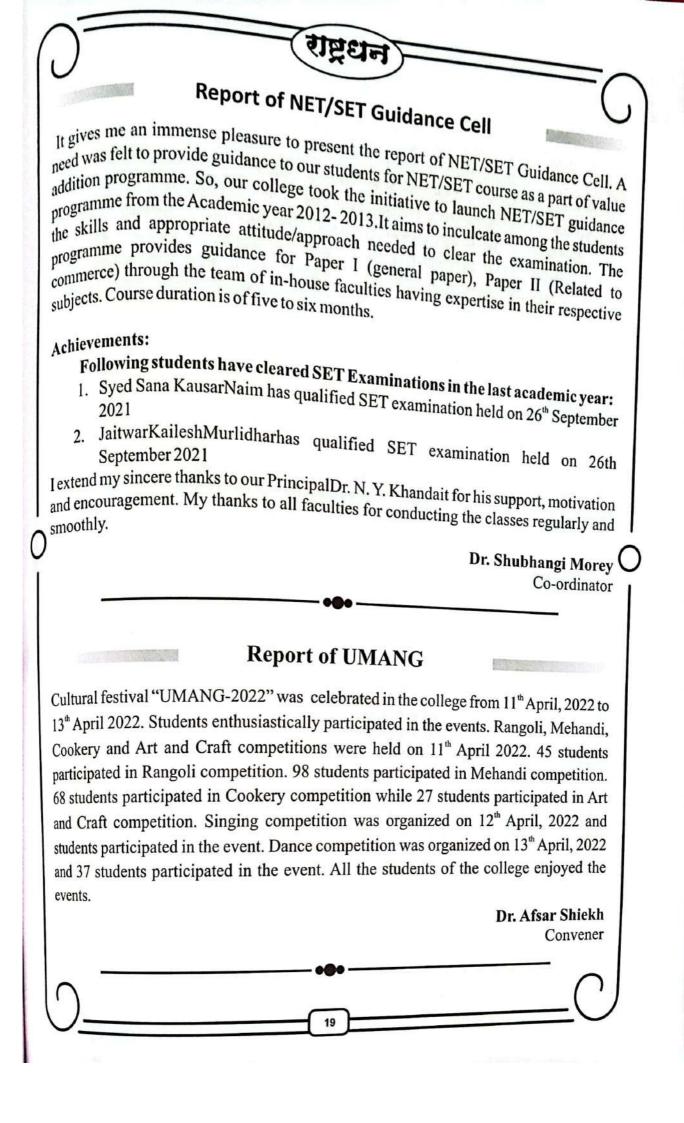
As per the letter received from Government of Maharashtra, Rashtriya Uchatar Shiksha Abhiyan (RUSA) and with the inspiration and motivation of Princiapl Dr. N. Y. Khandait, we have started Certificate Course of GST for the final year students of our college. The objective was to bridge the gap between the demand and supply of the skilled manpower to handle routine compliance work under GST.

The certificate course was offered as per model curriculum provided by the Government of Maharashtra, Rashtriya Uchatar Shiksha Abhiyan (RUSA). The curriculum required 100 hours (53 hours of theory and 47 hours of practical) to complete it. All theory classes were conducted by the teachers of our college where as practical classes conducted by Shri Vaibhav Shukla, Tax Consultant.

The college received 39 applications from the students for enrollment, but due to time constraint was only 21 students finally enrolled and paid fees. The exam of the course conducted on 22.04.2022 and 23.04.2022 for theory and practical respectively. In examination 19 students appeared and successfully cleared the exam.

Being coordinator of the course, I express my special thanks to Principal Dr. N. Y. Khandait for his valuable guidance and timely support and also thank the staff members Dr. M. R. Pandey, Dr. M. V. Purohit, Prof. A. S. Jain, Dr. Afsar Sheikh for their co-operation and support.

Dr. Vishal N. Thangan Co-ordinator





पालक-शिक्षक सभा एवं फीडबॅक समिति की रिपोर्ट

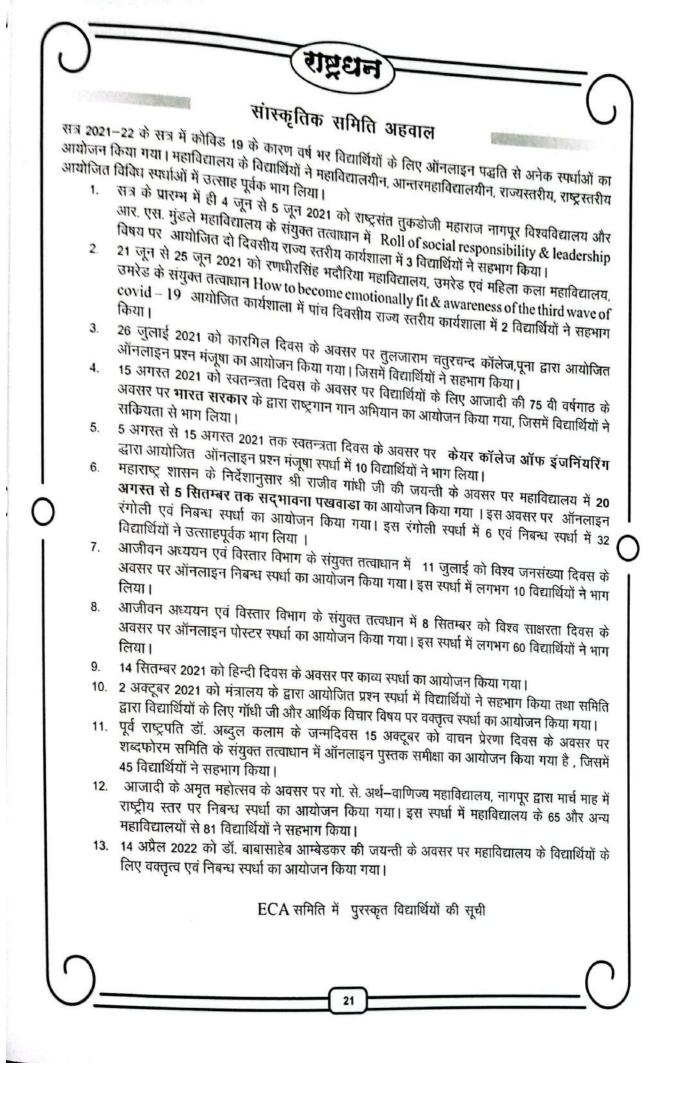
इस वर्ष समिति द्वारा शिक्षा मण्डल, वर्धा के सभापति श्री संजय जी भार्गव की अध्यक्षता में पालक शिक्षक सभा का आयोजन 24 अप्रैल 2022 रविवार को किया गया। महाविद्यालय के सभी विभागों से सभा में लगभग 325 पालकों ने सहभाग किया। स्वायत्त महाविद्यालय के विविध विभागों की विविध कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय, तुतीय, चतूर्थ सत्र में 80 प्रतिशत उपस्थिति से नियमित रहने वाले विद्यार्थियों के पालकों को आमंत्रित कर छात्रों के शैक्षणिक उन्नति एवं व्यक्तित्व विकास के बाधक तत्वों के विषय में विमर्ष किया गया। श्री भार्गव सर ने पालकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कम मूल्य आधारित नैतिक शिक्षा के साथ हमारा महाविद्यालय रोजगार आधारित शिक्षा देने का भी निरन्तर प्रयास करता है। हमारी संस्था का उददेश्य एक अच्छे विद्यार्थी के साथ ही सजग, आत्मनिर्भर और कर्तव्यनिश्ठ नागरिक का निर्माण भी करना है, जिसके लिए संस्था को पालकों के सहयोग और विश्वास की अपेक्षा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत ने नियमित विद्यार्थियों और उनके पालकों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की नियमितता से ही शिक्षकों के प्रयास सार्थक और सफल होते है। पालकों द्वारा विचारित प्रश्नों के सटीक उतर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उपस्थिति सम्बन्धी प्रश्न पर विचार करते हुए उन्होंनें बताया कि महाविद्यालय में संवाद कौशल, समूह चर्चा, कम्प्यूटर शिक्षा, लडकियों के लिए आत्मरक्षा अभियान, एवं उनके सुप्त गुणों को निखारने के लिए विविध प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। किन्तु इन सभी गतिविधियों में केवल नियमित एवं अनुशासित विद्यार्थी ही भाग ले सकते है। साथ ही प्राचार्य ने पालको को सम्बोधित करते हुए कहा कि इन नियमित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महाविद्यालय परिवार निरन्तर प्रयासरत बना हुआ है।

इस सभा के दौरान पालकों से प्रतिपुष्टि प्रश्नावली भी भरवाई गई । जिसमें पालकों ने ऑनलाइन पद्धति से शिक्षकों के प्रयासों व अध्यापन की प्रशंसा की ।सम्पूर्ण सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाइन पद्धति से विद्यार्थियों के साथ –साथ पालकों से भी निरन्तर संपर्क किया गया। पालकों की समस्याओं का प्राध्यापकों द्वारा समाधान किये जाने का पूर्ण प्रयास किया गया। अनेक पालकों ने महाविद्यालय आकर व्यक्तिगत रूप से भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण हेतु महाविद्यालय परिवार का अभिनन्दन किया। पूर्व सभाओं में दिये गये सुझावों के क्रियान्वयन एवं प्रश्नों के समाधान हेतू पालकों ने आभार व्यक्त किया।

इस समिति द्वारा महाविद्यालय की सुविधाओं, गतिविधियों एवं शैक्षणिक वातावरण का मूल्यांकन करने हेतु विभिन्न विभागों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि प्रश्नावली भरवाई गई । साथ ही समिति द्वारा महाविद्यालय के पूर्व छात्रों – एलूमनी से भी निरन्तर संपर्क कर फीडबेक फॉर्म भरवाने का कार्य किया गया। मै शिक्षा मण्डल,वर्धा के सभापति श्री संजय जी भार्गव, प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत , आई. क्यु. ए. सी. संयोजिका डॉ. रंजना साहु,, समस्त विभागों के समन्वयको, प्राध्यापकों, पालकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी श्री शिवचरण सातपुते की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से समिति का कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

20

डॉ. नेहा कल्याणी संयोजिका



-			र्धन)		a starter and
				College	PRIZE
		NAME OF	CLASS		First Prize
SR.	NAME OF	STUDENT	I SEM BCCA	DNC	1
NO	COMPETITION	Nazia kapadiya	1 SEM DO	COLLEGE Dada Ramchand	First Prize
1	Story Telling Competition Inter-Collegiate Quiz	Team 1:	Sem V El	Dada Rainchand Bakhru Sindhu Mahavidyalaya	
2	Competition	1) Atharva Deshpande			First Prize
		2) Kimaya Shende 3) Arya Bhagwat	B.COM F&A SEM 4	Dada Ramchand	First Flize
		3) Arya Bhagway Rutuj Datarkar	B.COM FOR SEL	Bakhru Sindhu	
3	Commerce model	Rutuj Data		Mahavidyalaya	P 1 1 1 1 2
2	17			h D ushand	First Prize
			B.COM F&A SEM 4	Dada Ramchand	
1	1	Ayush Bhonde	B.COM I der a	Bakhru Sindhu	
4	Commerce model			Mahavidyalaya	
					First prize
			B.COM EI SEM 4	Dada Ramchand	This pile
		Yash Bahuriya	B.COM ET SENT	Bakhru Sindhu	
5	Dance	Tash Data P		Mahavidyalaya	
				Dada Ramchand	First prize
			B.COM H SEM 4	Bakhru Sindhu	
	Ouiz	Rohan Kanojiya	Dies	Mahavidyalaya	
6	Quiz				
				Tirpude college	First prize
		Mondsa Moorthy,	11 SEM Honors	****	
7	Stretch -a-Brand				
2.1		Hrishta Mishra,			n
		Manmohan Dhobale		Ranjitsingh	First prize
	And the second second second second	Samiksha singh	Iv th sem Honors	badoriya, umred	
8	Elocution	Samusha surge		college	
9 0 0				a second s	Einst anima
			MBA	G.S. College,	First prize
-	National level essay	Vikki neware	MDA	Nagpur	
9	Ivational level could			G.S. College,	First prize
	Colore and	Pranshu Tiwari	F&A	Nagpur	1 I Marca
10	National level essay	1 Idiona Arrian		CONTRACT.	
			TI SEM Honors	Tirpude college	Second prize
11	Speed of thought	Radhika Nair	II SEM Honors		14 - 14 B B
11	(wordle)				Second prize
		Suyasha Vaidya	II SEM Honors	Tirpude college	Becond prize
12	Speed of thought	Suyasha valdya			
	(wordle)			LAD	2 nd prize
		Sakshi asole	B.COM E1 SEM 4	COLLEGE	(500/-)
13	ESSAY			COLLEGE	
			III OFM U	C.S.K BEED	Second prize
14	Handwriting	Roshni pandey	III SEM H		
4	Competition			L.A.D. Colllege	Second prize
16	Essay Competition	Sakshi Awale	Sem iv E1	L.A.D. Comege	the state of the
15	Essay competition		III OEM Hanara	DNC	Third Prize
16	Story Telling	Samiksha Singh	III SEM Honors	COLLEGE	and the same
	Competition	and a second second		DNC	Third Prize
7	Story Telling	Samiksha Singh	III SEM Honors	COLLEGE	124 24 24
1	Competition			C.S.K BEED	Third prize
8	Handwriting	Aaishwarya raut	III SEM H	C.S.K DEED	1.
	Competition				third prize
9	Poem (online)	Khushboo Nagpure	III SEM E1	C.S.K , BEED	und piles
9	r ocm (omme)		38	College	
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			DNC	Third Prize
0	Essay Competition	Tanishka Kakde	I SEM Honors	DNC	
				COLLEGE	Third
1	Singing	Adesh Pawar	B.COM E1 SEM 4	Dada Ramchand	This
~ j	- 1278 - 2470) 1			Bakhru Sindhu Mahavidyalaya	in an anna

22	National level essay	C.L			
		Sultana singh	M.COM	0.000	
23	Inter college Poem	Komal singh		G.S. College Nagpur	Third
	offline		III SEM EI		consolation
24		Team 2:			
	Inter-Collegiate Quiz Competition organized by	 Shivam Rohankar Sanskruti Gaidhane Surbhi Pathak 	Sem V E1	Dada Ramchand Bakhru Sindhu Mahavidyalaya	Fifth Prize
25	Photography	Rohit Sawarkar	II SEM Honors		
26	Photography	Yash Juneja		Tirpude college	Runner -up
27	Wordsmith (Wordle)		II SEM Honors	Tirpude college	Runner -up
		Nidhi Mahore	11 SEM Honors		
28	Wordsmith (Wordle)	Swakshi Sharma	II SEM Honors	inpact concge	Runner -up

समिति के कार्यों के सफलतापूर्वक निर्वाह के लिए मैं प्राचार्य डॉ. एन. वाय. खण्डाईत के मार्गदर्शन एवं उनकी प्रेरणा के लिए उनकी कृतज्ञ हूँ । साथ ही समिति के सभी सदस्यों एवं अपने सभी सहयोगी प्राध्यापकों की आभारी हूँ, जिनके सहयोग से मै अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वाह कर सकी।

> डॉ. नेहा कल्याणी संयोंजिका

Life Long Learning Committee Annual Report

Due to pandemic, last two years all the activities of educational institution were carried out on online mode. So is the case with the committee.

This year committee in college essay competition on two occasions.

- On 'World Population Day' on 11th July 2021 an essay competition was organized on the topic: 'India's Population is a Great Human Resource.' Some 12 students participated.
- 2. On 'International Literacy Day' on 8th September 2021 an essay competition was organized on the topic: 'For a strong India, Literacy is the need of the day.' Around 8 students participated.

I thank Principal Dr. Khandait sir for his encouragement and support in all of our endeavors. I thank Dr. Swati Kathley, Dr. Deoyani Chavan and Dr. Neha Kalyani for their efforts. I also thank the committee members for being with all the time.

23

Dr. Yashodeep H. Kedar Convenor

ſ)=	राष्ट्रधन COMMERCE STUDY CIRCLE COMMERCE LAB		
1	off ac Th fo: en	etails of the Activities Conducted: a Commerce Study Circle has organized various events in or- fline mode as students were not present in the Institution for most ademic year due to COVID-19 pandemic. a main aim of setting up a commerce lab is to facilitate students or making experiments of theories and economics laws. vironment, the lab has conducted following activities durin ssion 2021-2022:	an environment To create such	
	Sr. No.	Activity	No. of students participated/ benefitted 100	
1	1	Orientation Programme for Value Addition Courses		0
0	2	 Activities of Arthashastra- The Economics Society: a) Live Screening of Union Finance Budget 2022 in regular classes b) Analytical Session on Union Finance Budget 2022 for teaching and non-teaching faculties c) Commerce Crossword Competition 	150 50 58	
		Activities of Arbitrageurs – The Investor's Club: a) <u>Training Session on N -SMART Simulator</u> : Training Session on N - SMART Simulator is organized in collabo ration with National Stock Exchange (NSE) Academy for TRADE-A-THON – National Live Stock Trading Contest	65	
	3	 Name of Speaker: Mr. Deepak Garg, Deputy Manager, National Stock Exchange, Mumbai b) <u>TRADE-A-THON:</u>Members of investor 's club have participated in National Level Live Stock Trading Contest. 3 students have secure a position in top 100 contestants across India 	14	
	4	Activities of Triviatrix– The Quiz Club: a) Nation-Wide Financial Markets Quiz Contest: Students from various departments have participated in Nation-Wide Financial Markets Quiz Contest organised by National Institute of Securities Markets (NISM) in collaboration with Securities Exchange Board of India (SEBI).	200	
).	24	C	

)	राष्ट्रधन	—(
	 b) <u>Inter-Collegiate Quiz Competition:</u> Students have participated in Inter-Collegiate Quiz Competition organized by Sindhu Mahavidyalaya, Nagpur 1 team consisting of 3 students has won the first prize. 	6
5	Activities conducted for various Value Addition Courses: NISM:Students from various departments have enrolled for various modules of NISM such as Mutual Fund Distributors Certification, Equity Derivatives etc. TCS-BPS (F&A): Students from various departments have enrolled for TCS-BPS (F&A) Course Workshop on Capital Markets: AIPTCS, Nagpur has organized a online workshop on Capital Markets for B.Com. and BBA Students. Online Discussion Session with TCS Delivery Centre Head: The online discussion session was organized by TCS Nagpur for the discussion regarding leveragi ng TCS offerings and Capabilities in terms of talent in Nagpur region with Academia. TCS Delivery Centre Head, Mr. Arvind Kumar interacted with the teachers and trainers	9 40 100
5	across Nagpur Region. Innovative T/L Initiatives of Commerce Study Circle:	150

Prof. A. S. Jain Convener

Report of Vocational Department

This year, due to the COVID-19 situation as well as government and college direction, we conducted online and offline teaching from July 2021 on a regular basis.

we conducted online and online teaching from the 2021 on the game backing, Financial In the session 2020-2021, we have given the 100% result in Banking, Financial Services & Insurance (English & Hindi Medium) and Marketing & Retail Management (Marathi Medium). In 2021-2022, Department conducted on-line admissions as introduced by Government of Maharashtra.

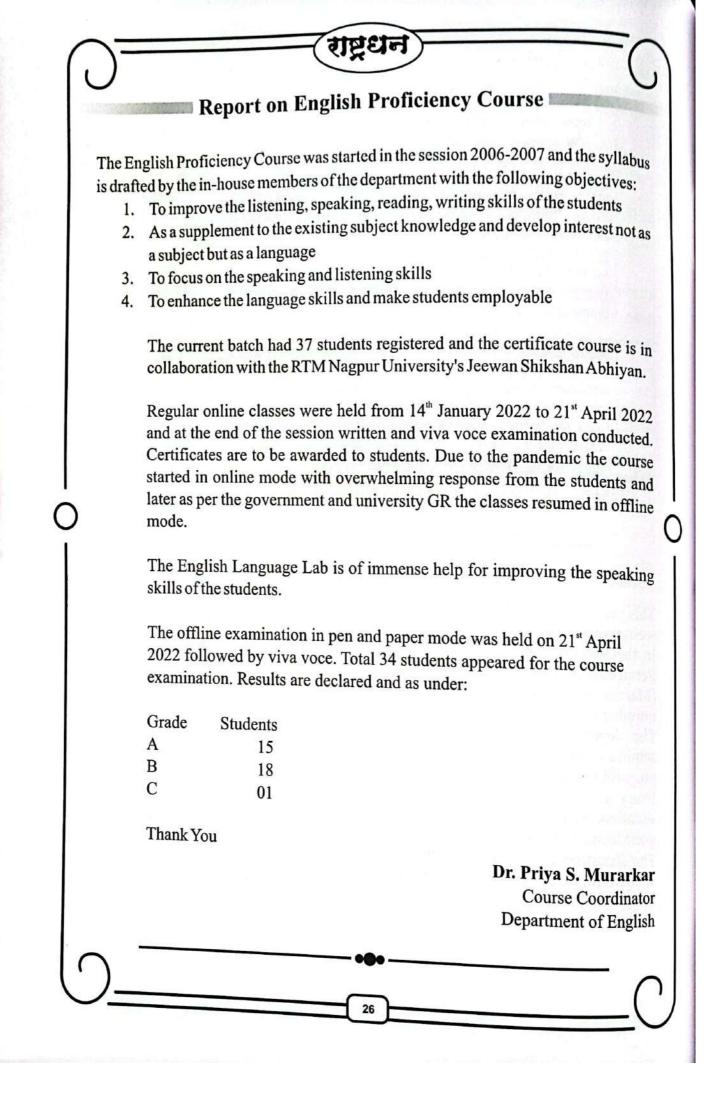
Introduced by Government of Manarashira. The department conducted various online and offline test examinations, online seminars and discussion sessions. The department also conducted the special test series

program for the 12th Std. students for betterment of results. Every year, we conducted various activities for the students but due to Covid-19 situation, we have not conducted our regular workshop "Kaushalya, Industrial visits,

The department also conducted the Scholar Test Series program for the 12th standard students for the improvement of results.

Shilpa Yadao





A Report of Entrepreneurship Development Cell

राष्ट्रधन

It gives me immense pleasure to present the report of the Entrepreneurship Development Cell for the academic session 2021-2022. This is the second year of this cell. The committee consists of the following members:

- 1. Dr. M. R. Pandey
- 2. Dr. Vishal Thangan
- 3. Dr. YashodeepKedar
- 4. Dr.AniruddhAkarte

Convenor Member Member Member

Various online programs were held by the committee during the academic year 2021-2022 for the students of B.Com. (Grant and No-Grant), B.B.A., B.C.C.A., M.B.A. and M.Com.

The following activities were undertaken:

- 1. Registered all the interested students of final years.
- 2. Organized an Introductory lecture on entrepreneurship for interested students.
- 3. A workshop was organized by the E D Cell on "How to start the Business and Various Schemes of Government in collaboration withMCED. The project officer (Shri Shrikant Kulkarni shared the information.
- 4. The cell has organized Webinar is conducted by ED Cell with the help of Viridian Accelerator Centre on "Business Idea Generation" for this the Resource person wasShri Surya Kant. From Viridian Accelerator Centre.
- 5. The Cell has also motivated the students to go for professional services. And 10 students have successfully completed their GST Certificate Course which is conducted by GS college Nagpur.
- 6. Two of our students have started their own business. They got the franchisees from IYDA Payments Private Limited. And Winzera Private Limited.

The cell gives special thanks to its Principal Dr. N.Y. Khandait for his valuable guidance and support and also thanks all the staff members and co-coordinators for their kind cooperation.

27

Dr. M. R. Pandey Convener

STUDENT INDUCTION PROGRAMME

राष्ट्रधन

Details of the Activities Conducted:

Committee has organized Student Induction Programme – Deeksharambh for the session 2021-2022 on 17th, 24th and 25th of October 2021 for the students of UG Courses [B.Com., BBA, BCCA, B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accountancy)] and on 25thOctober 2021 for the students of PG Course (M.Com.) through video conferencing using Zoom Meetings.

Over 600 students of first semesters of all UG and PG Programs participated in the SIP with lot of enthusiasm.

Prof. A. S. Jain Convener

Report of Computerised Accounting (Tally Prime)

I am happy to present the report of Computerised Accounting certified course (Tally Prime) for the academic session 2021-22.

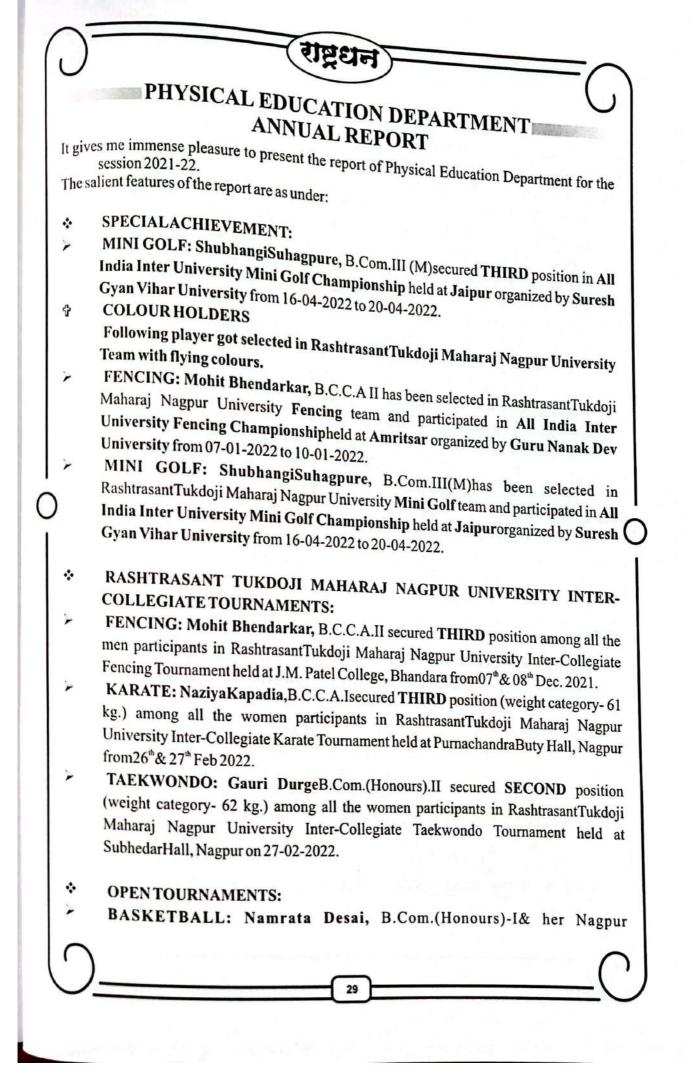
This course is run under the Tally education private Limited, Bangalore, from 2013. But from 2017 our college duly signed the MOU with the company.

Classes for computerised accounting Tally was started on Date 04-April-2022 and continue. With overall response we admitted 35 students for this course.

This year we taught new advanced concept of Tally Prime in the course. The course will be finished soon and at the end the course, online examination will be conducted and certificates will be distributed by the Tally Education private Limited, Bangalore.

28

Haresh W. Naringe Convenor



teamsecuredFIRSTposition in(Under 18)Maharashtra State Inter-District Junior Basketball Championship held at Aurangabad from 12-12-2021 to 16-12-2021. She was selected as the captain of Nagpur Basketball Team.

राष्ट्रधन

INTERNATIONAL YOGA DAY: The Seventh International Yoga Day was observed on 21" June 2021 with restricted staff members due to COVID-19 pandemic. On this ٠ > occasion, College Director, Department of Physical Education Prof. Ashutosh Tiwari explained the importance of Yog and demonstrated various Asanas. All the staff members followed and performed the same. Total 25 staff members were allowed to

- present considering the pandemic restrictions. NATIONAL SPORTS DAY: Department celebrated National Sports Day on 29th
- August 2021. Due to COVID-19 pandemic, "Online Live Inter-Class Sports Quiz > Competition" was conducted for the students. Sports quiz was designed on General Sports Quiz Knowledge. Students joined the quiz through "Zoom Meeting" and played the quiz through "Mentimeter Application". Default (In-built) Points system of Mentimeter application was taken to calculate the points of quiz winners. In this default points system, the players who register the answers in lesser time would get maximum points. Total 135 students took part and participated in the quiz through online mode.

The winners were:

- 1. GaganPolampalli B.Com.Sem-V-E1
- 2. Kunal Dube B.Com.Sem-V-E2
- 3. Suman Saini B.Com.Sem-V-E2
- 4. Harshit Kolhe B.Com.Sem.-IV-M
- 5. Manish Shukla B.Com.Sem-III-H
- INTER-CLASS COMPETITIONS: Inter-class competitions were conducted by the 2 Department. Total 958 students participated in all the competitions.

Following is the Gamewise list of winners and runners :

Games	Winners	Runner-up	Second Runner-up
Carrom (Mix)	B.Com.II(E1)	B.B.A.I	M.Com.II(M)
Chess (Mix)	B.Com.III(E1)	B.B.A.II	B.Com.II(E1)
Cricket (Girls)	B.Com.II(F&A)	B.Com.II(Hon.)	B.Com.III(E1)
Cricket (Boys)	B.Com.III(E2)	M.Com.I(E)	B.C.C.A.I
Volleyball (Boys)	B.Com.III(E1)	B.Com.I(E2)	B.C.C.A.III
Tug-of-war (Girls)	B.Com.I(F&A)	B.Com.II(F&A)	M.Com.I(M)
Tug-of-war (Boys)	B.Com.III(E1)	B.Com.I(Hon.)	B.B.A.III
	Chess (Mix) Cricket (Girls) Cricket (Boys) /olleyball (Boys) Fug-of-war (Girls)	Chess (Mix)B.Com.III(E1)Cricket (Girls)B.Com.III(F&A)Cricket (Boys)B.Com.III(E2)/olleyball (Boys)B.Com.III(E1)Fug-of-war (Girls)B.Com.I(F&A)	Chess (Mix)B.Com.III(E1)B.B.A.IICricket (Girls)B.Com.II(F&A)B.Com.II(Hon.)Cricket (Boys)B.Com.III(E2)M.Com.II(Hon.)Cricket (Boys)B.Com.III(E1)B.Com.II(E2)Jolleyball (Boys)B.Com.III(E1)B.Com.II(E2)Fug-of-war (Girls)B.Com.I(F&A)B.Com.II(F&A)

REPORT OF COMPETITIVE EXAMINATION CELL

राष्ट्रधन

The college has constituted a Competitive Examination Cell as per the guidelines received from time to time. The cell is dedicated for conducting various activities for grooming students for various Competitive Examinations Viz. MPSC, UPSC Staff Selection Commission, Banking, Insurance, Railways etc. Accordingly, the cell conducted special classes for students interested in preparations for above mentioned exams. During this session total 19 students enrolled for this course. The online lectures, practice sessions, tests were conducted on Quantitative Aptitude, Reasoning, General Studies and English. The guidance was provided by enriching their knowledge, making them aware of various advertisements related to exams, online- study material resources, e-resources, important websites and their useful links, apps etc. The library issued latest books on various competitive examinations.

> Dr. P.M. Paradkar Course Co-ordinator

LIBRARY REPORT (LEARNING RESOURCE CENTRE)

"There is no friend as loyal as a book." - Ernest Hemingway

ANNUAL REPORT

During the Academic session 2021-22, the library committee took many important decisions regarding the purchase of books, magazines, allocation of funds to the various heads, library services, extension activities/facilities etc. The library promoted various e-resources by providing links on the college website and also provided physical library facilities by strictly following COVID 19 safety norms.

We thank Dr. N.Y. Khandait, Principal for constant support to various activities and all the members of the library committee and entire library staff who actively participated in different activities of library. Special thanks to NCC/NSS volunteers, Shabd members for their active participation in library activities.

31

Dr.P.M.Paradkar

Librarian

गांधी विचार संस्कार परीक्षा

राष्ट्रधन

दि.28 फेब्रुवारी 2022 रोजी ऑनलाईन पद्धतीने गांधी रिसर्च फाउंडेशन, जळगावच्या संयुक्त विद्यमाने विद्यार्थी, शिक्षक आणि शिक्षकेत्तर कर्मचा—यांसाठी गांधी विचार संस्कार परीक्षेचे आयोजन करण्यात आले.सत्य, अहिंसा आणि शांतीचे पुजारी गांधीजींच्या जीवन मूल्यांचा प्रसार करण्यासाठी आणि भावी पीढीमध्ये मानवीय मूल्य आणि नैतिकतेचा प्रसार करण्याच्या उद्देशाने कनिष्ठ व वरीष्ठ महाविद्यालयात हया परीक्षेचे आयोजन करण्यात आले. 228 विद्यार्थी आणि 8 शिक्षक सहभागी झाले. विद्यार्थी आणि प्राध्यापकांना प्रमाणपत्र देण्यात आले.

डॉ. देवयानी चव्हाण संयोजिका

डॉ. देवयानी चव्हाण

संयोजिका

भाषा अभ्यास मंडळ आणि 'शब्द फोरम' अहवाल

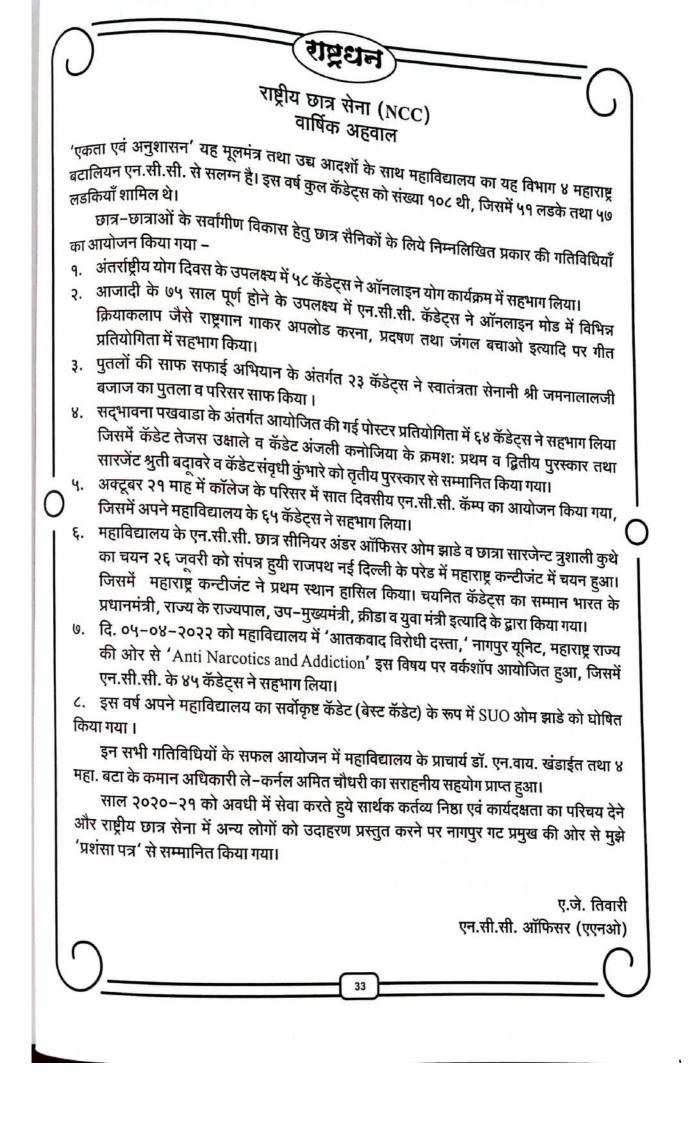
विद्यार्थ्याचा सर्वांगीण विकास व्हावा, नैतिक मूल्य विद्यार्थ्यामध्ये रूजावीत, साहित्याबद्दलची अभिरूची वाढीस लागावी आणि स्पर्धात्मक परीक्षेसाठी विद्यार्थ्यांना विविध प्रकारची पुस्तके उपलब्ध करून देणे आणि मार्गदर्शन करणे या उद्देशाने २०२१–२२ या सत्रात खालील कार्यक्रम घेण्यात आले.

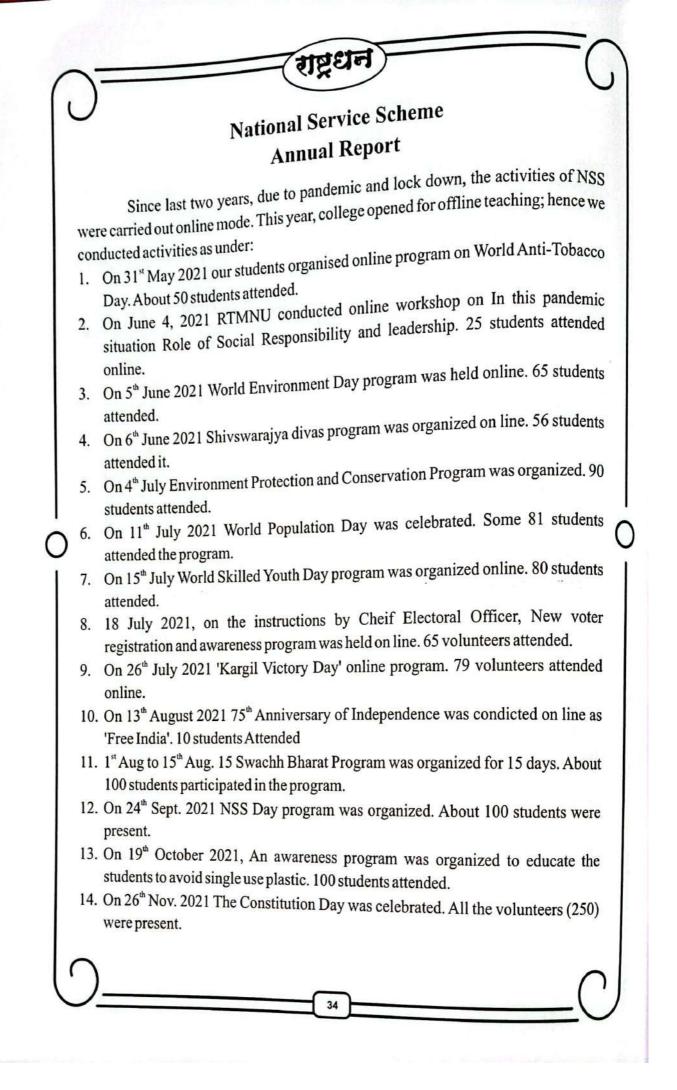
शब्द फोरम अंतर्गत ३३० विद्यार्थ्यांनी सभासदत्व स्वीकारले आणि ३५०० पुस्तकांचे विद्यार्थ्यांनी वाचन केले.

- ९ जून २०२१ रोजी राष्ट्रीय वाचन दिवसाच्या निमित्ताने पुस्तक समीक्षा स्पर्धा आयोजित करण्यात आली. त्यात १२ विद्यार्थी सहभागी झाले.
- हिंदी दिवसाचे औचित्य साधून १४ सप्टेंबर २०२१ ला ऑनलाइन काव्य स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. त्यात १२ विद्यार्थी सहभागी झाले.
- ३. १५ आक्टोबर २०२१ ला भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम यांच्या जन्मदिवसाचे औचित्य साधून वाचनप्रेरणा दिवसानिमित्त पुस्तक समीक्षा स्पर्धा घेण्यात आली. यात १७ विद्यार्थी सहभागी झाले. राधिका नायर प्रथम क्रमांक, खुशबू नागपूरे द्वितीय तर प्रकाश मोहोळ यांनी तृतीय क्रमांक पटकविला.

8. ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेते वि. वा. शिरवाडकर यांच्या जन्मदिवसानिमित्त मराठी भाषा गौरव दिवसाचे औचित्य साधून चिन्मयी डोंगरे, अर्थव पांडे, भक्ती राजा, कल्याणी भेंडे, सुकन्या बुवा, आशुतोष सिन्हा, अमेय पिंपळापुरे, स्वराज बंड या विद्यार्थ्यांनी सुमधुर मराठी भावगीतांचा कार्यक्रम सादर केला. प्रांजली खैरकर या विद्यार्थीनीने आपल्या भाषणात शिरवाडकरांच्या जीवनाचे पैलू उलगडून दाखविले.

५. ७ मे २०२२ ला 'डॉ. प्रकाश आमटे द रिअल हिरो' हा चित्रपट विद्यार्थ्यांना दाखविण्यात आला.





15. On 1st December 2021 HIV AIDS awareness program was organized in the

राष्ट्रधन

- 25/12/2021 on Birth Anniversary of Late Shri Atal Bihari Bajpayee Good Governance Day' an online program was held. Prof Nitin Kapgate addressed the students. 250 students attended the same.
- 17. On 4th February 2022 a special vaccination drive was conducted in the college premises. Some 30 students were present.
- On 8th March World Women's Day was held by NSS. About 200 students attended the program.
- 19. The Residential Camp of NSS students was taken to Rakshak Bag, Yerla from 21st March to 26th March. The camp was inaugurated by Dr. Ranjana Sahu, Coordinator, IQAC of college and guest of honor was Dr. Swati Kathaley, HOD Languages. The eminent speakers like Shri Ballu Behara, from Organ Donation, Dr. Neeta Dharmadhikari, Ex senior faculty of our college, Prof. Ajay Patki, Swadeshi Movement and Dr. A. B. Patle, Ex Coordinator NSS of our college addressed camper on various subjects of social value. The camper also carried out Cleanliness campaign in Yerla (School) village. The camper also presented skit on De-addiction of tobacco. They conducted survey covering issues of social and local nature. The camp concluded on 26th March. Prin. Dr. Khandait was the guest of honor on the occasion 125 students attended the camp.
- 20. On 5th April 2022 a workshop was organized jointly by IQAC, NSS and NCC with Anti Terrorist Squad of Maharashtra on 'Anti Narcotics and Drug Addiction''

As coordinator of the NSS Unit, I take this opportunity to express my gratitude towards Principal Dr. Khandait for encouragement and constant support. I also thank my team Dr. Priya Murarkar, Dr. Manoj Pandey, Dr. Rashi Arora, and Prof. Pallavi Shrivastava. My special thanks to Prof Lt. Ashutosh Tiwari and Dr. Neha Kalyani. Thses all are pillors of the NSS unit of our college.

35

Dr. Yashodeep H. Kedar Coordinator NSS Unit

परीक्षा समिति

राष्ट्रधन

महाविद्यालय में विभिन्न अभ्यासक्रमों के लिए प्रशासन और विद्यापीठ के निर्देशानूसार ऑनलाईन कक्षाए संपन्न हूयी. इस वर्ष के सत्र विटंर २०२१ के लिए ऑनलाईन पद्धति से महाविद्यालय के ॲकेडेमिक कैलेंडर के अनूसार अंतर्गत मूल्यमापन हेतू दो युनिट टेस्ट तथा दो असाईमेंट आयोजित किए गये. इसके पश्चात Preliminary जाँच परीक्षा का आयोजन किया गया. ये सभी परीक्षाएं विंटर २१ के बी.कॉम., बी.सी.सी.ए., बी.बी.ए. ऑनर्स तथा एफ एंड ए, एम.कॉम के लिए की गयी.

समर २२ की कक्षाएं ऑफ लाईन पद्धति से आरंभ हूयी है. तदानुसार बी.कॉम सेम VI लिए एक युनिट टेस्ट और एक असाईमेंट हो चूका है, इस सत्र के लिए जाँच परीक्षा ॲकेडेमिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जायेगी.

बाह्य परीक्षा के अंतर्गत महाराष्ट्र शासन के स्वास्थ्य विभाग में भर्ती के लिए दि. ३१–१०–२१ को लिखित परीक्षा महाविद्यालय के परीक्षा केन्द्र में संपन्न हूयी.

परीक्षा समिति की ओर से सदैव मार्गदर्शन के लिए प्राचार्य डॉ.एन.वाय. खंडाईत तथा परीक्षा के सी.ओ.ई. प्रा.पी.जे. यादव का आभार, विभिन्न अभ्यासक्रमों के संयोजक डॉ. विशाल ठणगण, डॉ. एस.डी.मोरे, डॉ. रंजना साहू, डॉ. अफसर शेख, डॉ. एस.एस. गादेकर, प्रा. पल्लवी श्रीवास्तव को धन्यवाद. समिति के सदस्य डॉ. वीणा नागदिवे, डॉ. अश्वीनी सकलकळे, प्रा. ए.जे. तिवारी के सक्रिय सहयोग हेतू अभिनंदन. परीक्षा आयोजन में सक्रिय सहभाग के लिए श्री मनोज सेलूकर तथा श्री शिवचरण सातपुते को अनेक धन्यवाद. सभी प्राध्यापकों एवम् कर्मचारियों के सहयोग के बगैर परीक्षाओं का संचालन संभव नही है अत: सबका आभार.

36

डॉ. आर.एच. नगरकर संयोजक

Report of Department of B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accountancy) - 2021-22

राष्ट्रधन

It gives me pleasure to present the report of two newly introduced UG courses/programmes-B.Com. (Honours) and B.Com. (Finance & Accountancy) which been designed to develop the first time in RTMNU. Both of these courses have their skills in coordination with the changing demands of industry and commerce. It is B.Com. (Finance & Accountancy)launched in the last year sought 108 admission in B. Com F&A. The new session 2021-22 began and

The new session 2021-22 began under shadow of COVID-19 pandemic in online mode. Teachingof B.Com. (Hons) and B.Com. (F&A) Sem 4 commenced from the month of September 2021 and classes for B.Com. (Hons) and B.Com (F&A) Sem 1 commenced from the month of October 2021.

Achievements of students are given as under:

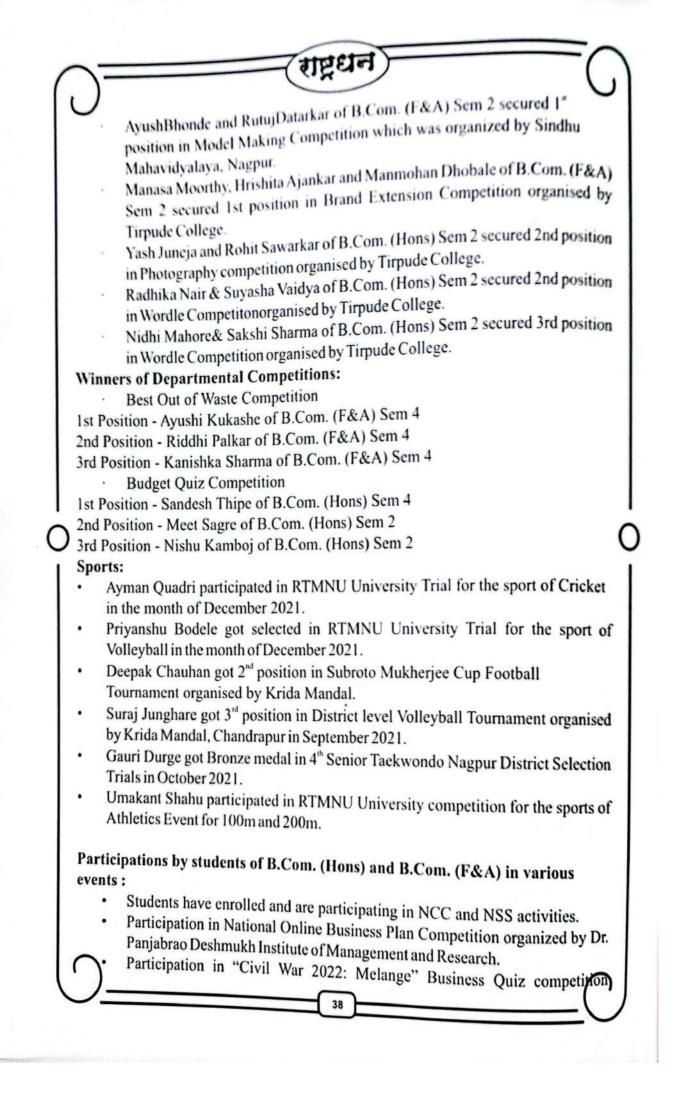
Sr. No.	lase lase		Professional Course	Month of
1	Vaishnavi Bhendarkar	P.Com (IL)	cleared (2021-22)	Passing
2	Aman Chile	B.Com. (Hons) - 1	CSFoundation (CSEET)	Nov, 2021
		B.Com. (F&A) - 1	CS Foundation (CSEET)	Dec, 2021
3	Suraj Thakur	B.Com. (F&A) - 1	CA Foundation	
4	Dhanraj Sahare	B.Com. (F&A) - 1		Dec, 2021
5	Prem Thawali		CA Foundation	Dec, 2021
	. Alter	B.Com. (Hons) - II	NISM Module-5 Mutual Fund Distributor	Dec, 2021
6	Shweta Mourya	B.Com. (F&A) - II	CS Foundation (CSEET)	Jan, 2022
7	Mrunal Meshram	B.Com. (F&A) - 11	CAT (ICMAI) Level - 1	Jan, 2022
8	Divya Khawshi	B.Com. (F&A) - II	CAT (ICMAI) Level - 1	Jan, 2022

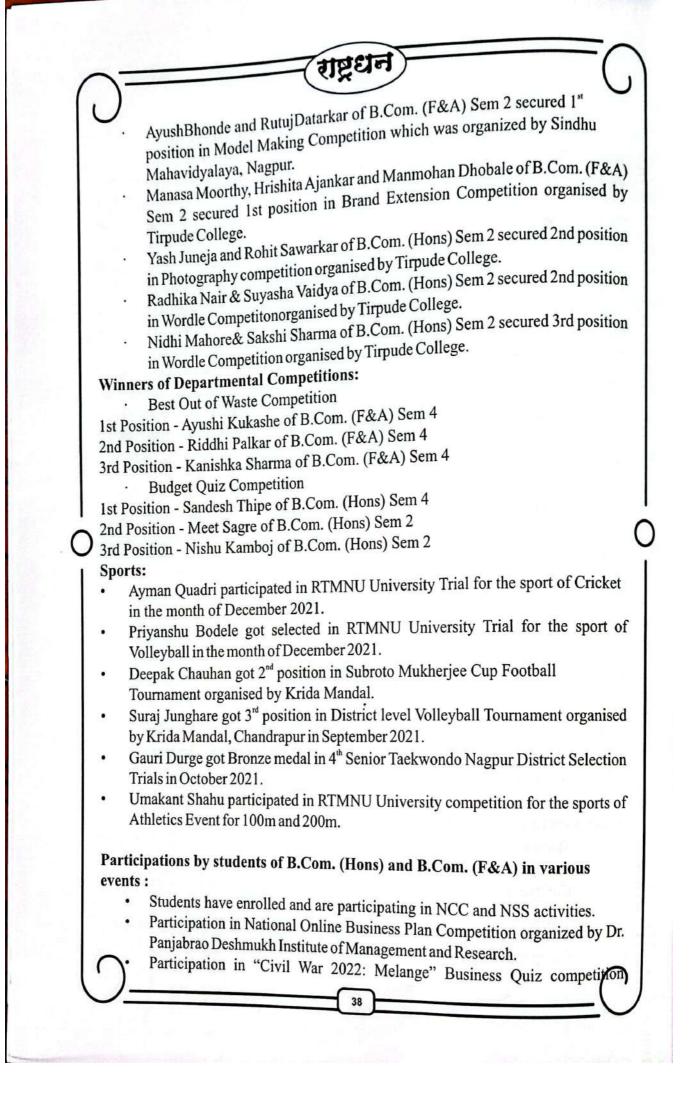
Professional Courses:

Winners of Inter-Collegiate Competition

Samiksha Singh of B.Com. (Hons) Sem 4 secured 3rd position in Inter Collegiate Story Telling Competition organized by Dhanwate National College and also cleared 2rd Level in ICSI Quiz Competition, organized by ICSI.

• Tanishka Kakade of B.Com. (Hons) Sem 2 secured 3rd position in Essay Competition which was organized by Dhanwate National College.





organized by Somaiya College of Management.

Participation in Late P R Dharmadhikari Memorial Debate Competition conducted by Rotary Club of Nagpur West.

राष्ट्रधन

- Many students participated in Gandhi Vichar Sanskar Pariksha organized by
- Many students participated in Quiz Competition organized by ICAI. Many students enrolled for Value Addition Programme GS - SUN, Tally

Inter-Class Sports Competition (College level):

Our students participated in Inter-Class Sports Competition organized by the Physical Education department from 27th March, 2022, which comprised of sports competitions like Tennis-Ball Cricket, Volleyball, Throwball, Tug-of-war, Chess and

Sr. No.	Class	Competition Name	Position	
1	B.Com. (F&A) Sem 4 Girls Team	Tennis-Ball Cricket Competition	Winners	
2	B.Com. (Hons) Sem 4 Girls Team	Tennis-Ball Cricket Competition	Runners	
3	B.Com. (Hons) Sem 4 Girls Team	Throwball Competition	Winners	
4	B.Com. (Hons) Sem 2 Girls Team	Throwball Competition	3 rd Position	
5	B.Com. (Hons) Sem 2 Boys Team	Tug-of-War Competition	Runners	
6	B.Com. (F&A) Sem 2 Girls Team	Tug-of-War Competition	Winners	
7	B.Com. (F&A) Sem 4 Girls Team	Tug-of-War Competition	Runners	

UMANG:

Our students participated in UMANG an Intra-Collegiate cultural event, which comprises of various competitions like Mehendi, Rangoli, Cookery, Art-Craft Competition, Singing and Dancing Competitions. The events were conducted on 11th, 12th and 13th April, 2022.

Cookery Competition:

Ayushi Kukashe of B.Com. (F&A) Sem 4: secured 1st Position.

Prathamesh Nandanwar of B.Com. (F&A) Sem 4: secured 3rd Position .

Singing Competition :

Solo category - Ashutosh Sinha of B.Com. (F&A) Sem 4 secured 2nd Position and Sukanya Buva of B.Com. (Hons) Sem 4 secured 3rd Position.

राष्ट्रधन

Duet category - Aditi and Rudrakshi of B.Com. (F&A) Sem 2 secured Group category - Tanmay Ingle & Group of B.Com. (F&A) Sem 2 secured

Solo category - Sumita Sharma of B.Com. (Hons) Sem 2 secured 3rd Position. Group category - Kashish Umredkar& Group of B.Com. (Hons) Sem 2 secured 3rd

Position.

Our several students participated in GS-COMNEXT a Mega Inter-Collegiate Competition. Many students were selected at Intra Level Rounds conducted for these competitions.

- In Paper Presentation competition Final Round, Lisha Guriya and Saket Vaidya of B.Com. (F&A) Sem 4 secured 2nd Position & Radhika Nair and Anurag Dhongade of B.Com. (Hons) Sem 2 secured 3rd Position.
- In Commerce Model Competition Final Round, Siddhant Kulkarni and Dhanraj Satare of B.Com. (F&A) Sem 2 won Consolation Prize. .

Activities of Department:

Sr.	Name of the activities	Date	Beneficiaries
<u>No.</u> 1	Webinar on "Tips how to score better	18th January, 2022	150 students
2	in Examination" Webinar on "CA as a career" (Keynote speaker - CA Jaydeep Shah, Guest) Speakers - CA Saket Bagdia and CA Nilesh Rukhiyana, Guest of Honour - CA Suren Durgkar	21 st November, 2021	300 stude nts from all departments
3	Online Introduction Session - 'Let the Heart Smile'	2 nd January, 2022	92 students
4	Welcome Event - 'AAHAN'	27 th February, 2022	174 students
5	My Business Ideas	9 th February, 2022	Sem 4 - 98 students Sem 2 - 156 students
6	Best out of Waste	12 th February, 2022	80 students
7	Budget Quiz Competition (Online)	5 th February, 2022	Sem 2 & Sem 4 - 84 students
8	Seminar on Resume building, and Interview techniques	28-29 January,2022	130 students
12	Tribute to late Shri Jamnalal Bajaj: On the occasion of death anniversary of sir, screening of videos of Shri Jamnalal Bajaj: his life story (Kathni Karni Eksi)	11 th February, 2022	150 students
13	Seminar on Research Methodology and project report writing by Dr. Afsar Sheikh	21 st February, 2022	125 students B. Com (Hons)
14	Seminar on use of e -learning resources by Dr. P. M.Paradkar	25 th March, 2022	125 students
17	Communication Skill Development	4 th April, 2022	165 students

Internships:

Around more than 50 students of B.Com. (Hons) II have completed their Internship and currently 85 students of B.Com. (Hons) I are undergoing their Internship with various companies like OneX Solutions, SuccessR, GimWealth, Mudrabiz Finance, Zingling Media, Gaurang, Gauvardaan etc. Acknowledgement:

राष्ट्रधन

Sincere thanks are due to Shri Sanjay Bhargava, Chairman, Shiksha Mandal Wardha for extending co-operation and support for successful beginning of these two new courses.We express our sincere thanks to Dr. N. Y. Khandait, Principal for his guidance and support for introducing and establishing these two new courses. I extend my heartfelt thanks to all the teachers- Prof. Pallavi Shrivastav, Prof. Piyusha Telang, Prof. Sakshee Ahluwalia, Prof. Shaunak Masade, Prof. P Shukla and Prof. A Menon for providing expert knowledge to our students. We thank our students for bringing laurels to the institution by winning many awards and cracking

> Dr. Ranjana Sahu Co-ordinator B. Com Hons & F&A

A Report of Innovation, Ecosystem, Innovative T/L Classroom Seminar and Incubation centre etc. Cell Session

It gives me an immense pleasure to present the report of the Innovation, Ecosystem, Innovative T/L, Classroom Seminar etc. cell for the academic session 2021-22. The committee consist of the following members:-

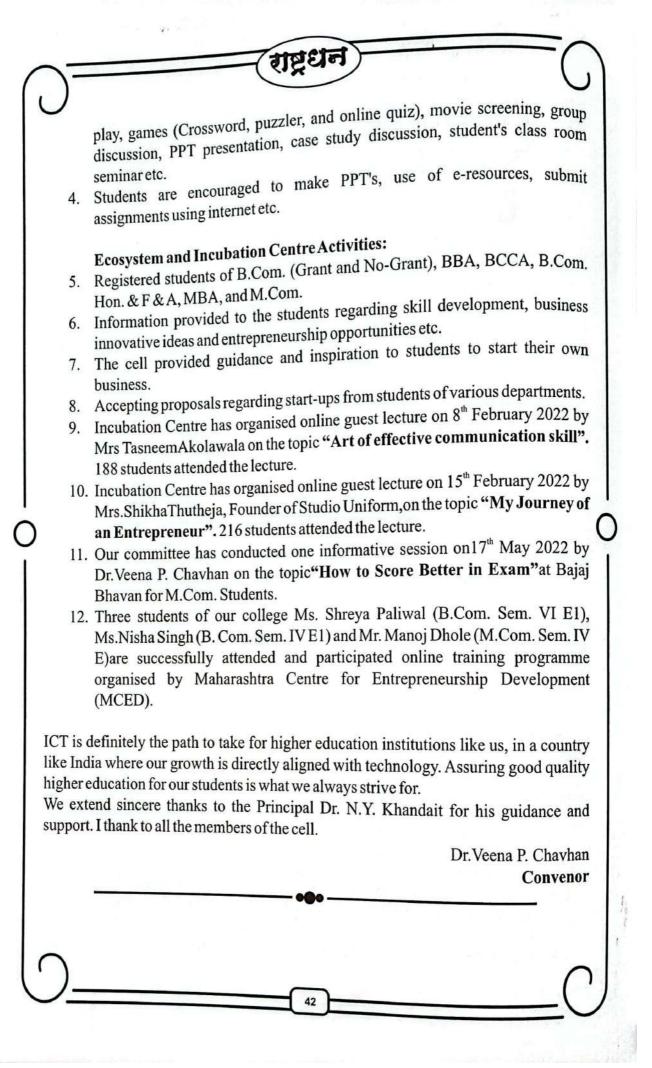
1. Dr. Veena P. Chavhan Convenor 2. Dr. R.J. Arora Member 3. Dr. A.A. Purohit Member 4. Dr. M.R. Pandey Member 5. Dr. N.Z. Hirani Member 6. Dr. A. Akarte Member

Teaching Learning Activities:

- 1. Our teachers prepared video lectures and conducted online sessions for ease of learning during pandemic and also provided notes.
- 2. Enabling ICT in education and making use of technology in education creates an ease to manage learning environment where the delivery of information is much smoother and learning becomes easier. Keeping this in mind our faculties adopt various innovative T/L methods like Blended learning, Flipped classroom, ICT based teaching/learning, E-learning, M-learning etc.

3. Our faculties resort to various innovative teaching learning methods like Role

41



GLIMPSES OF GS-COMNEXT : 2022



Company Analysis Competition



Dabate competition : Dr. Rakhi Raut addressing the students.



Student presenting her views in Debate Competition



Quiz Competition



Seminar Competition: CA Kasturiwale guiding the students







Quiz Competition: Winners at the quiz competition



Debate Competition: Prize distribution

G.S. COMNEXT



Inaugural Session: Shri Sanjay Bhargava and Principal Dr. N. Y. Khandait felicitating CA Shri Julfesh Shah, Chairman COSIA(Vidarbha) and presenting Shri Rahul Bajaj's biography.



Chief Guest Shri Julfesh Shah addressing the audience



Chairman Shri Sanjay Bhargava addressing the students



The inaugural was conducted by Prof. Preeti Rangari



Commerce Model Competition: Student explaining the model to Shri Sanjay Bhargava



GS Success Stories: Shri Rish Gupta, Rishabh Gupta and Shri Lucky Chhabda interacting in the Chat-show.



Commerce Model Competition: Student explaining the model to Chief Guest and Principal Dr. N. Y. Khandait



GS Success Stories: Dr Swati Kathaley, Prof. Preeti Rangari and Dr.Madhuri Purohit felicitating Shri Rishabh Gupta